@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार 28 अक्टूबर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 344 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

देश भर में छठ पूजा का उल्लास

● राष्ट्रपति भवन द्रौपदी मुर्मू में छठ पूजा पर की सूर्य उपासना

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन परिसर में इस बार लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वयं सूर्य देव और छठी मैया की पूजा-अर्चना की और देशवासियों की समृद्धि, सुख-शांति और खुशहाली की कामना की। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि छठ पर्व हमें प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देता है। वहीं बिहार सहित देशभर में लाखों श्रद्धालु घाटों पर जुटे और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और दिल्ली समेत देश के विभिन्न हिस्सों में छठ पर्व का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सोमवार को पर्व के तीसरे दिन लाखों श्रद्धालु गंगा घाटों, सरोवरों और तालाबों पर एकत्र हुए और भगवान भास्कर की उपासना की। महिलाएं पारंपरिक गीतों के साथ सूर्य देव को अर्घ्य देती नजर आईं। राष्ट्रपति भवन में भी पूजा के दौरान पारंपरिक विधि-विधान से सूर्य देव की आराधना की गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छठ पर्व की दी शुभकामनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। यह पर्व हर घर में सुख, समृद्धि और शांति लेकर आए और हमें पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरित करे। राष्ट्रपति ने कहा कि छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि लोक जीवन और प्रकृति के बीच सामंजस्य का प्रतीक है।

● पटना समेत पूरे बिहार में श्रद्धालुओं ने दिया भगवान सूर्य को अर्घ्य

एजेंसी

पटना। एक अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास में परिवार के सदस्यों के साथ अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर राज्य में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। लोक आस्था का यह महापर्व आत्मानुशासन का पर्व है, जिसमें लोग शुद्ध अंतःकरण और निर्मल मन से अस्ताचल और उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। महापर्व छठ के अवसर पर भगवान भास्कर से राज्य की प्रगति, सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना है।

बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने अपने परिवार के साथ सरकारी आवास पर चार दिवसीय इस लोक आस्था के पर्व में भाग लिया। उन्होंने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। उनकी पत्नी नीता केसकर चौधरी पिछले 13 वर्षों से निर्जला छठ व्रत करती आ रही हैं। इस मौके पर मंत्री की बेटी और समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी भी मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व हमारी संस्कृति और नारी शक्ति की पहचान है। इस पर्व से हमें पर्यावरण, नदियों और प्रकृति के प्रति सम्मान की प्रेरणा मिलती है।

छठ पूजाः मुयमंत्री योगी बोले-

लखनऊ का कोई ड्रेनेज या सीवर गोमती में नहीं गिरेगा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ न सिर्फ आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम है, बल्कि सामाजिक एकता, प्राचीन भारतीय विरासत और प्रकृति से संवाद का प्रतीक भी है। गोमती तट के किनारे लक्ष्मण मेला मैदान में छठ घाट पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने छठ गीतों का आनंद लिया और भोजपुरिया सनेश स्मारिका का विमोचन किया। सीएम ने भोजपुरी में संबोधन देकर श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया। उन्होंने कहा कि लखनऊ का कोई ड्रेनेज या सीवर गोमती में नहीं गिरेगा, पीलीभीत से गाजीपुर तक गोमती निर्मल व अविरल होगी।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि छठ महापर्व विश्वभर में बसे भोजपुरी समाज को आत्मशुद्धि और लोक कल्याण के मार्ग से जोड़ता है। उन्होंने भोजपुरी में शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'छठ मईया के कृपा सबके ऊपर बनल रहे, सभन लोगन के परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली रहे एकरे खातिन हम छठी माई से आशीर्वाद मांगत आनी जितना लोग व्रत बाटें उन्हें खातिर हम छठी माई से आशीर्वाद मांगत बानी की सबके भगवती उनके सपने के पूरा करें।' उन्होंने कहा कि यह पर्व भारत की प्राचीन विरासत को दर्शाता है और प्रकृति से संवाद सिखाता है। उन्होंने चार दिनों की कठिन साधना में बहनों की तपस्या को विशेष रूप से सराहते हुए कहा कि यह परिवार की सुख-समृद्धि के साथ लोकमंगल की कामना से जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पौराणिक काल से चली आ रही यह परंपरा अब पूरे भारत में फैल चुकी है। पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिमी इलाकों तक लाखों श्रद्धालु इस पर्व से जुड़ रहे हैं।

उपराष्ट्रपति 28 से 30 अक्टूबर तक तमिलनाडु के दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 28 से 30 अक्टूबर तक तमिलनाडु का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति पदभार संभालने के बाद अपनी इस पहली यात्रा के दौरान कोयंबटूर, तिरुप्पुर, मदुरै और रामनाथपुरम में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, उपराष्ट्रपति ने 26-27 अक्टूबर तक सेशेल्स गणराज्य की आधिकारिक यात्रा के दौरान सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। उपराष्ट्रपति 28 अक्टूबर को कोयंबटूर पहुंचेंगे। उपराष्ट्रपति का कोयंबटूर हवाई अड्डे पर स्वागत किया जाएगा। कोयंबटूर नागरिक मंच उपराष्ट्रपति का कोयंबटूर जिला लघु उद्योग संघ में अभिनंदन करेगा। उपराष्ट्रपति टाउन हॉल निगम भवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और बाद में कोयंबटूर के पेरूर मठ में शांतालिंगा रामासामी आदिगलर के शताब्दी समारोह में भाग लेंगे। उपराष्ट्रपति शाम को तिरुप्पुर पहुंचेंगे और महात्मा गांधी और तिरुप्पुर कुमारन की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। उपराष्ट्रपति 29 अक्टूबर को तिरुप्पुर में एक सम्मान समारोह में भाग लेंगे और शाम को मदुरै के मीनाक्षी अम्मन मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। उपराष्ट्रपति 30 अक्टूबर को रामनाथपुरम जिले के पसुम्पोन में पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कैंची धाम में किए बाबा नीब करौरी के दर्शन

रामनाथ कोविंद का राज्यपाल सेवानिवृा लेटिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने स्वागत किया।

एजेंसी

नैनीताल। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नैनीताल जनपद के विश्वप्रसिद्ध कैंची धाम में बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन किये। दर्शन के बाद पूर्व राष्ट्रपति कोविंद यहां के राजभवन पहुंचे, जहां उत्तराखंड के राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने उनका स्वागत किया।

सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तीन दिवसीय प्रवास पर नैनीताल पहुंचे हैं। कोविंद ने कैंची धाम पहुंच कर बाबा बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन किये। उनका यह दौरा धार्मिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक दृष्टि से विशेष महत्व का माना जा रहा है। कैंची धाम से कोविंद नैनीताल राजभवन पहुंचे जहां उत्तराखंड के राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने उनका स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल के सचिव रविनाथ रामन, कुमाऊं मंडल के आयुक्त एवं मुख्यमंत्री के सचिव दीपक रावत, पुलिस महानिरीक्षक (कुमाऊँ) रिद्धिम अग्रवाल, अपर सचिव रीना जोशी, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रह्लाद नारायण मीणा, परिसहाय अमित श्रीवास्तव और मेजर सुमित कुमार उपस्थित रहे। पूर्व राष्ट्रपति अल्मोड़ा जनपद के द्वाराहाट क्षेत्र में स्थित दुग्धेश्वर जाने का कार्यक्रम है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत उत्तराखंड के राज्यपाल सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह भी सोमवार को दो दिवसीय कार्यक्रम पर नैनीताल पहुंचे हैं। नैनीताल राजभवन में कुमाऊं मंडल के आयुक्त एवं मुख्यमंत्री के सचिव दीपक रावत, पुलिस महानिरीक्षक (कुमाऊँ) रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रह्लाद नारायण मीणा ने राज्यपाल का स्वागत किया। इस दौरान जनपद के अधिकारियों ने राज्यपाल को जिले की विकास योजनाओं, पर्यटन, शिक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों की जानकारी दी। राज्यपाल ने जनहित से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया तथा अधिकारियों से जनसंपर्क को मजबूत कर राज्यहित में कार्य करने का आह्वान किया।

समुद्री क्षेत्र भारत की शक्ति, स्थिरता और सततता का प्रतिनिधित्व करता है: अमित शाह

शाह ने गोरेगांव के नेस्को प्रदर्शनी केंद्र में भारत समुद्री सप्ताह (आईएमडल्यू) 2025 का उद्घाटन किया

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुंबई में सोमवार को कहा कि समुद्री क्षेत्र भारत की शक्ति, स्थिरता और सततता का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि यह भारत का समुद्री क्षण है, जो भारत के प्रवेश द्वार को विश्व के प्रवेश द्वार में बदल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए गहन संरचनात्मक सुधारों के कारण भारत आज वैश्विक समुद्री मानचित्र पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में खड़ा है।

अमित शाह ने सोमवार को गोरेगांव के नेस्को प्रदर्शनी केंद्र में भारत समुद्री सप्ताह (आईएमडब्ल्यू) 2025 का उद्घाटन किया, जो दुनिया के सबसे बड़े समुद्री सम्मेलन की शुरुआत का प्रतीक है। 'महासागरों को एकजुट करना, एक समुद्री दृष्टिकोण विषय पर आयोजित इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में 85 देशों के 1,00,000 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें 500 प्रदर्शक, 350 वक्ता और 12 समवर्ती सम्मेलन और प्रदर्शनियां शामिल हैं। आईएमडब्ल्यू 2025 भारत के समुद्री पुनरुत्थान और 2047 तक देश को वैश्विक समुद्री क्षेत्र में अग्रणी बनाने के उसके दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। गृह मंत्री शाह ने कार्यक्रम में कहा कि भारत की रणनीतिक स्थिति और विस्तृत तटरेखा उसे अद्वितीय समुद्री लाभ प्रदान करती है। हमारी 11,000 किलोमीटर लंबी तटरेखा, 13 तटीय राज्य और 23.7 लाख वर्ग किलोमीटर का विशेष आर्थिक क्षेत्र भारत को एक प्राकृतिक समुद्री शक्ति बनाते हैं। हमारे सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 60 प्रतिशत तटीय राज्यों का योगदान है और लगभग 80 करोड़ लोग अपनी आजीविका के लिए समुद्र पर निर्भर हैं। हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अपनी समुद्री स्थिति, लोकतांत्रिक स्थिरता और नौसैनिक क्षमता का लाभ उठाते हुए भारत हिन्द-प्रशांत और वैश्विक दक्षिण के बीच एक सेतु का काम कर रहा है और विकास, सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रगति को बढ़ावा दे रहा है। शाह ने जोर देकर कहा कि सरकार की समुद्री नीति, जो प्रधानमंत्री मोदी के महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण पर आधारित है, का उद्देश्य वैश्विक समुद्री केंद्र के रूप में भारत की भूमिका को मज़बूत करना है। उन्होंने कहा कि भारत की समुद्री ताकत प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि सहयोग में निहित है। हमारा लक्ष्य एक हरित समुद्री भविष्य का निर्माण करना है।

स्वदेशी जहाज 'इक्षक' 6 नवंबर को कोच्चि में भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की मौजूदगी में 06 नवंबर को स्वदेश निर्मित सर्वेक्षण पोत 'इक्षक' भारत के समुद्री बेड़े में शामिल किया जाएगा। कोच्चि के नौसेना बेस में होने वाला यह समारोह भारत के जहाज निर्माण और स्वदेशीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। नौसेना के मुताबिक अपनी श्रेणी के तीसरे पोत के रूप में 'इक्षक' का नौसेना में शामिल होना उन्नत, अत्याधुनिक प्लेटफार्मों के निर्माण के प्रति नौसेना की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे क्षमता वृद्धि और आत्मनिर्भरता की गति को बल मिलेगा। कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड में जहाज उत्पादन निदेशालय और युद्धपोत निरीक्षण दल की देखरेख में निर्मित इक्षक में 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। यह जहाज जीआरएसई और भारत के लघु उद्यमों के बीच सफल सहयोग का प्रमाण है, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना और शक्ति को गर्व से दर्शाता है। नौसेना के मुताबिक जहाज का नाम 'इक्षक' इसलिए रखा गया है, क्योंकि इसका अर्थ 'मार्गदर्शक' है। यह नाम जहाज के मिशन का प्रतीक है, जिसका कार्य अज्ञात का पता लगाना, नाविकों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करना और भारत की समुद्री शक्ति को मजबूत करना है। जल सर्वेक्षण कार्यों की अपनी प्राथमिक भूमिका के अलावा इक्षक को दोहरी भूमिका क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है। यह जहाज मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) और आपात स्थिति के दौरान एक अस्पताल के रूप में कार्य करता है। यह महिलाओं के लिए विशेष आवास वाला पहला एसवीएल जहाज भी है।

बिहार के बाद अब 12 राज्यों में मतदाता सूची होगी अपडेट

● आज से आगामी फरवरी तक चलेगी प्रक्रिया

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग बिहार के बाद 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची को अपडेट करेगा। इससे जुड़ी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया आज रात से शुरु हो जाएगी। इनमें अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं। इन राज्यों की कुल आबादी 51 करोड़ है। एसआईआर की प्रक्रिया कल से शुरु होगी और 7 फरवरी तक अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। आज रात से इन राज्यों की मतदाता सूची फ्रीज हो जाएगी।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को यहां के विज्ञान भवन में इस संबंध में एक पत्रकार वार्ता की। इस दौरान चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधु और विवेक जोशी भी उपस्थित रहे। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि कानून के तहत जरूरत पड़ने और चुनावों से पूर्व चुनाव आयोग मतदाता सूची को अपडेट कर सकता है। राजनीतिक दल भी मतदाता सूची को लेकर अलग-अलग तरह से मुद्दे उठाते रहते हैं।चुनाव आयोग एसआईआर के लिए कल से 3 नवंबर तक प्रिंटिंग और प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूरी कर लेगा। इसके बाद 4 नवंबर से अगले एक महीने तक सभी घरों में जाकर चुनावकर्मी फार्म वितरित करेंगे। नौ दिंसबर को चुनाव आयोग इन राज्यों की मसौदा सूची जारी करेगा। इसके बाद 1 महीने तक इस मौसूदा सूची से जुड़े दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद 9 जनवरी से एक महीने तक दावे सुने जाएंगे और जांच होगी। सात फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद पूरी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार देश में मतदाता बनने के लिए भारत का नागरिक होना, 18 साल से अधिक आयु का होना, किसी क्षेत्र का सामान्य रिहायशी होना और किसी अन्य कानून के तहत अयोग्य न घोषित व्यक्ति ही मतदाता बनने के लायक होता है। उन्होंने कहा कि इतने सालों में मतदाता सूची में काफी बदलाव आए हैं। लोगों ने बहुत बड़ी संख्या में पलायन किया है। इसके चलते मतदाता एक से अधिक स्थान पर पंजीकृत हैं। कई मृत मतदाता भी मतदाता सूची में शामिल हैं और कई स्थानों पर गलत तरीके से विदेशियों को भी मतदाता सूची में शामिल किया गया है। एसआईआर की प्रक्रिया 1951 से 2004 तक आठ बार की जा चुकी है। आखरी बार फिर 2002 और 04 के बीच 21 साल पहले कराया गया था। एसआईआर प्रक्रिया में शामिल किए गए राज्यों में कुल मिलाकर लगभग 51 करोड़ मतदाता हैं।

इस अभियान में 5.33 लाख बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) और राजनीतिक दलों द्वारा नामित लगभग 7.64 लाख बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) शामिल होंगे। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में 2026 में चुनाव होने हैं। हालांकि, असम में जहां उच्चतम न्यायालय की निगरानी में एक अलग नागरिकता सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने वाली है, संशोधन के लिए एक अलग आदेश बाद में जारी किया जाएगा।

पंजाब की बठिंडा अदालत में पेश हुई कंगना रानौत

● गलतफहमी के लिए खेद जताया

चंडीगढ़। किसान आंदोलन के दौरान एक ट्वीट करने के बाद अदालती कार्यवाही का सामना कर रही बालीवुड अभिनेत्री एवं हिमाचल की सांसद कंगना रानौत सोमवार को बठिंडा की अदालत में पेश हुई। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने उन्हें निजी तौर पर पेश होने के लिए कहा था। कंगना के बठिंडा आने पर विरोध की आशंका के चलते अदालत परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। बालीवुड अभिनेत्री कंगना से जुड़ा यह मामला किसान आंदोलन के समय में साल 2021 का है। उस दौरान कंगना ने बठिंडा के गांव बहादुरगढ़ जंडिया की रहने वाली 87 वर्षीय बुजुर्ग किसान महिंदर कौर को 100-100 रुपये लेकर धरने में शामिल होने वाली महिला बताते हुए ट्वीट किया था। इसके खिलाफ महिंदर कौर ने 4 जनवरी, 2021 को मानहानि का केस दायर किया था। करीब 13 महीने सुनवाई चली, जिसके बाद बठिंडा की अदालत ने कंगना को समन जारी करते हुए पेश होने का आदेश दिया था।

चक्रवाती तूफान 'मोंथा' को लेकर आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा और तमिलनाडु में अलर्ट

एजेंसी

चेन्नई। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान 'मोंथा' तेजी से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। पिछले छह घंटों में तूफान 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ा है। 'मोंथा' के मंगलवार (28 अक्तूबर) की सुबह तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है और 27 से 30 अक्टूबर तक आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में भारी बारिश होने की उम्मीद है। तमिलनाडु में आने वाले चक्रवाती तूफान 'मोंथा' को देखते हुए कई जिलों में स्कूल बंद करने की घोषणा की गई है। स्थानीय प्रशासन ने निचले और तटीय इलाकों में स्थित स्कूलों और कुछ कॉलेजों को अस्थायी छुट्टियां देने का फैसला किया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 28 अक्टूबर को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, क्योंकि तूफान उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा है। 'मोंथा' के खतरे को देखते हुए आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु हाई अलर्ट पर है। आपदा प्रबंधन टीमें तैनात की गई हैं और मछुआरों को अगले कुछ दिनों तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने तटीय और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सावधान रहने और तूफान के चरम समय में अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।भारतीय मौसम विभाग, दक्षिणी क्षेत्र के प्रमुख डॉ. बी. अमुधा ने सोमवार को बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात तूफान 'मोंथा' आंध्र प्रदेश के मसूलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच तट को पार कर सकता है। कल (मंगलवार) शाम मसूलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के पास एक भीषण चक्रवाती तूफ़ान का रूप लेकर तट को पार कर सकता है। इससे पहले, चेन्नई मौसम विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया था कि दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिमी दिशा में आगे बढ़ा और मंगलवार रात यह एक चक्रवाती तूफ़ान मोंथा में बदल गया और दक्षिण-पश्चिम तथा उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में प्रबल हो गया। चक्रवाती तूफ़ान मोंथा वर्तमान में बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य क्षेत्र में, चेन्नई से लगभग 520 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, काकीनाडा से 570 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, विशाखापत्तनम से 600 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और पोर्ट ब्लेयर (अंडमान द्वीप समूह) से 850 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।

सोन नदी में नहाने गए तीन युवक डूबने से मौत... छठ पर्व मातम में बदला

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पलामू जिले के जपला में खरना के शुभ अवसर पर सोन नदी में नहाने गए तीन युवक डूब गए। यह घटना रविवार को हुई और सोमवार को गोताखोरों के प्रयासों से तीनों के शव बरामद कर लिए गए। मृतकों में अंकुश पासवान (22), निवासी शेरघाटी (बिहार), आदर्श चंद्रवंशी (22), निवासी इटवा, नवीनगर (बिहार), रजनीश चंद्रवंशी (23), निवासी पोखराही शामिल है। युवक रविवार शाम को नदी की गहराई में समा गए। देर शाम तक वापस न लौटने पर खोजबीन शुरू हुई और पुलिस को सूचना दी गई। एसडीपीओ एस. मोहम्मद याक़ूब और अंचल अधिकारी पंकज कुमार सहित प्रशासन की टीम पूरी रात और सोमवार देर शाम तक सर्च अभियान में जुटी रही। अंकुश पासवान और आदर्श चंद्रवंशी के शव बरवाडीह गांव के सामने, जबकि रजनीश चंद्रवंशी का शव डूमरहत्था गांव के समीप मिला। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र, खासकर पोखराही गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शवों का पोस्टमार्टम हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया और फिर परिजनों को सौंप दिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मौके पर कई पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी ड्रोन से गिराए नशीले पदार्थों को जप्त किया

जम्मू (एजेंसी)। भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराए गए नशीले पदार्थों से भरे दो बैग बरामद कर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल किया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इन बैग में करीब पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 25 करोड़ रुपये से अधिक है। उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान आर एस पुरा सेक्टर में सीमा चौकी जतिंदर के पास यह बरामदगी हुई। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब छह बजे पाकिस्तानी ड्रोन को भारतीय सीमा में मंडराते देखा गया जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 5.300 किलोग्राम हेरोइन के 10 पैकेट से भरे दो बैग जब्त किए गए। ताजा रिपोर्ट मिलने तक अभियान जारी था।

वारंगल में एक मासूम बच्ची पर आवारा कुत्तों के झुंड ने किया हमला

वारगंल (एजेंसी)। तेलंगाना के वारंगल में एक मासूम बच्ची पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। घर के बाहर खेल रहे बच्चों पर इस तरह का हमला नगर निगमों की लापरवाही का बड़ा उदाहरण है। वे शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने और उनसे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम साबित हो रही है। दरअसल पूरे भारत में कुत्तों के काटने के मामलों का बढ़ना (2024 में 22 लाख से अधिक, जिनमें 5 लाख 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे शामिल हैं) दिखाता है कि यह एक राष्ट्रीय स्तर की गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा चुनौती है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला, जिसमें खतरनाक या पागल कुत्तों को शेल्टर में रखने और शांत, नसबंदी-टीकाकृत कुत्तों को वापस उनके क्षेत्रों में छोड़ने की बात कही गई है, एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करता है। स्थानीय अधिकारियों को इस आदेश का पालन सख्ती से करना चाहिए। वारंगल इलाके के लोगों का कुत्ते के कटने की घटना के बाद सातवें आसमान पर है, क्योंकि ऐसी घटनाएं सीधे तौर पर उनकी सुरक्षा को प्रभावित करती हैं। इसके लिए ज़रूरी है कि नगर निगम और स्थानीय प्रशासन कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रमों को तेज़ करें। खतरनाक या आक्रामक कुत्तों को पहचान कर उन्हें सुरक्षित रूप से शेल्टर में रखें। बच्चों के खेलने के सार्वजनिक क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। हम उम्मीद करते हैं कि बच्ची जल्द से जल्द ठीक हो जाए।

संभल दंगा मामले के चार आरोपियों को जमानत

संभल (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के संभल जिले में संभल दंगा मामले के बारे में जरुरी जानकारी सामने आई है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने संभल दंगा मामले के चार आरोपियों को जमानत दे दी है। इन चारों को साल 2024 में गिरफ्तार किया गया था और ये तब से जेल में थे। इनकी जमानत याचिका को पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखकर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। सांप्रदायिक हिंसा के कथित मास्टरमाइंड शारिक साटा पर शिकंजा कसा जा रहा है। संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई के अनुसार, जल्द ही उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होगा। पुलिस, सीबीआई और इंटरपोल मिलकर साटा की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रहे हैं। बात दें कि दंगा 24 नवंबर 2024 को हुआ था। यह घटना शाही जामा मस्जिद के कोर्ट-निर्देशित सर्वे के दौरान हुई थी। सर्वे का दावा था कि मस्जिद की जगह पहले हरिहर मंदिर था। इस झड़प में चार लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों घायल हुए थे। जांच में शारिक साटा को मुख्य साज़िशकर्ता पाया गया। वह कई साल पहले देश छोड़कर फरार हो गया था और विदेश में छिपा हुआ है।

केरल में तेज हवाओं के कारण पलटी नाव...एक मछुआरे की मौत

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कई जिलों में सोमवार को तेज हवाएं चलने के साथ भारी बारिश हुई। जिससे निचले इलाकों में जलभराव हो गया। अलप्पुझा जिले में तेज हवाओं के कारण अर्थुनकल तट के पास एक मछुआरे की नाव पलट जाने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम पॉल देवासिया है, जो अर्थुनकल का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि वह सुबह-सुबह मछली पकड़ने गया था। हालांकि अन्य मछुआरों ने पॉल को बचाकर पानी से बाहर निकाल लिया था लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कोझिकोड, कासरगोड और कन्नूर जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है और 24 घंटों के भीतर 115.6 मिमी से 204 मिमी बारिश होने की संभावना है।

खतरनाक हुआ मोंथा चक्रवात का असर शुरु: चैन्नई में तेज बारिश, कल आंध्रप्रदेश में देगा दस्तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे चक्रवात मोंथा ने अब खतरनाक रूप धारण कर लिया है। इसका असर चैन्नई में हो रही खतरनाक बारिश के रुप में दिखने लगा है। कल 28 अक्टूबर को मोंथा आंध्र प्रदेश के तट से टकराएगा। इस दौरान हवा की गति 90 से 110 किमी प्रति घंटा होने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश में काकीनाडा और कोनासिमा के 34 तटीय गांवों से 6,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है, जिसमें 428 गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। विसाखापट्टनम, अनाकापल्ले और वेस्ट गोदावरी में स्कूल 27-28 अक्टूबर को बंद रहेंगे।

ओडिशा के 8 दक्षिणी जिलों मल्कानगिरी, कोरापुट आदि को रेड जोन घोषित किया गया है, जहां साइक्लोन शेल्टर बनाए गए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमें तैनात हैं। विभाग के लोगों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और जलाशयों से पानी छोड़ा जा रहा है। चक्रवात मछलीपट्टनम और कालिंगपट्टनम के बीच से होकर गुजरेगा। काकीनाडा के आसपास इसके आंध्र प्रदेश के तट को पार करने का अनुमान है। इससे ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ समेत 7 राज्यों प्रभावित हो सकते हैं। ओडिशा के सभी 30 जिले अलर्ट पर हैं। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा, कोनासिमा, एलुरु, वेस्ट गोदावरी, कृष्णा, गुंटूर, भटला, प्राकासम और एसपीएसआर नेल्लोर जिलों में खतरा अधिक है। तमिलनाडु के चेन्नई, तिरुवल्लुर और रानीपेट में भी प्रभाव पड़ सकता है। आईएमडी ने समुद्री इलाकों में ऊंची लहरें और तटीय बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

आईएमडी ने ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जहां 28-29 अक्टूबर को बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश के 9 जिलों में रेड अलर्ट है, जबकि बाकी हिस्सों जैसे कि तमिलनाडु और ओडिशा में ऑरेंज अलर्ट लागू है। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में भी भारी बारिश का अनुमान है। हवा की गति 110 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे पेड़ उखड़ने और बाढ़ का खतरा है। मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

यूपी एटीएस ने आईएसआईएस के दो आतंकी किए गिरफ्तार, दिल्ली में ब्लास्ट करने की बना रहे थे योजना

लखनऊ (एजेंसी)। उप्र पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़े आतंकी खतरे को विफल करते हुए आईएसआईएस से जुड़े दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आत्मघाती हमला करने की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (20) और मोहम्मद अदनान खान (19) हैं। ये दोनों सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथी अभियान रहे थे। ये दोनों आईएसआईएस के वीडियो देखकर कट्टरपंथी बने हैं।

यह जानकारी सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए यूपी आईजी एलआर कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि अदनान खान (भोपाल निवासी) को 18 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के भोपाल से गिरफ्तार किया गया। जबकि मोहम्मद अदनान को 16 अक्टूबर को दिल्ली के सेक्टर-3, सादिक नगर से पकड़ा गया। दोनों आईएसआईएस के सिरिया-तुर्की सीमा पर सक्रिय एक विदेशी हैंडलर से जुड़े हुए थे और उन्हें अपना 'अमीर' मानते थे। अभियुक्तों ने ऑनलाइन आईएसआईएस से संबंधित वीडियो देखकर विचारधारा से प्रभावित होकर आत्मघाती हमले की ट्रेनिंग ली थी। दोनों दक्षिण दिल्ली के एक मॉल और सार्वजनिक पार्क को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे, जहां दिवाली के अवसर पर भारी भीड़ उमड़ने वाली थी। आईजी एलआर कुमार ने बताया कि दोनों के पास से आईईडी बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, टाइमर क्लॉक, आईएसआईएस का झंडा, लैपटॉप, पेन ड्राइव और प्रोपेगैंडा सामग्री बरामद हुई है। उन्होंने बयश्अत (निष्ठा की शपथ) लेने का वीडियो भी रिकॉर्ड किया था। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक ग्रुप बनाकर भर्ती करने की कोशिश की थी और दिवाली पर हमला कर 'फिदायीन' (आत्मघाती) अटैक को अंजाम देने का प्लान था।

एसआईआर के ऐलान से पहले बंगाल में ममता ने कर दिया बड़ा खेला

कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग सोमवार को देश के विभिन्न राज्यों में वोटर लिस्ट की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की घोषणा करने वाला है। हालांकि आयोग के ऐलान से पहले ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने राज्य की नौकरशाही में बड़ा फेरबदल किया है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को आदेश जारी कर कई जिलों के जिला अधिकारी (डीएम) को स्थानांतरित कर दिया। इस फेरबदल के तहत कई अधिकारियों को जिला मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी से हटाया गया है, जबकि कुछ को नए जिलों में तैनाती दी गई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जिन जिलों में डीएम बदले गए हैं, उसमें उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, कूचबिहार, मुर्शिदाबाद, पुरुलिया, दार्जीलिंग, मालदा, बीरभूम, झारग्राम और पूर्व मेदिनीपुर शामिल हैं।

दरअसल, एक बार एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद जिला मजिस्ट्रेटों का तबादला नहीं किया जा सकता। यह देखकर नबन्ना (राज्य सचिवालय) ने घोषणा से ठीक पहले यह आदेश जारी कर दिया ताकि प्रशासनिक नियंत्रण सरकार के हाथ में बना रहे।

इस कदम पर विपक्षी दलों का कहना है कि ममता बनर्जी सरकार चुनाव से पहले प्रशासनिक मशीनरी को अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, राज्य सरकार का कहना है कि यह 'नियमित प्रशासनिक फेरबदल' है, जिसका एसआईआर या किसी चुनावी प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है।

बीजेपी के भंवर में फंसे उमर अबदुल्ला... राज्यसभा चुनाव में चौथी सीट पर लगा झटका

-7 वोट मिलने का भरोसा टूट गया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनावों के हालिया नतीजे नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के लिए बड़े झटके के सामना है। एनसी उम्मीदवार इमरान नबी डार की चौथी सीट पर हार हुई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नबी की पराजय को 'धोखा' करार दिया है। यह हार नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए एक तरह से 14 साल बाद इतिहास को फिर दोहराया गया है, जब 2011 में बीजेपी विधायकों के क्रॉस-वोटिंग ने पार्टी को फायदा पहुंचाया था, वहीं अब उसी तरह की स्थिति ने एनसी को नुकसान पहुंचाया है।

राज्य में मतदान में डार को 22 वोट मिले, जो जीत के लिए जरूरी 29 वोटों से सात कम थे। वहीं, भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष सतीश शर्मा ने 28 विधायकों के समर्थन के बावजूद 32 वोट हासिल कर चौथी सीट पर जीत का परचम लहराया। सूत्रों के अनुसार, डार के पक्ष में पड़े तीन वोट अमान्य घोषित हुए। जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 88 सीटों में से एनसी के पास अपने सहयोगी दलों कांग्रेस (6), माकपा (1) और 5 निर्दलीय विधायकों के साथ कुल 53 वोट थे, जिससे तीन राज्यसभा सीटों पर उसकी जीत तय थी वहीं भाजपा के पास 28 विधायक थे, जबकि गैर-भाजपा विपक्ष के पास केवल छह वोट थे। संख्या के हिसाब से एनसी के पास पहले दो उम्मीदवारों की जीत के लिए पर्याप्त मत थे, लेकिन चौथी सीट के लिए एनसी को सहयोगियों और निर्दलीयों के समर्थन की आवश्यकता थी। पार्टी को उम्मीद थी कि 30 में से 29 वोट उन्हें ही मिलने है। लेकिन गिनती के बाद सामने आया कि एनसी उम्मीदवार जीएस ओबेरॉय (शम्मी ओबेरॉय) को 31 और डार को केवल 22 वोट मिले। एनसी को जिन सात अतिरिक्त वोटों की उम्मीद थी, उसमें से चार वोट भाजपा के सतीश शर्मा को मिले, जिससे उनके वोट 32 तक पहुंच गए, जबकि तीन वोट अमान्य हुए।

इन नतीजों के के बाद मुख्यमंत्री उमर ने कहा, 'चौथी सीट पर हमारी हार धोखे का नतीजा है। हमें आखिरी वक्त पर छोड़ दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा को चार अतिरिक्त वोट कहां से मिले और किसने जानबूझकर गलत प्रेफरेंस मार्क किया।

बात दें कि राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग का इतिहास जम्मू-कश्मीर की राजनीति में बहुत पुराना है। वर्ष 2011 में विधान परिषद के चुनाव में भाजपा के 11 विधायकों में से 7 ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर एनसी के प्रत्याशी को वोट कर दिया था। 1996 में, एनसी के दो विधायकों की गलती से भाजपा के दयाकृष्ण कोटवाल की जीत हुई थी। वहीं वर्ष 2003 में, एनसी के त्रिलोचन सिंह वज़ीर को कांग्रेस-पीडीपी गठबंधन के विधायकों के क्रॉस-वोट से फायदा हुआ था।

इस राजनीतिक उठापटक के बीच आप विधायक मेहराज मलिक ने जेल से बयान जारी कर कहा, 'मैंने एनसी के पक्ष में वोट दिया, लेकिन अब उनके कुछ नेता मुझ पर सवाल उठा रहे हैं। मलिक खुद डोडा से आते हैं और फिलहाल जम्मू-कश्मीर पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत कठुआ जेल में बंद हैं।

सरकार और योगी की अर्थी निकालो... ये कहना सीएमएस डॉ. भास्कर को पड़ा मंहगा

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर ज़िले के जयसिंहपु में वीरसिंहपुर गाँव स्थित सौ बेड के अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. भास्कर को उत्तप्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ टिप्पणी करना महँगा पड़ गया है।

दरअसल आम आदमी पार्टी (आप) के एक धरना प्रदर्शन के दौरान, प्रदर्शन समाप्त कराने की बातचीत में आप के प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने सीएमएस और सीएमओ की अर्थी निकालने की चेतावनी दी। इसके जवाब में सीएमएस डॉ. भास्कर ने कहा, मेरी और सीएमओ की अर्थी क्यों निकलते हो, सरकार और सीएम योगी की निकालो।

सीएमएस के इस बयान का वीडियो वायरल हो गया और मामला शासन तक पहुँच गया। इसके बाद सीएमएस डॉ. भास्कर को निलंबित कर दिया गया है। उन पर अमर्यादित भाषा के उपयोग के अलावा, मरीजों को बाहर से दवा लिखने, बायोमेडिकल वेस्ट मानकों का अनुपालन न करने और सरकारी कर्मचारी नियमावली के उल्लंघन के आरोप भी लगे हैं।

भाजपा के मंडल अध्यक्ष शोभनाथ यादव की तहरीर पर जयसिंहपुर थाने में सीएमएस के खिलाफ मुकदमा (केस) दर्ज किया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद, एडी हेल्थ को जाँच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनकी रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई हुई मानी जा रही है। वहीं के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने वीडियो को एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट किया। भाजपा नेताओं में मुख्यमंत्री के खिलाफ टिप्पणी को लेकर रोष फैल गया। विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने कार्रवाई की मांग की और डीएम से भी बात की।

भाजपा के मंडल अध्यक्ष ने सीएमएस पर अनुशासन हीनता का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की जिस पर जयसिंहपुर पुलिस ने मुक़दमा दर्ज कर लिया है। उधर शासन स्तर से सीएमएस पर प्रदेश सरकार के सम्बन्ध में अमर्यादित भाषा और आपत्तिजनक टिप्पणी करने, अस्पताल में भर्ती मरीजों को बाहर से दवा लिखे जाने, बायोमेडिकल वेस्ट में मानकों का अनुपालन नही किए जाने, सरकारी कर्मचारी नियमावली का उलंघन्न आदि के आरोप में निलम्बित कर दिया गया है।

प्रमोद महाजन की हत्या क्यों हुई? 19 साल बाद भाई प्रकाश महाजन का चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई, (एजेंसी)। भाजपा के एक समय के दिग्गज नेता प्रमोद महाजन की 2006 में उनके ही भाई प्रवीण महाजन ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। महाजन परिवार में हुई इस घटना ने पूरे देश में हड़कंप मचा दिया था। तब से प्रमोद महाजन की मौत को लेकर कई विरोधाभासी दावे किए जा रहे हैं। अब प्रमोद महाजन के भाई प्रकाश महाजन ने प्रमोद महाजन की मौत की वजह बताते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। प्रकाश महाजन ने दावा किया है कि प्रमोद महाजन की हत्या सिर्फ लालच और ईर्ष्या के चलते की गई थी। प्रमोद महाजन की मौत को लेकर सनसनीखेज दावा करते हुए प्रकाश महाजन ने कहा कि बिना कुछ किए ही सुख में डूबा रहने वाला व्यक्ति ही ऐसा कर सकता है। प्रवीण महाजन पैसों के लिए प्रमोद महाजन को ब्लैकमेल कर रहा था। साथ ही, जिस व्यक्ति के जरिए यह ब्लैकमेलिंग की गई, वह जीवित नहीं है। इसलिए मैं उस व्यक्ति का नाम नहीं लूंगा। प्रकाश महाजन ने कहा कि प्रमोद महाजन की हत्या सिर्फ लालच और ईर्ष्या के चलते की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि प्रवीण महाजन ने प्रमोद महाजन की जिंदगी बर्बाद कर दी। प्रवीण महाजन लगातार प्रमोद महाजन को ब्लैकमेल कर रहा था। प्रकाश महाजन ने कहा, मैं प्रमोद महाजन के बारे में अच्छी बात नहीं कहता। उन्होंने भी कुछ गलतियां की होंगी। वह एक राक्षस हो सकते हैं, लेकिन आपको उन्हें गोली मारने का अधिकार किसने दिया ? प्रवीण महाजन पैसे से प्रेरित थे। वह कोई काम नहीं कर रहे थे। वह काम पर नहीं जाना चाहते थे। वह वेतन बढ़ाने के लिए कहते थे। वह पैसे मांगते थे। इस बीच, प्रकाश महाजन ने सारंगी महाजन की भी आलोचना की, जिन्होंने पंकजा मुंडे को एक बिगड़ैल बेटी कहा था। प्रकाश महाजन ने पूछा कि क्या उन्हें ऐसा कहते हुए शर्म नहीं आती। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सारंगी महाजन ऐसा इसलिए बोल रही हैं क्योंकि गोपीनाथ मुंडे ने प्रवीण महाजन के खिलाफ गवाही दी थी।

सोशल मीडिया पर धार्मिक ग्रुप बनाकर भारतीय युवाओं को जिहाद की आग में झोंकने की साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आप सोच सकते हैं कि सोशल मीडिया पर चल रहा साधारण-सा ग्रुप, बड़े आतंकी हमले की तैयारी में लगा हुआ था? जी हां, दिल्ली पुलिस ने इसतरह के एक ग्रुप का भांडा फोड़ किया है। इस ग्रुप का नाम है 'सावत-अल-उम्माह' है। सुनने में ये धार्मिक लोगों का ग्रुप लगता है। लेकिन यह कोई साधारण ग्रुप नहीं था। यह एक जाल था जो सीरिया से चलाए जा रहे भर्ती कर्ताओं ने बिछाया था। जिसका सीधा मकसद? भारतीय युवाओं को जिहाद की आग में झोंकना।

बीते कुछ महीनों से सोशल मीडिया पर ग्रुप सक्रिय हुए थे। जिसमें जिहादी वीडियो, प्रचार सामग्री और धार्मिक उन्माद की आग भड़काने वाले संदेश प्रसारित हो रहे थे। एक दिन इस ग्रुप में चार नए सदस्यों की एंट्री हुई। वे धीरे-धीरे बातचीत करने लगे और अपना विश्वास जमाते रहे। अचानक कुछ चुनिंदा सदस्यों को एक नए सिंगल ग्रुप की इनवाइट भेजी गई। यहां सदस्य कम थे, लेकिन इसी ग्रुप में असली प्लानिंग चल रही थी।

पता चला कि खुफिया एजेंसियों के कुछ जासूस पहले से ही ग्रुप में शामिल हो चुके थे। वे चुपचाप निगरानी कर रहे थे। शुरुआत में ग्रुप सिर्फ धार्मिक प्रचार कर रहा था, लेकिन धीरे-धीरे बातें ऑपरेशन तक पहुंच गईं। एजेंटों ने देखा कि सदस्यों को कहा जा रहा है कि वे त्यौहरों के दौरान दिल्ली में भीड़-भाड़ वाली जगहों पर हमला करें। सीरिया में बैठा हैंडलर लगातार आदेश दे रहा था। आरोपियों ने बम बनाने के सामान जुटाना शुरू किया। पुलिस को जो सबूत मिले, उनसे उनकी आंखें फटी रह गईं।

जाहिर था, यह साजिश किसी बड़े खून-खराबे की तरफ इशारा कर रही थी। दिल्ली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। पहले पुलिस ने अदान नाम के संदिग्ध को पकड़ा गया। जैसे ही यह खबर फैली, बाकी सदस्य घबरा गए। उन्होंने ग्रुप्स डिलीट किए, आईडी मिटा दीं और सबूतों को मिटाने की कोशिश। लेकिन तब तक पुलिस ने डिलीटेड मटेरियल रिकवर कर लिया। पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों के अलावा चार और लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें से दिल्ली के दो युवक गवाह बने है।

रिंग रोड पर सुलझेगी जाम की उलझन, लोक निर्माण विभाग करवाएगा विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन

नई दिल्ली। राजधानी की लाइफलाइन कहे जाने वाले रिंग रोड (महात्मा गांधी मार्ग) पर लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इस 55 किलोमीटर लंबे मार्ग पर जाम खत्म करने के लिए विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन शुरू करने का निर्णय लिया है। इससे यहां लगने वाले जाम की उलझन सुलझेगी। इसके लिए 17.69 करोड़ रुपये की लागत वाली कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए निविदा जारी की गई है। रिंग रोड का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि यह दिल्ली के लगभग हर बड़े इलाके को आपस में जोड़ता है। यह मार्ग एम्स, आश्रम, सराय काले खां, लाजपत नगर, पंजाबी बाग जैसे प्रमुख जंक्शनों से होकर गुजरता है। इस पर रोजाना लाखों वाहन चलते हैं और भारी भीड़ के कारण अक्सर लंबा जाम लगता है। यही वजह है कि सरकार ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए कंसल्टेंट नियुक्त करने का फैसला किया है। निविदा दस्तावेज के अनुसार, चयनित कंसल्टेंट को कई स्तरों पर विस्तृत कार्य करना होगा। इनमें यातायात सर्वेक्षण, सड़क डिजाइन, जियो-टेक्निकल जांच, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव आकलन शामिल हैं। साथ ही, तीन वैकल्पिक योजनाएं, 3डी वॉकथ्रू और लागत-लाभ विश्लेषण भी तैयार करना होगा। इसके अलावा सड़कों के चौड़ीकरण, अंडरपास, फ्लाईओवर और अन्य संरचनाओं के विकल्प भी देखे जाएंगे ताकि यातायात प्रवाह बेहतर हो सके। रिंग रोड पर सबसे बड़ी चुनौती जंक्शनों और इंटरसेक्शनों पर लगने वाला जाम है। विशेषकर आश्रम, धौलाकुआं, सराय काले खां, भैरो मार्ग और नारायणा जैसे पॉइंट्स पर रोजाना लंबा इंतजार करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि सही इंजीनियरिंग समाधान लागू किए जाएं तो न केवल यात्रा समय घटेगा बल्कि ईंधन की बचत और वायु प्रदूषण में भी कमी होगी। परियोजना को 210 दिनों यानी सात माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए ई-बिड जमा करने की अंतिम तारीख 19 सितंबर है।

निशाने पर था हाई-फुटफॉल एरिया, मॉड्यूल का खुलासा; दो आतंकी अरेस्ट

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। राजधानी में आईएसआईएस के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक दिल्ली का निवासी है और दूसरा मध्य प्रदेश का रहने वाला है। इस मामले को लेकर दिल्ली पुलिस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। दिल्ली पुलिस ने आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (ढ्ढस्ढ्ढस्) के दो ऑपरेटिवों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों की योजना दिल्ली के हाई-फुटफॉल वाले इलाकों में हमला करने की थी, जिसके लिए उन्होंने रेकी भी की थी। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों के पास से बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है, जिससे उनके नापाक इरादों का खुलासा हुआ है। स्पेशल सेल की टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम देते हुए दोनों ढ्ढस्ढ्ढस् ऑपरेटिवों को पकड़ा है। इनके पास से बरामद की गई सामग्री में कई वीडियो, ढ्ढस्ढ्ढस् का झंडा, लैपटॉप, डेटा युक्त पेन ड्राइव और कुछ ऐसी घड़ियां शामिल हैं, जिनसे आईईडी (ढ्ढश्वष्ठ) बनाने की प्रक्रिया को अंजाम दिया जा सकता था। गिरफ्तार किए गए दोनों ढ्ढस्ढ्ढस् ऑपरेटिवों के नाम अदनान है। इनमें से एक, अदनान, सादिक नागर का रहने वाला है। दूसरे अदनान की

Reuters

पृष्ठभूमि भी चौंकाने वाली है, जो सीए का कोर्स कर रहा था। यह दूसरा अदनान जून 2024 में उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा भी गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से इन इलाकों की तस्वीरें और वीडियो भी बरामद हुए हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि ये दोनों ऑपरेटिव एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में थे, जिसे वे अपना सुपरवाइजर मानते थे। यह हैंडलर सीरिया-तुर्की सीमा के आसपास कहीं रहता है। इन आतंकवादियों द्वारा प्रोपेगेंडा सामग्री फैलाने के लिए एक इंस्टाग्राम आईडी का इस्तेमाल किया जा रहा था, जिसे कई लोग मिलकर चलाते थे। दिल्ली पुलिस इस ग्रुप पर कई महीनों से काम कर रही थी। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए आईएसआईएस के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। सेल ने दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है, जो फिदायीन हमले की ट्रेनिंग ले रहे थे। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों में से एक दिल्ली का रहने वाला बताया जा रहा है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ संदिग्ध आतंकी राजधानी में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस सूचना के आधार पर, स्पेशल सेल की टीमों ने जाल बिछाया और दो संदिग्धों को धर दबोचा। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये दोनों आईएसआईएस के मॉड्यूल से जुड़े थे और फिदायीन हमलों के लिए विशेष प्रशिक्षण ले रहे थे। इनकी गिरफ्तारी से एक बड़े आतंकी हमले को टालने में सफलता मिली है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आतंकी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में अपनी गतिविधियों को संचालित कर रहे थे। वे न केवल आत्मघाती हमलों की योजना बना रहे थे।

एक साथ दो सुनवाई में शामिल हुई वकील

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महिला वकील को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश होने से रोक दिया है। कोर्ट ने कहा कि वकील ने समानांतर सुनवाई का हवाला देकर अपनी वीडियो बंद कर दी और म्यूट कर लिया जो दिल्ली हाई कोर्ट के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियम, 2025 का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति तेजस कारिया ने आदेश देते हुए वकील को उनके कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश होने से रोक दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि वकील शुरू में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुईं। जब कोर्ट ने उनसे सवाल किया, तो उन्होंने अपनी वीडियो बंद कर दी और म्यूट कर लिया। कुछ देर बाद, वह फिर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश हुईं और बताया कि एक समानांतर सुनवाई चल रही थी, इसलिए उन्होंने इस कोर्ट को म्यूट कर दिया और वीडियो बंद कर दी। वकील का यह आचरण दिल्ली हाई कोर्ट के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियम, 2025 के खिलाफ है।

डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले जालसाजों के तीन मददगार गिरफ्तार

नई दिल्ली। डिजिटल अरेस्ट कर लोगों से ठगी करने वाले जालसाजों के तीन मददगार को पश्चिम जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों को जिला साइबर सेल ने गुजरात और झारखंड से गिरफ्तार किया है। आरोपी कमिशन पर जालसाजों को अपना बैंक खाता मुहैया करवाते थे, जिसमें ठगी की रकम डाली जाती थी। बाद में आरोपी अपना कमीशन लेकर जालसाजों को पैसा ट्रांसफर कर देते थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर ठगी के गैंग का पर्दाफाश करने में जुटी है। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि 19 जुलाई को पेशे से नर्सिंग अधिकारी देबजानी दास चौधरी ने पश्चिम जिला साइबर सेल में ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि जालसाजों ने व्हाट्सएप कॉल किया। खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर उनका नाम नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग में आने की बात कही। जांच के बहाने आरोपियों ने उन्हें व्हाट्सएप पर वीडियो निगरानी में रखा और उनके बैंक खाते की जानकारी लेकर धोखे से उनके खाते से सात लाख रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए। पीड़िता के बयान पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया। निरीक्षक विकास बुलडक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उन बैंक खातों की जांच की, जिसमें रकम डाली गई थी। जांच में पता चला कि ठगी की राशि का 30 फीसदी झारखंड स्थित मुथूट गोल्ड लोन खाते में और 70 फीसदी गुजरात के सुरेंद्रनगर स्थित भारतीय स्टेट बैंक के खाते में ट्रांसफर किया गया है। पुलिस ने इन बैंक शाखा के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें पता चला कि आरोपी ने चेक के जरिए खाते से पैसे निकाले हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने झारखंड और गुजरात में छापे मारे। पुलिस ने झारखंड से जितेंद्र कुमार और गुजरात से शोएब भाई मुल्तानी और असलम भाई मुल्तानी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी जालसाजों के लिए कमीशन पर म्यूल खाते खोलने, धन निकालने और धन हस्तांतरित करने में शामिल हैं। आरोपियों ने बताया कि ठगी के एक मामले में उन्हें रकम की दो से चार फीसदी कमीशन के तौर पर दिया जाता था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि शोएब मुल्तानी गुजरात में एक ट्रैक्टर कंपनी में सेल्समैन का काम करता था, वहीं असलम भाई मुल्तानी गुजरात में एक डेयरी फार्म चलाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल और पांच सिम कार्ड बरामद किए हैं।

सेलेक्ट सिटी मॉल व पार्कों की 10 से ज्यादा बार कर चुके थे रेकी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईएसआईएस के जिन दो संदिग्ध आतंकियों को पकड़ा है, उनके खुलासे से सुरक्षा एजेंसियों के रोंगटे खड़े हो गए हैं। पकड़े गए संदिग्ध साकेत स्थित सेलेक्ट सिटी मॉल, हौजखास व ग्रेटर कैलाश-एक स्थित पार्क की 10-12 बार रेकी कर चुके हैं। आरोपी मॉल के अंदर कई बार रेकी करने गए थे। ये तीन-चार महीने से रेकी कर रहे थे। संदिग्धों ने इन तीनों जगहों की फोटो उस इंस्टाग्राम आईडी पर डाल रखी थी, जिन पर सीरिया में बैठे इस मोड्यूल के हैंडलर अबू हफ्स अल-हाशिमी अल-कुरैशी जुड़ा हुआ था। पुलिस ने इनके मोबाइल से ये सभी फोटो बरामद की हैं। साथ ही तीन मोबाइलों से अलकायदा के प्रति निष्ठा की शपथ लेते हुए भी वीडियो मिली है। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध दिवाली व छठ पूजा के आसपास आईईडी धमाका कर बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान करना चाहते थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये बात करने के लिए इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया पर रोज आईडी बनाते थे और रोज डिलीट कर देते थे। एक आईडी को ही हैंडलर समेत तीन से चार संदिग्ध चला रहे थे। फिलहाल ये इंस्टाग्राम पर बनी आईडी सैतुल्ला इमान नाम से चला रहे थे। स्पेशल सेल के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि खलीफा अबू हफ्स अल-हाशिमी अल-कुरैशी भोपाल से पकड़े गए संदिग्ध आतंकी अदनान खान को अरबी भाषा में भड़काऊ वीडियो भेजता था। अदनान खान उसे हिंदी में अपनी आवाज देता था। इसके बाद उस वीडियो को दिल्ली के मोहम्मद अदनान खान को भेजता था। मोहम्मद अदनान उस वीडियो को नीचे हिंदी व अंग्रेजी में टाइटल देता था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध सोशल मीडिया पर जो कट्टरपंथी वीडियो डालते थे उन वीडियो से देश के अलग-अलग जगहों से 100 से ज्यादा युवाओं को अपने मॉड्यूल से जोड़ चुके हैं। इन युवाओं को ये आईएसआईएस से जोड़ रहे थे।

आनंद विहार नमो भारत स्टेशन को आईजीबीसी प्लेटिनम रेटिंग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) को आनंद विहार नमो भारत भूमिगत स्टेशन के लिए इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) की प्लेटिनम रेटिंग से सम्मानित किया गया है। यह रेटिंग आईजीबीसी द्वारा दी जाने वाली सर्वोच्च मान्यता है, जो परियोजना की पर्यावरणीय सततता और हरित निर्माण प्रथाओं को दर्शाती है। आईजीबीसी की ग्रीन मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम रेटिंग के तहत आनंद विहार नमो भारत भूमिगत स्टेशन का मूल्यांकन छह श्रेणियों साइट चयन, जल और ऊर्जा दक्षता, सामग्री संरक्षण, आंतरिक पर्यावरण गुणवत्ता, तथा डिजाइन नवाचार में किया गया। इन सभी श्रेणियों में एनसीआरटीसी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एनसीआरटीसी ने इस परियोजना में कई हरित उपाय अपनाए हैं, जिनमें कम कार्बन निर्माण तकनीक, ऊर्जा-कुशल प्रणालियां, प्राकृतिक वेंटिलेशन, और वर्षा जल संचयन प्रणाली शामिल हैं। वायडक्ट के नीचे की लैंडस्केपिंग निर्माण और संचालन के दौरान कार्बन फुटप्रिंट घटाने में मदद करती है। संस्थान ने सभी स्टेशनों, डिपो और आरएसएस को आईजीबीसी के साथ पंजीकृत किया है। एनसीआरटीसी का लक्ष्य है कि इसकी 70त्न ऊर्जा आवश्यकताएं नवीकरणीय स्रोतों से पूरी हों। अपनी सौर नीति के तहत, संगठन 15 मेगावाट पीक क्षमता की इन-हाउस सौर ऊर्जा उत्पादन योजना पर काम कर रहा है, जिसमें से 4.7 मेगावाट सौर ऊर्जा पहले से उत्पन्न की जा रही है।

बुजुर्ग कारोबारी को कार ने कुचला, मौत

नई दिल्ली। शाहबाद डेयरी इलाके में पार्क से टहल कर सड़क पार कर रहे 66 साल के बुजुर्ग कारोबारी को अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर गए। करीब आधे घंटे के बाद वहां से गुजर रहे एक परिचित ने घायल अवस्था में देखकर पुलिस को सूचना दी। बुजुर्ग को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज की जांच में हादसे को अंजाम देने वाली होंडा अमेज कार का पता चला है। पुलिस कार मालिक से पूछताछ कर कार्रवाई कर रही है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 23 अक्तूबर को सरोज अस्पताल से सड़क हादसे में एक बुजुर्ग के घायल होने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। जहां देखा कि रोहिणी सेक्टर 11 के रहने वाले 64 साल के राकेश अरोड़ा का इलाज चल रहा है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जहां कोई चश्मदीद नहीं मिला। छानबीन में पता चला कि सड़क पार कर रहे थे, तभी अज्ञात कार ने उन्हें टक्कर मार दी। कार को एक नाबालिग लड़की चला रही थी, जो घटना के बाद कार समेत वहां से भाग गई। राकेश अरोड़ा पत्नी के साथ रोहिणी सेक्टर 11 में पहली मंजिल पर रहते थे। उनकी एक बेटी है, जिसकी शादी हो चुकी है। वह परिवार के साथ पटेल नगर में रहती है। राकेश अरोड़ा का संजय गांधी ट्रांसपोर्ट इलाके में ट्रांसपोर्ट का कारोबार था। राकेश अरोड़ा के दोस्त विनोद गर्ग ने बताया कि घटना के बाद वह करीब आधे घंटे तक सड़क पर पड़े रहे। किसी ने उनकी मदद नहीं की।

बदमाश को मारने आए हमलावरों ने दो महिलाओं पर किया चाकू से हमला, एक की मौत

नई दिल्ली। आदर्श नगर में बृहस्पतिवार रात हमलावरों ने दो महिलाओं पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को पास के अस्पताल में लेकर गई। जहां डॉक्टरों ने 30 साल की निर्मला उर्फ बंगालन को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरी महिला फिरोजी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वह बयान देने की हालत में नहीं है। पुलिस ने हत्या व हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू की और सीसीटीवी की मदद से एक नाबालिग समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात 9ञ्च30 बजे आदर्श नगर थाने की पुलिस गश्त कर रही थी। इस दौरान बीट स्टाफ को सब्जी मंडी ट्रांसपोर्ट पार्किंग क्षेत्र के पास एक महिला घायल अवस्था में पड़ी मिली, उसके शरीर पर चाकू के घाव थे। वहीं, पास ही एक अन्य महिला फिरोजी भी घायल अवस्था में पड़ी मिली। पुलिस ने दोनों महिलाओं को बाबू जगजीवन राम लेकर गई। जहां एक महिला निर्मला को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरी का इलाज चल रहा है। वह बयान देने की हालत में नहीं थी। इनके पास से मिले पहचान पत्र के जरिये पता चला कि दोनों खजूरी खास इलाके की रहने वाली है। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की।

फुटेज के जरिये पुलिस ने हमलावरों की पहचान कर ली। शुक्रवार को पुलिस ने हमले में शामिल एक नाबालिग समेत तीन हमलावरों को पकड़ लिया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उसे विक्की ने फिरोज पर हमला करने के लिए भेजा था। विक्की का आलम के साथ पुरानी रंजिश चल रही है। फिरोज आलम के साथ काम करता है। आलम इलाके में वेश्यावृति से लेकर अन्य तरह के गलत काम करवाता है। बृहस्पतिवार रात वह फिरोज की तलाश में वहां पहुंचे थे। वहां फिरोज नहीं आया, लेकिन उनके साथ काम करने वाली दो महिला वहां पहुंची। फिरोज के बारे में पूछने पर महिलाओं से उनकी कहासुनी हो गई। इससे गुस्से में आकर उनलोगों ने महिलाओं पर चाकू से हमला कर वहां से भाग गए। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों के दिए बयान की पुष्टि के लिए जांच करने के साथ साथ मुख्य आरोपियों की धर पकड़ के लिए दबिश दी जा रही है।

बड़े गिरोह का भंडाफोड़, दो वर्षों में 500 लोगों की तस्करी कर चुका है गैंग

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस ने मानव तस्करी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक किशोर और दो नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया है। गिरोह के सदस्य रेलवे स्टेशनों पर कमजोर नाबालिगों और मजदूरों को निशाना बनाकर जम्मू-कश्मीर भेजते थे। वहां उन्हें बिना पैसे दिए घरेलू कार्य और बंधुआ मजदूरी कराई जाती थी। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बताया कि किशोरों के लिए 20 हजार से 25 हजार जबकि लड़कियों के एवज में 60 हजार रुपये तक वसूलते थे। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी के अनुसार यह गिरोह दलालों और प्लेसमेंट एजेंटों के नेटवर्क के जरिये काम करता था। ये पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर गरीब और बेसहारा बच्चों और मजदूरों को बेहतर खानपान और रुपयों का लालच देकर फंसाते थे। पुलिस उपायुक्त स्वामी ने बताया कि गिरोह के सदस्य गांदरबल (जम्मू-कश्मीर) निवासी सलीम-उल-रेहमान उर्फ वसीम (38), बेगमपुर (दिल्ली) निवासी सूरज (31), रामपुर (उत्तर प्रदेश) निवासी मोहम्मद तालीब और बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) निवासी सतनाम सिंह उर्फ सरदार को गिरफ्तार किया गया है। सलीम पिछले दो वर्षों के दौरान 500 लोगों की तस्करी कर चुका है और प्रत्येक पीड़ित के बदले भारी कमीशन वसूला है। तालीब के पास से यूपी पुलिस के उप-निरीक्षक का फर्जी पहचान पत्र भी बरामद हुआ है। आरोपी इसका इस्तेमाल गिरफ्तारी से बचने और पीड़ितों की यात्रा को आसान बनाने के लिए करता था। उपायुक्त स्वामी ने बताया कि इस गिरोह का खुलासा उस समय हुआ जब भलस्वा डेरी थाने में 15 और 13 साल की दो लड़कियों के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई। टेक्निकल सर्विलांस के जरिये इन लड़कियों की लोकेशन श्रीनगर में ट्रेस की गई। पुलिस टीम ने 15 जून को दोनों नाबालिगों को श्रीनगर से सुरक्षित बरामद कर लिया और दोनों को दिल्ली लाया गया।

NAME CHANGE

I, RADHA RANI, W/O ROSHAN LAL, R/O 3679, NEAR GATE NO-1, SECTOR-23, CHOMA (62) CARTERPURI, GURGAON, HARYANA-122017 HAVE CHANGED MY NAME TO RADHA YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, KAPIL S/O AJIT KUMAR, R/O HOUSE NO-181/13, WARD NO-13, SOHNA, GURUGRAM, HARYANA-122103, HAVE CHANGED MY NAME TO KAPIL MONGIA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I,GORAV GARG S/o ANAND KUMAR R/o H.NO.753, OPP. Petrol Pump, Sec-28, Faridabad-121008, Haryana have changed my name to GAURAV GARG permanently

NAME CHANGE

I RAJESH KHARWAR S/O ANIL KUMAR R/O RZH - 114 G/F GALI NO - 8 PALAM COLONY RAJ NAGAR PART-2 DELHI -110077, I have changed my name to RAJESH Permanently

NAME CHANGE

I, Guneet Singh Sachdeva S/O Arvinder Singh R/O WZ 132 UG Floor, Gali No 7, Shiv Nagar, West Delhi - 110058 Have changed my name to Guneet Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as DEEPAK S/O JAI SINGH R/O 7/3537, Raigar Pura, Karol Bagh S.O, Central Delhi, Delhi-110005 have changed my name from shall hereafter be known as DEEPAK KUMAR.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RENU JUYAL W/o Shri RAJENDER PRASAD R/o F. No. 107, Pocket-1, Sector-12 Dwarka, South West New Delhi-110078 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as RENU and RAJENDER in my minor son ABHINAV JUYAL aged 16 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine and my husband are RENU JUYAL and RAJENDER PRASAD which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Praveen Kumar S/O Ashok Kumar R/O House No -B4, 3rd floor , Green Avenue, Sector -46 Noida , Noida, Avenue, Sector -46 Noida , Noida, PO: Noida , Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201301, declare that name of mine has been wrongly written as Praveen Singh in my minor Son's namely Praneh Singh aged 15 years in his School record. The actual name of mine is Praveen Kumar

NAME CHANGE

I, Puspalata Devi (Date of Birth 10/11/1983) Spouse of Army No. JC-563337A, Rank - NB/SUB Name - Baldat Kumar Posted at Unit Bihar REGT Center, C/o - 56 APO, Pin - 900441 & Permanently Residing at Village+Post - Matasi, P. S. - Halsi, Dist. - Lakhisarai, State - Bihar, Pin - 811315 have changed my name from Puspalata Devi to Puspalata Kumari for all future purposes. Vide Affidavit Dated 27 Oct. 2025 before The Notary Public at Delhi (India) in presence of Advocate Madan Lal Gupta.

NAME CHANGE

I,NARGIS W/o Shri MOHAMMAD NAZIM R/o House No.1158 GALI NO-38 JAFRABAD SEELAMPUR, Delhi-110053, declare that in my Passport my incorrect name is mentioned as NARGISH and my correct name is NARGIS Now onwards my correct name is NARGIS W/O MOHAMMAD NAZIM for all future purpose.

NAME CHANGE

I, PATHARE SAYALI SUYOG wife of JC-783690X, Rank-NB/SUB, Name-PATHARE SUYOG NAMDEO residing at VPO-KEDGAON, TEHSIL-NAGAR, DIST-AHILYANAGAR, MAHARASHTRA-414005, have changed my name from PATHARE SAYALI SUYOG to SAYALI SUYOG PATHARE for all future purposes vide Affidavit dated 27/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-783690X, Rank-NB/SUB, Name-PATHARE SUYOG NAMDEO residing at VPO-KEDGAON, TEHSIL-NAGAR, DIST-AHILYANAGAR, MAHARASHTRA-414005 have changed my minor son's name from SATWIK to SATWIK SUYOG PATHARE for all future purposes vide affidavit dated 27/10/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as NAHID AFROJ D/O MD SHAMIM AHMED W/O MD IMRAN R/O LAXMIPUR, POST-LAXMIPUR, GAYA, BIHAR-804404, have changed my name and shall hereafter be known as NAZIYA PERWEEN.

NAME CHANGE

I, SALMA W/O MOHAMMAD JAVED R/O C-34, DDA COLONY, NEW JAFRABAD, NEW, DELHI- 110032 HAVE CHANGED MY NAME TO SALMA JAVED FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **SITARAM MEENA** is the purchasing Property bearing no. RZ-F -470 measuring 50 Sq. yrds. out of khasra No. 46/1, 51/20/3 , 61/24/1 situated at Vill.Palam Delhi abadi Raj Nagar II Palam New Delhi from Mrs. Savitri Devi who is the owner of above-mentioned property vide Relinquishment Deed dated 09.10.2025 which was registered as Doc No. 2025/16/I/13670 vol no. 15651 pages 173-186 dated 10.10.2025 in SRO South West Kapeshera and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

Our client Mr. K Balakrishna Reddy S/o Late Sh. K Kameswar Reddy and his wife Smt. Sujata Reddy Both permanent to R/o Pathara, Ganjam, Odisha- 761104, legally disowned his/her son namely Chinmaya Kumar and his wife namely Smt. N. Trushna Reddy from his/her all movable and immovable property due misbehave and by using unparliamentarily language by above said son and bahu. That our client, finished his/her all relations for past, present and future with above mention son and Bahu due to above said reason. Our client not responsible for any legal and illegal act of the above said son, bahu and other rest family members are also not responsible any legal and illegal work / act of son and Bahu. This is a publication notice, for all Concerned.

Richa Singh, Adv.
Dr. AP Singh & Co.
Advocates
Off. FA-329, Mansarovar Garden,
Mathatma Gandhi Marg, N. Delhi-15

NAME CHANGE

I hitherto known as Manish Dadwal alias Manish Dudwal S/O Surinder Dadwal, R/O R/O H.No -2/396, 2nd Floor, Near Pishori Gurdwara, Subhash Nagar, Rajouri Garden S.O, West Delhi, Delhi - 110027, have changed my name and shall hereafter be known as Manish Dadwal.

NAME CHANGE

I hitherto known as Saurav S/O Ram Chander, R/O Q-2/39, Mangol puri, North West Delhi, Delhi 110083, have changed my name and shall hereafter be known as SAURAV BHARDWAJ.

NAME CHANGE

I hitherto known as Rahul S/O Ram Chander, Q-2/39, Mangol puri, DIST: North West Delhi, Delhi-110083, have changed my name and shall hereafter be known as Rahul Bhardwaj.

NAME CHANGE

I, SONTKKE SATISH MAROTRAO S/o MAROTRAO R/o VILL-WANI PIMPALGOAN, PO-SHIKHRAJURA, TEHSIL-PALAM, DIST-PARBHANI, MAHARASHTRA-431720, have change my name from SONTAKKE SATISH to SONTKKE SATISH MAROTRAO for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SWATI SATISH SONTKKE W/o SONTKKE SATISH MAROTRAO R/o VILL-WANI PIMPALGOAN, PO-SHIKHRAJURA, TEHSIL-PALAM, DIST-PARBHANI, MAHARASHTRA-431720, have change my name from SONTAKKE SWATI to SWATI SATISH SONTKKE for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MUNAVVER JAHAN MUNAVVER W/O SHARIF AHMED Residing at A-176 GROUND FLOOR,BASTI KHWAJA MIR DARD, JAWAHAR LAL NEHRU MARG,NEW DELHI -110002 have changed my name to MUNAWWAR JAHAN for all future purpose

NAME CHANGE

I, GODVVA MALAJI Mother of No.-15672245W Rank-HAV Name-SANJAY MALAJI Presently residing at HOUSE NO-848/A, MALAJI GALI, YEMAKANMARDI, BELGAUM, KARNATAKA-591246, have changed my name from GODVVA MALAJI to GODAVVA JAMBU MALAJI for all future purposes vide Affidavit dated 27/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I,Bala W/O Deendayal R/O 45, Bholapuri, Pilkhuwa, Pilkhua Dehat, Ghaziabad, Pilkhauwa Post Office, Uttar Pradesh - 245304, have changed my name and shall hereafter be known as Rajbala

NAME CHANGE

I, hitherto known as Sheela Devi W/o Shishupal, R/o Basai Brauddin Nagar, Sector-70, Noida, Gautam Buddha Nagar Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Seema Devi.

NAME CHANGE

I hitherto known as MOHAMMAD AKHTAR alias AKHTAR son of Shri SARDAR ALI residing at House No. 966, Pump No.1, Kaila Bhatta, Aman Colony, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, District: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD AKHTAR.

NAME CHANGE

I,Sanjeev Kumar S/O Har Narayan R/O House No. 32,Gali No-2, Laxmi Garden Indrapuri, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed the name of my minor Son Ansh aged 13 years and he shall hereafter be known as Ojas Kumar

NAME CHANGE

I NAZMA W/O SHAHNAWAZ ALAM R/O H.N0-929 GALI N0-16 E-11, NEHRU VIHAR DAYALPUR DELHI-110094 HAVE CHANGE MY NAME TO NAZMA BEGUM FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, SANTA SINGH TAMANG is a real father of No. 13769586Y Rank HAV Name PURAN TAMANG presently residing at VLL-MIM TEA ESTATE, TEH –JORBANGLOW, PO-SUKHIA POKHARI, DIST-DARJEELING, STATE- WEST BENGAL-734221 have changed my name from SANTA SINGH TAMANG to SANTE SINGH TAMANG for all future purposes Vide Affidavit Dated 13/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, Ijajuddin Subhan Ali S/o Subhan Ali R/o B-251/A, Gali No.13/8, Momeen Chowk, Subhash Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Ijaz Uddin Saifi.

NAME CHANGE

I, ISHA D/o SUNIL KUMAR SHARMA R/o H.No.A-42 F, Block-A, Near Sherpur Chowk, Nehru Vihar, Delhi-110094 have changed my name to ISHA SHARMA.

NAME CHANGE

I, KAMAL NAYYAR S/O OM PARKASH NAYYAR R/O 400 2ND FLOOR, BHERA ENCLAVE, PASCHIM VIHAR, WEST DELHI, DELHI -110087 I have changed my name from KAMAL KUMAR NAYYAR TO KAMAL NAYYAR for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL BACK CHAIN I.E. 1. LEGAL HEIR CERTIFICATE ISSUED BY CONCERNED SDM REFLECTING THE NAMES OF MRS. DHANRAJI DEVI (WIFE) AND MR. SURESH KUMAR VERMA (SON) AS THE ONLY LEGAL HEIRS OF LT MR. SHIV BADAN., 2. DEATH CERTIFICATE OF LT MR. SHIV BADAN DIED ON DT. 02.12.1982, 3. DEATH CERTIFICATE OF LT MRS. RAM RATI VERMA DIED ON DT. 31.01.2006, 4. LEGAL HEIR CERTIFICATE ISSUED BY CONCERNED SDM REFLECTING THE NAMES OF MRS. KRISHNA VERMA (DAUGHTER), MRS. BEENA VERMA (DAUGHTER) AND MR. RAMESH VERMA (SON) AS THE ONLY LEGAL HEIRS OF LT MR. SHIV BADAN, 5. URDU SALE DEED WITH ITS ENGLISH / HINDI TRANSLATION COPY DT. 05.01.1960 EXECUTED BY LAND OWNER IN FAVOUR OF MR. RAM BADAN AND MR. SHIV BADAN, 6. NOTARIZED GPA, NOTARIZED SPA NOTARIZED ATS, NOTARIZED WILL DT. 30.06.2008 EXECUTED BY MRS. BEENA VERMA IN FAVOUR OF MRS. DHANRAJI DEVI AND MRS. KRISHNA VERMA, 7. REGD. RELINQUISHMENT DEED DT. 15.07.2008 EXECUTED BY MRS. DHANRAJI DEVI, MRS. KRISHNA VERMA FOR SELF AND ON BEHALF OF MRS. BEENA VERMA IN FAVOUR OF MR. SURESH KUMAR VERMA AND MR. RAMESH VERMA (DOC. NO. 9541), 8. PARTITION DEED WITH STAMP DUTY DT. 31.12.2008 EXECUTED BY MR. RAMESH VERMA AS THE FIRST PARTY AND MR. SURESH KUMAR VERMA AS THE SECOND PARTY IN RESPECT OF PROPERTY BEARING NO. 360/5, ADMEASURING 200 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NO. 624, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE CHANDRAWALI ALIAS SHAHDARA IN THE ABADI OF BHOLA NATH NAGAR, R.S. BLOCK, GALI NO. 06&07, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110032, THEREBY AS PER PARTITION DEED MR. RAMESH VERMA BECAME OWNER OF NORTHERN PORTION WITH ROOF RIGHTS AREA 100 SQ. YARDS & MR. SURESH KUMAR VERMA BECAME OWNER OF SOUTHERN PORTION WITH ROOF RIGHTS AREA 100 SQ. YARDS, (DOC. NO. 197, IN BOOK NO. 1, VOL. NO. 3851, ON PAGES 166-171, ON DT. 06.01.2009, SRO-8-DELHI) AND 9. MUTATION LETTER ISSUED BY CONCERNED AUTHORITY IN FAVOUR OF MR. SURESH KUMAR VERMA EXECUTED FOR SOUTHERN PORTION OF PROPERTY BEARING NO. 360/5, ADMEASURING 100 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NO. 624, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE CHANDRAWALI ALIAS SHAHDARA IN THE ABADI OF BHOLA NATH NAGAR, R.S. BLOCK, GALI NO. 06&07, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110032 HAVE BEEN LOST BY OWNER MR. SURESH KUMAR VERMA SON OF MR. SHIV BADAN R/O 360/5, GALI NO. 07, BHOLA NATH NAGAR, SHAHDARA, DELHI. AND SAID MR. SURESH KUMAR VERMA ACQUIRED SOUTHERN PORTION OF PROPERTY BEARING NO. 360/5, OUT OF KHASRA NO. 624, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE CHANDRAWALI ALIAS SHAHDARA IN THE ABADI OF BHOLA NATH NAGAR, R.S. BLOCK, GALI NO. 07, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110032 VIDE PARTITION DEED. AND NOW MRS. SHILA C/O MR. KALLU RAM, R/O 360/5, GALI NO. 07, BHOLA NATH NAGAR, SHAHDARA, DELHI IS GOING TO PURCHASE THE THIRD FLOOR WITH ITS ROOF RIGHTS AREA MEASURING 60 SQ. YARDS OUT OF SOUTHERN PORTION OF PROPERTY BEARING NO. 360/5, FROM OWNER / SELLER MR. SURESH KUMAR VERMA, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री मोहन कुमार पुत्र श्री नैनाराम, निवासी मकान संख्या 303, फ्लैट नंबर 18, तीसरा फ्लोर, गली नंबर 1, कृष्ण पुरी, मंडावली फाजलपुर, शकरपुर, पूर्वी दिल्ली, दिल्ली 110092, अपने पुत्र रोहित कुमार, पुत्रवधू राधा व पौत्री भव्या को अपने चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके द्वारा किए गए अच्छे व बुरे कृत्य का वे स्वयं भागी होंगे। इस प्रकाशन के तिथि के पश्चात भविष्य में मेरे मुवक्किल को अपने कथित पुत्र, पुत्रवधू, पौत्री व भविष्य में उनके अन्य उत्पन्न बच्चों से भी कोई नाता रिश्ता नहीं रहेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE

I, BALAI CHANDRA BALA Father of No. 2614165N Rank-HAV Name-PANCHU GOPAL BALA residing at VILL-NAIGACHI, PO-GOBAR DANGA ICHAPUR, P.S-GAI GHATA, TEHSIL-BANGAON, DIST-NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743252, have changed my name from BALAI CHANDRA BALA to BALAI BALA for all future purposes vide Affidavit dated 27/10/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, SHOIBA BALA Mother of No. 2614165N Rank-HAV Name- PANCHU GOPAL BALA residing at VILL-NAIGACHI, PO-GOBAR DANGA ICHAPUR, P.S-GAI GHATA, TEHSIL-BANGAON, DIST-NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743252, have changed my name from SHOIBA BALA to SHAIBYA BALA for all future purposes vide Affidavit dated 27/10/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

I, RUKHSAR D/O ANWAR R/O H. No- 28A, New Ashok Nagar, Near Peeli Kothi, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi - 110096, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM Religion and renounced ISLAM Religion with effect from 14-10-2025 and have changed my name and shall hereafter be known as RUHI.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I SISODIYA RANVIR JASHABHAI S/O JASHA BHAI Permanent R/O PANKHAN PO PANKHAN, DISTT. JUNAGADH, GUJARAT-362227 and Present R/O WB-81, SITUATED AT ABADI OF GALI NO-5, SHAKARPUR, ILLAQA SHAHDARA,Delhi-110092, declare that name of my Wife has been wrongly written as SISODIYA JIGNASA in my service record. The actual name of my Wife is JIGNASA SISODIYA, which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

एसआई संदीप लाठर के परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे सहकारिता मंत्री

एजेंसी

जींद। जुलाना कस्बे के वार्ड चार निवासी संदीप लाठर के परिजनों को सांत्वना देने के लिए सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा पहुंचे। यहां परिजनों को ढांढस बंधाते हुए डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि यह पूरे प्रदेश के लिए दुखद घटना है। सबकी संवेदना परिवार के साथ हैं। परिवार से मिलने के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के साथ केबिनेट के मंत्री और राज्यपाल भी आए। सभी ने आश्वासन दिया है कि जो भी सरकार से मदद होगी बिल्कुल की जाएगी। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। बाकायदा एसआईटी भी गठित की जा चुकी है। मृतक एएसआई की पत्नी संतोष ने कहा कि उन्हें सरकार पर पूरा भरोसा है। सरकार द्वारा जो जांच की जा रही है, उससे वो संतुष्ट भी हैं और उन्हें भरोसा है कि उन्हें न्याय मिलेगा। गौरतलब है कि 14 अक्टूबर को जुलाना के वार्ड चार निवासी संदीप लाठर ने चार पन्नों सुसाइड नोट लिख कर और एक विडियो क्लिप बनाकर रिवाल्वर से गोली मार कर आत्महत्या कर ली थी। वीडियो में संदीप लाठर ने कई बड़े अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। पुलिस ने मामले में चार लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है।

विदेशों में नेचुरल एवं फर्टिलाइजर रहित चीजों की डिमांडः शोभा करंदलाजे

गुरुग्राम। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि एमएसएमई में कुछ भी बनाएं, हमारा लक्ष्य एक्सपोर्ट के लिए क्वालिटी की चीजों का उत्पादन होना चाहिए। विदेशों में नेचुरल और फर्टिलाइजर रहित चीजों की डिमांड हैं। इसका हमें ध्यान रखना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि देश के छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काम कर रहे हैं। यह बात उन्होंने यहां लीला होटल में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन की ओर से आयोजित एमएसएमई बिजनेस समिट एवं उद्यम अवार्ड समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस समिट में प्रदेशभर के व्यापारी प्रतिनिधियों ने शिरकत की। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री शोभा करंदलाजे का समारोह में पहुंचने पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता, प्रदेश महासचिव पवन अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष गुलशन डंग ने स्वागत किया। इस अवसर पर नेशनल ट्रेड वेलफेयर बोर्ड के सदस्य अजय बनारसी दास गुप्ता, नवीन गोयल, डा. डी.पी. गोयल, अभय जैन एडवोकेट, जे.एन. मंगला, सुमित राव समेत प्रदेशभर से उद्योगपति मौजूद रहे। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि एमएसएमई बड़ा क्षेत्र है। इसमें बहुत संभावनाएं हैं।

सोनीपत के मोहाना टोल ग्रामीणों ने ठेकेदार को पीटा,एक घंटा टोल बाधित

सोनीपत। सोनीपत के गोहाना रोड पर स्थित मोहाना टोल प्लाजा पर ग्रामीणों और टोल सिक्योरिटी ठेकेदार के बीच तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। ग्रामीण टोल-मुक्ति की मांग कर रहे थे, जिसके चलते ठेकेदार के साथ उनकी तीखी बहस हुई। विवाद तब और बढ़ गया जब ठेकेदार ने कथित तौर पर पिस्तौल निकालकर ग्रामीणों को धमकी दी। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने ठेकेदार की पिटाई कर दी, जिसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान करीब एक घंटे तक टोल संचालन प्रभावित रहा। मोहाना, गुहना, नयना, माजरा, सलीमसर माजरा, सलालपुर माजरा, जाजी और माछरी गांवों के सरपंचों, जिला पार्षद काला लोहिया और सैकड़ों ग्रामीणों ने टोल प्लाजा पर एकत्र होकर विरोध जताया। उनका कहना था कि सड़क परियोजना के लिए उनकी जमीन बिना उचित मुआवजे के ली गई, इसलिए स्थानीय लोगों को टोल से छूट दी जाए। सरपंच संगठन के प्रधान राकेश ने बताया कि ग्रामीणों ने शांतिपूर्वक अपनी मांग रखी थी और पुलिस को पहले से सूचित किया गया था। लेकिन ठेकेदार ने अभद्र व्यवहार किया और पिस्तौल निकाल ली, जिससे स्थिति बिगड़ गई। ग्रामीणों ने टोल एजेंसी पर मनमानी का आरोप लगाया। उनका दावा है कि पास बनवाने के लिए 1000 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है, जबकि आधिकारिक शुल्क 340 रुपये है। ट्रैक्टर चालकों से भी 250 रुपये तक जबरन वसूला जा रहा है। ग्रामीणों ने इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी है, जिसकी जांच जारी है।

गैंगस्टर सुनील सरधानिया को डिपोर्ट कर भारत लायी पुलिस

गुरुग्राम। सिंगर राहुल फाजिलपुरिया सेमत अनेक कई मामलों में मोस्ट वांटेड गैंगस्टर सुनील सरधानिया को गुरुग्राम पुलिस अमेरिका से डिपोर्ट करके भारत लायी है। उसे इंदिरा गांधी हवाई अड्डा दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। सुनील सरधानिया को भारत लाने के दौरान दिल्ली एयरपोर्ट पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम और हरियाणा एसटीएफ तैनात रही। फ्लाइट से उतरने के करीब छह घंटे तक इमिग्रेशन और दस्तावेजों की जांच प्रक्रिया चली। जांच पूरी होने के बाद गैंगस्टर सुनील सरधानिया को एसटीएफ ने अपनी हिरासत में ले लिया। सुनील सरधानिया पर सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर फायरिंग समेत कई संगीन अपराधों के आरोप हैं। सरधानिया लंबे समय से फरार था। पुलिस के अनुसार वह स्विट्जरलैंड और अमेरिका के बीच घूमता रहता था। वहीं से ही वह भारत में अपने गिरोह को संचालित कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर इंडियन एंबेसी ने उसे ट्रैक किया। आखिरकार अमेरिका में वीजा उल्लंघन के आरोप में डिपोर्ट प्रक्रिया शुरू हुई।

संत नामदेव का जीवन प्रेम, भक्ति और समानता का प्रतीक : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा संतों और महापुरुषों के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत आज हिसार में संत नामदेव जी महाराज राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। मुख्यमंत्री ने संत नामदेव जी को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन प्रेम, भक्ति और समानता का प्रतीक है। उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव, छुआछूत और असमानता को मिटाकर मानवता को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज की मांग के अनुसार प्रदेश में किसी एक सरकारी संस्थान का नाम संत नामदेव जी महाराज के नाम पर

रखने की घोषणा की। इसके अलावा, समाज की विभिन्न धर्मशालाओं के रख- रखाव और सोलर पैनल लगवाने के लिए 51 लाख रुपए देने की भी घोषणा की। साथ ही, उन्होंने कहा कि भिवानी, पानीपत और नारनौल में समाज द्वारा जमीन के लिए आवेदन करने पर नियमानुसार भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनके अलावा समाज द्वारा दी गई अन्य मांगों को संबंधित विभागों को भेजकर पूरा करवाने का काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत नामदेव जी हर व्यक्ति में ईश्वर का अंश देखते थे और इसी भाव से उन्होंने समाज में फैली जातिवाद, छुआछूत और असमानता जैसी बुराइयों को मिटाने का काम किया। उन्होंने बताया कि सच्चा धर्म वही है जो मानव को मानव से जोड़े और जो दूसरों के दुःख को अपना दुःख माने। उन्होंने कहा कि संत नामदेव जी का मेहनत, भक्ति और ईमानदारी से जीवन जीने का संदेश हरियाणा की सामाजिक चेतना में भी गहराई से रचा-बसा है।

हरियाणा का श्रमिक वर्ग, किसान, कारीगर, दर्जी, लोहार, और हर परिश्रमी समुदाय, संत नामदेव जी की उसी भावना को अपने कर्म में जीता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सद्भाव, सौहार्द, समान विकास, समरसता और सहिष्णुता के साथ ऐसे परिवर्तन किए हैं, जिनसे आम नागरिक का जीवन अधिक सरल, सुगम और सुरक्षित बना है।

मुख्यमंत्री राहत कोष में आवेदन की प्रक्रिया हुई सरलः अभिषेक मीणा

एजेंसी

रेवाड़ी। मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने वालों के लिए यह प्रक्रिया अब और अधिक सरल हो गई है। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने बताया कि अब आर्थिक सहायता के लिए प्रार्थी आवेदक सरल पोर्टल के माध्यम से सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली आर्थिक सहायता की राशि सीधे आवेदक या लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी।उन्होंने बताया कि आवेदक अपनी पीपीपी यानी परिवार पहचान पत्र आईडी के माध्यम से सरल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए आवेदकों को अपने चिकित्सा बिल, ओपीडी बिल आदि जैसे अन्य संबंधित दस्तावेजों को अपलोड कर मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना में किए गए बदलावों के तहत यदि कोई बीमारी आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना में कवर नहीं हो रही है, तो आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को भी इस योजना के तहत लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री राहत कोष के अंतर्गत आर्थिक सहायता के लिए जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें संबंधित एमपी, संबंधित एमएलए, उपायुक्त, सिविल सर्जन, नगर परिषद व नगर पालिकाओं के अध्यक्ष, जिला परिषद के चेयरमैन, पंचायत समिति के चेयरमैन को सदस्य और नगराधीश को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

महापुरुषों का जीवन मानव जाति के कल्याण के लिए होता है : मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। विश्व रोहिल्ला राजपूत संघ, हरियाणा द्वारा शौर्य सम्राट महाराजा रणवीर सिंह रोहिल्ला की 822वीं जयंती रोहतक के महम स्थित पंजाबी धर्मशाला में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने महाराजा रणवीर सिंह रोहिल्ला की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। बड़ौली ने महाराजा रणवीर सिंह के अदम्य साहस, पराक्रम तथा राष्ट्रसेवा के महान योगदान को याद किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि महापुरुषों का जीवन किसी जाति विशेष के लिए न होकर समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए होता है। महापुरुषों के जीवन से युवा पीढ़ी प्रेरणा को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि महापुरूष एकता और समावेशिता का प्रतीक होते हैं, और उनके संदेशों का पालन करके हम एक मजबूत और एकजुट समाज का निर्माण कर सकते हैं। बड़ौली ने कहा कि महाराजा रणवीर ने हमेशा सनातन धर्म को बढ़ावा देने का काम किया। बड़ौली ने कहा कि

महाराजा रणवीर सिंह ने समाज हित में अनेक कार्य किए, जो हमेशा याद रखे जाएंगे।मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा सरकार सभी समाजों के महापुरुषों की जयंती राज्य स्तर पर मना रही है और उनका सम्मान कर रही है। उन्होंने कहा कि संत, महापुरुष सभी समाजों के होते हैं और सभी समाज के लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। समाज की कुरीतियों को दूर करने में हमारे महापुरुषों का सदैव अतुलनीय योगदान रहा है।

मुख्य अतिथि रामचंद्र जांगड़ा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने विश्व रोहिल्ल राजपूत संघ द्वारा शौर्य सम्राट महाराजा रणवीर सिंह रोहिल्ला की जयंती पर किए गए इस कार्यक्रम की प्रशंसा की। जांगड़ा ने कहा कि समाजहित में काम करने वाली सामाजिक संस्थाओं को वीरों के सम्मान में ऐसे कार्यक्रम ज्यादा से ज्यादा आयोजित करने चाहिए।

राज्यपाल ने मृतक एएसआई संदीप के परिजनों से की मुलाकात

एजेंसी

जींद। हरियाणा के महामहिम राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष जुलाना पहुंचे। यहां उन्होंने हाल ही में दिवंगत हुए एएसआई संदीप कुमार लाठर के निवास पर जाकर शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। महामहिम ने संदीप कुमार लाठर की माता इंद्रावती, पत्नी संतोष, पुत्र विहान व पुत्री रूपक और अन्य परिजनों को सांत्वना दी तथा इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की अपील की। महामहिम राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने इस अवसर पर मृतक के बच्चों की शिक्षा के लिए अढ़ाई लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का मुखिया होने के नाते दिवंगत संदीप के देहांत से उन्हें व्यक्तिगत तौर पर भी गहरा आघात पहुंचा है। क्योंकि संदीप जैसे अधिकारी राज्य की सेवा भावना के प्रतीक होते हैं। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि संदीप कुमार लाठर के निधन से समाज ने एक कर्मठ, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ

व्यक्ति को खो दिया है। पुलिस विभाग को भी उनके जाने से अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। महामहिम के साथ उनकी धर्मपत्नी मित्रा घोष भी उपस्थित रही। गौरतलब है कि संदीप कुमार लाठर हरियाणा पुलिस में एएसआई के पद पर रोहतक में तैनात थे। गत दिनों उनका निधन हो गया था। इस अवसर पर उनके साथ एडीसी विवेक आर्य, एएसपी सोनाक्षी सिंह, कैप्टन योगेश बैरागी तथा गांव के कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

आईपीएस वाई पूरन कुमार की अंतिम अरदास में कई मंत्री शामिल हुए

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की अंतिम अरदास पंचकूला स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाडा साहिब में संपन्न हुई। अंतिम अरदास में पंजाब के तो कई मंत्री शामिल हुए लेकिन हरियाणा सरकार का कोई मंत्री नहीं पहुंचा। मुख्यमंत्री नायब सैनी रविवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के चलते प्रदेश के दौरे पर थे। हिसार से लौटने के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी अपने राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी के साथ अमनीत पी कुमार के आवास पर पहुंचे और वाई पूरन कुमार को श्रद्धांजलि भेंट की।

आईपीएस वाई पूरन कुमार ने कई अधिकारियों पर संगीन आरोप लगाकर सात अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित सेक्टर-11 अपने आवास पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। परिवार की सहमति के बाद पंचकूला के नाडा साहिब गुरुद्वारे में अंतिम अरदास हुई। यहां गुरबाणी के पाठ के दौरान पूरन कुमार की छोटी बेटी अमूल्या और

शोक संदेश पढ़ते हुए पूरन कुमार के ससुर बी. रतन सिंह भावुक हो गए। अंतिम अरदास में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, हरियाणा की एसीएस जी.अनुपमा, हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला और पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा, पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां, उकलाना के विधायक नरेश सेलवाल, अंबाला के सांसद वरूण मुलाना, कांग्रेस नेता उदित राज, अशोक तंवर, किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी, समेत कई नेता और लोग पूरन कुमार को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की तरफ से उनके ओएसडी बीबी भारती ने शोक संदेश पढक़र सुनाया।

दिल्ली के पूर्व मंत्री संदीप वाल्मीकि ने कहा कि दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में भी जल्दी बड़ी शोक सभा रखी जाएगी। इसके लिए जल्द डेट तय की जाएगी। इस अवसर पर हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने शोक संदेश पढ़ते हुए कहा कि इस मामले की सही ढंग से जांच होनी चाहिए, ताकि भविष्य में लोग निडर होकर अपनी बात रख सकें। पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि हमारे परिवार का एक सदस्य चला गया, लेकिन दबे कुचले लोगों के दिल में लडऩे की ललक जगा गया।

स्वदेशी और आत्मनिर्भरता से साकार होगा विकसित भारतः अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर में कारागार, निर्वाचन, विरासत और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत संकल्प में स्वदेशी अभियान और आत्मनिर्भरता देश के लिए मूल मंत्र सिद्ध होंगे। हर भारतीय का कर्तव्य है कि वह बाजार में स्वदेशी उत्पाद खरीदे और उन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल कर समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान दे। डॉ. अरविंद शर्मा गन्नौर के वार्ड 11 स्थित बूथ संख्या 92 पर शिव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों और आमजन के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 127वें संस्करण को सुना। इसके बाद उन्होंने प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रबुद्ध वर्ग समाज को दिशा

देने का कार्य करता है, अतः उन्हें स्वदेशी विचारों का प्रचार-प्रसार जन-जन तक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आमजन का विश्वास लगातार भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर बढ़ा है। वर्ष 2014 में भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था, आज चौथे स्थान पर पहुंच गया है। शीघ्र ही भारत प्रथम स्थान प्राप्त करेगा। प्रधानमंत्री ने व्यवस्था को सरल बनाते हुए बिचौलियों और भ्रष्टाचार को समाप्त करने का कार्य किया है। डॉ. शर्मा ने कहा कि विकसित भारत का मार्ग आत्मनिर्भरता से होकर जाता है। प्रधानमंत्री ने जीएसटी सुधारों के माध्यम से स्थानीय दुकानदारों, कारीगरों और उद्यमियों को स्वदेशी अभियान से जोड़ा है।

गुरू तेग बहादुर के शहीदी दिवस को समर्पित गुरमत समागम श्रद्धा से मनाया

एजेंसी

जींद। शहर के ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब में गुरू तेग बहादुर का 350 साला शहीदी दिवस को समर्पित महान गुरमत समागम श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया गया। समागम में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जगदीश सिंह झींडा व कार्यकारिणी सदस्य सरदार करनैल सिंह के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में सैंकडों श्रद्धालुओं ने गुरू को नमन किया। वहीं गुरमत समागम के आरंभ में 28 श्रद्धालुओं को अमृत छकाया गया।

गुरुघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह के अनुसार महान गुरमत समागम में सिख जगत के रागी जत्थे, कथा वाचक, ढाढी जत्थे एवं विद्वान संत महापुरुष अपनी अपनी हाजिरी भर कर गुरमत समागम की शोभा का हिस्सा बने। गुरमत समागम में स्थानीय गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब के रागी भाई जसबीर सिंह रमदसिया के रागी जत्थे ने गुरबाणी कीर्तन गायन किया। इसके बाद दरबार साहिब अमृतसर से आए हजूरी रागी भाई हरमनदीप सिंह के रागी जत्थे ने निरोल गुरबाणी कीर्तन करके संगतों का दिल मोह लिया। सिख जगत के प्रसिद्ध कथा वाचक

बाबा बंता सिंह ने अपने प्रवचनों में सिख कौम को बहादुर कौम बताते हुए कहा कि हिंद दी चादर गुरु तेग बहादुर साहिब ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना शीश कुर्बान कर दिया।

संत बाबा गुरविंदर सिंह मांडी वाले ने अपनी कथा में बताया कि गुरु जी का प्रसिद्ध कथन है बह जिन्हां दी पकरीये। तेग बहादुर बोल्या धर पाये धरम न छोडिये। यानी कि अपना सिर दे दो, लेकिन सही काम करने के अपने कर्तव्य में पीछे मत हटो। गुरू तेग बहादुर की बाणी में धार्मिकता, धर्म की रक्षा और मानवीय मूल्यों पर जोर दिया गया है। जिसमें उन्होंने लोगों को हिम्मत, साहस और निडरता से जीवन जीने का संदेश दिया है। संत बाबा राजिंदर सिंह इसराना वाले ने अपने संदेश में संगतों को भजन सिमरन तथा नाम व शब्द का अभ्यास करने पर जोर दिया।

सरकार महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त बनाने को संकल्पितः लक्ष्मण सिंह यादव

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने को लेकर संकल्पित है। महिलाओं के उत्थान को लेकर सरकार ने अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू करते हुए उन्हें प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया है। रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना महिलाओं के लिए वरदान साबित होगी। पात्र महिलाएं इस योजना का लाभ लेने के लिए अपना पंजीकरण जरूर करवाएं। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार हर वर्ग और हर क्षेत्र का बिना भेदभाव के समान रूप से विकास को लेकर संकल्पित है। सरकार विशेष रूप से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अनेक योजनाएं लागू की हुई हैं। इनमें से हाल ही में शुरू की गई 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' के माध्यम से पात्र महिलाओं को नवंबर माह से प्रतिमाह 2100 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। विधायक ने बताया कि प्रदेश में पांच लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है। स्वयं सहायता समूहों की दो लाख 77 हजार से अधिक महिलाओं की पहचान लखपति दीदी बनाने के लिए की जा चुकी है। महिला उद्यमिता और आर्थिक स्वतंत्रता के उद्देश्य से 18 दिसम्बर, 2024 को पानीपत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'बीमा सखी योजना' की शुरूआत की है।

सिरसा में नवनियुक्त नारनौल में होगा महाराजा शूर सैनी जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह

मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

उपायुक्त ने अधिकारियों के साथ किया समारोह स्थल का दौरा

एजेंसी

नारनौल। महाराजा शूर सैनी जयंती का राज्य स्तरीय समारोह इस बार नारनौल में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। इसी कार्यक्रम की तैयारी को लेकर उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने नई अनाज मंडी में कार्यक्रम स्थल का दौरा किया।

उपायुक्त ने बताया कि इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम को भव्य रूप दिया जाएगा। इसमें प्रदेश के सभी जिलों से नागरिक पधारेंगे।

सभी नागरिकों के लिए कार्यक्रम स्थल पर हर प्रकार की बेहतरीन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरे के संबंध में उपायुक्त ने सभी व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम है। ऐसे में सभी व्यवस्थाएं बहुत ही बेहतरीन होनी चाहिए। उन्होंने अनाज मंडी में चारों तरफ विशेष साफ सफाई करवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने

अधिकारियों को दूसरे जिलों से बसों में आने वाले नागरिकों के लिए मंडी के आसपास बनाई जाने वाली उचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने कैंप कार्यालय में आयोजित एक बैठक में इस समारोह के संबंध में रूपरेखा तैयार की। इस निरीक्षण के दौरान एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह, नगराधीश डॉ मंगलसेन तथा एक्सईएन बीएंडआर अश्वनी कुमार समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

बुखार पीड़ित बच्ची की मौत के बाद जागा प्रशासन, डेंगू के सैंपल लिए

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जिले के गांव ओढां में बुखार पीड़ित बच्ची की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। विभागीय टीम गांव ओढां में पहुंची और सर्वे कर लोगों सैंपल लिए गए। मृतक बच्ची के पिता इकबाल खान सहित सात लोगों के डेंगू के सैम्पल लिए गए और छह मरीजों को जुकाम व बुखार पाया गया। इकबाल खान ने कहा कि अगर विभाग यही कदम कुछ दिन पहले उठा लेता तो शायद आज उसकी बेटी जीवित होती। गौरतलब है कि बीते दिवस दस वर्षीय बच्ची फिजा की बुखार से मौत हो गई थी। विभागीय निर्देश के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में पहुंची और घर-घर लोगों जाकर सैंपल लिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओढां के एसएमओ डॉ. सुमित जैन ने बताया कि सर्वे के लिए दो टीमें बना दी गई हैं। टीम नंबर 1 में एएनएम शकुंतला देवी, आशा वर्कर हरप्रीत व किरणजीत और पार्टी नंबर 2 में जितेन्द्र सिंह हेल्थ इंस्पेक्टर, सुनीता शर्मा व सुमन आशा वर्कर शामिल हैं। टीमों ने वार्ड नंबर 4 व 6 के 82 घरों में डोर टू डोर जाकर 23 लोगों के खून के सैम्पल, 19 कूलर, 9 पानी की टंकी व होदी को चेक किया। 3 जगहों पर नाली व 5 स्थानों पर दवा डालकर लार्वा को नष्ट किया गया। डॉ.सुमित जैन ने बताया कि वार्ड नंबर 4 व 6 में कुछ दिन पहले पंचायत के सहयोग से फोगिंग करवा दी थी और अब पूरे गांव व आसपास के सभी गांवों में करवाई जाएगी। अब स्तिथि पर नियंत्रण है और मरीजों की संख्या कम हो गई है। उन्होंने बताया कि डेंगू व चिकुनगुनिया एक वायरल बीमारी है जो कि संक्रमित एडीज मादा मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर दिन में काटता है व रुके हुए साफ पानी में ही पनपता है। उन्होंने इसके बचाव के तरीके बताते हुए कहा कि घरो के आस पास बने गड्ढों को मिट्टी से भर दें। पूरी बाजू के वस्त्र पहने और मच्छर रोधी दवा या क्रीम का उपयोग करें।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट

सोना 1,23,400 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी लगभग 1,46,500 रुपए

नई दिल्ली

सोने-चांदी के वायदा भाव में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के भाव आज गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,23,400 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,46,500 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 951 रुपए की गिरावट के साथ 1,22,500 रुपए के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,23,451 रुपये था। इस समय यह 1,051 रुपये की गिरावट के साथ 1,22,400 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,22,536 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 1,22,309 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,31,699 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 4,560 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,910 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,47,470 रुपए था। इस समय यह 954 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,516 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,46,728 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,42,910 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,69,200 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 4,103.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,137.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 45.70 डॉलर की गिरावट के साथ 4,092.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 4,398 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।

जापान में पहली इलेक्ट्रिक केई कार पेश करेगी बीवायडी

नई दिल्ली

बीवायडी कंपनी ने जापान में एक बड़ा कदम उठाते हुए अपनी पहली इलेक्ट्रिक केई कार पेश करने की घोषणा की है।

अब तक जापान के बाजार में यह सेगमेंट स्थानीय ब्रांडों जैसे सुजुकी, होंडा और मित्सुबिशी के कब्जे में रहा है। यह मॉडल जापान में लॉन्च होने वाली पहली विदेशी निर्मित इलेक्ट्रिक केई कार होगी, जिससे बीवायडी ने इतिहास रच दिया है।

बीवायडी की यह केई कार जापान में देखी जाने वाली पारंपरिक केई कारों की खूबियों से मेल खाती है। जासूसी तस्वीरों में इसका लंबा और बॉक्सी डिजाइन दिखा है, जो स्पेस के अधिकतम उपयोग पर केंद्रित है। कार के फ्रंट में आयताकार लाइटिंग एलिमेंट, सपाट फेसिया और छोटा बोनट दिया गया है।

साइड प्रोफाइल में सपाट छत, डबल ए-पिलर, चौकोर खिड़कियां और गोल व्हील आर्च इसे व्यावहारिक और कॉम्पैक्ट लुक देते हैं।

स्लाइडिंग डोर सिस्टम आसान एंट्री और बड़े सामान के लोडिंग में मदद करेगा। पीछे की तरफ सपाट विंडशील्ड, ऊपर की ओर वाइपर और चौड़ा बूट लिड दिया गया है, जिससे स्टोरेज स्पेस बढ़ाया जा सके।

इसमें पीछे की सीटें फोल्ड होकर बड़ा लगेज एरिया बनाती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस केई कार में 20 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी जाएगी, जो डब्ल्यूएलटीसी मानकों के अनुसार लगभग 180 किमी की रेंज देगी।

साथ ही, यह 100 केडब्ल्यू फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी और केबिन कम्फर्ट के लिए हीट पंप सिस्टम से लैस होगी। बीवायडी की यह केई कार जापान में कॉम्पटीटिव प्राइस रेंज में उतारी जाएगी, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 2.5 मिलियन येन (लगभग 14.4 लाख रुपये) हो सकती है। यह कीमत निसान सकुरा और मित्सुबिशी ईके एक्स ईवी जैसी स्थानीय इलेक्ट्रिक केई कारों से कम है।

एच-1बी वीजा शुल्क पर ट्रंप प्रशासन को झटका! वाणिज्य मंडल ने किया कोर्ट का रूखवीएस स्कूटी पेप प्लस

नई दिल्ली

एच-1बी वीजा कार्यक्रम के तहत .100,000 के नए शुल्क को अमेरिकी वाणिज्य मंडल ने अदालत में चुनौती दी है, जिसे ट्रंप प्रशासन ने स्थानीय रोजगार संरक्षण के लिए लागू किया था। मंडल का दावा है कि यह नया नियम गैरकानूनी है और उच्च-कुशल विदेशी प्रतिभा पर निर्भर छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों को गंभीर रूप से बाधित करेगा, जिसका अमेरिका में तकनीकी क्षेत्र और रोजगार परिदृश्य पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिकी वाणिज्य मंडल ने राष्ट्रपति ट्रंप प्रशासन द्वारा एच-1बी वीजा पर लगाए गए 1 लाख डॉलर के शुल्क के खिलाफ न्यायालय में चुनौती दी है। बता दें कि नए फीस को लागू करने का उद्देश्य अमेरिकी नियोक्ताओं द्वारा स्थानीय कर्मचारियों की जगह सस्ती विदेशी प्रतिभा का उपयोग रोकना बताया गया था।

मौजूदा जानकारी के अनुसार, वाणिज्य मंडल का कहना है कि यह नया शुल्क अप्रभावी और गैरकानूनी है क्योंकि यह एच-1बी कार्यक्रम को नियंत्रित करने वाले इमिग्रेशन और नेशनलिटी एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। मंडल ने बताया कि कानून के तहत वीजा शुल्क केवल उस लागत के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है जो सरकार वीजा प्रक्रिया में खर्च करती है।

गौरतलब है कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम उच्च कौशल वाले पदों के लिए बनाया गया है, जिनके लिए स्थानीय प्रतिभा ढूंढना मुश्किल होता है। अमेरिकी वाणिज्य मंडल के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य नीति अधिकारी नील ब्रैडली ने कहा कि नया शुल्क छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों और स्टार्ट-अप्स के लिए इसे महंगा और व्यवहारिक रूप से कठिन बना देगा।

बता दें कि यह नया शुल्क एक वर्ष के लिए लागू किया गया है, लेकिन अमेरिकी सरकार इसे बढ़ाने का अधिकार रखती है। जानकारों का मानना है कि इस कदम से अमेरिकी कंपनियों के लिए वैश्विक प्रतिभा तक पहुंच सीमित हो सकती है और एच-1बी कार्यक्रम की मूल उद्देश्य पर असर पड़ सकता है हैं।

टाटा ट्रस्ट में जो हो रहा है उसे देखकर दर्द होता है: नो शिर सूनावाला

रतन टाटा के करीबी रहे सूनावाला ने उम्मीद जताई कि आपसी मतभेद जल्द सुलझ जाएंगे

नई दिल्ली

टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टीज के बीच बढ़ते मतभेदों ने टाटा समूह को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। समूह के पुराने दिग्गज और रतन टाटा के करीबी नोशिर सूनावाला ने इस विवाद पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि टाटा समूह में जो कुछ हो रहा है, उसे देखकर दर्द होता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ट्रस्टी आपस में बातचीत से अपने मतभेद दूर करेंगे। सूनावाला वर्ष 1968 में टाटा समूह से जुड़े थे और उन्होंने 2010 में सेवानिवृत्ति ली। समूह के इतिहास में वे कई महत्वपूर्ण वित्तीय अभियानों के सूत्रधार रहे, जिनमें 1995 का 300 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू भी शामिल है, जिसने टाटा कंपनियों को टाटा संस में हिस्सेदारी रखने की अनुमति दी थी। 2019 में उन्होंने टाटा ट्रस्ट्स से भी इस्तीफ़ा दे दिया था। रतन टाटा के निधन 9 अक्टूबर 2024 के बाद टाटा ट्रस्ट्स की 11 और 17 अक्टूबर को हुई बैठकों में कई अहम निर्णय लिए गए। 11 अक्टूबर को ट्रस्टी मेहली मिस्त्री की अध्यक्षता में नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन नियुक्त किया गया। वहीं 17 अक्टूबर की बैठक में उन्हें टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स के नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।

इन बैठकों में सूनावाला को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जो नोएल टाटा से उनकी निकटता को दर्शाता है।

शुल्क में कटौती पर सहमति, रूस से तेल खरीद पर दिल्ली का कड़ा रुख

नई दिल्ली

इस सप्ताह भारत के व्यापार प्रतिनिधि वॉशिंगटन में मौजूद हैं ताकि भारत-अमेरिका के लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके।

बता दें कि इस बातचीत में तीन प्रमुख पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। पहला, "बैकचैनल" वार्ता लगातार जारी रही है और रक्षा तथा रणनीतिक संबंध सामान्य बने हुए हैं, जिससे व्यापारिक रुकावट का असर रणनीतिक साझेदारी पर नहीं पड़ेगा। यदि वार्ता सफल रहती है, तो अमेरिका द्वारा लगाए गए कुल 50त्न शुल्क को काफी कम किया जा सकता है। दूसरा, भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि कुछ मामलों में कोई समझौता नहीं होगा, भले ही इसके लिए कीमत चुकानी पड़े। नई दिल्ली अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने पर जोर दे रही है और रूस जैसे समय-परीक्षित साझेदार के साथ व्यापार पर कोई समझौता नहीं करेगी। तीसरा, रूस से तेल की वर्तमान खरीद में आर्थिक लाभ पहले जितना नहीं है क्योंकि कीमतें लगभग 65 डॉलर प्रति बैरल हैं। निजी कंपनियां जैसे रिलायंस और नयारा एनर्जी अभी भी रूस से तेल खरीद रही हैं और अमेरिकी पक्ष ने उनके साथ अलग वार्ता शुरू की है। गौरतलब है कि भारत का मानना है कि रूस से तेल खरीद पर पूरी तरह रोक लगाना उसकी संप्रभुता में हस्तक्षेप होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में दावा किया कि मोदी ने उन्हें रूस से तेल खरीद बंद करने की बात कही, जिसे विदेश मंत्रालय ने खारिज किया।

मौजूदा जानकारी के अनुसार, चीन की नई खनिज निर्यात नीतियां भी भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के हालिया संपर्क और नए अमेरिकी राजदूत का दौरा वार्ता में नई गति लाया है।

एनबीएफसी के उच्च स्तर का बढ़ेगा दायरा

नई दिल्ली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) कुछ अन्य गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को उच्च स्तरीय एनबीएफसी की श्रेणी में डाल सकता है। इस श्रेणी में शामिल गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अपेक्षाकृत सख्त नियामकीय आवश्यकताओं का पालन करना होता है। एनबीएफसी का आकार बढ़ने और वित्तीय क्षेत्र में पहुंच के विस्तार को देखते हुए बैंकिंग नियामक इस तरह का कदम उठा सकता है। वर्ष 2024-25 की सूची में बजाज फाइनैंस, टाटा कैपिटल, महिंद्रा फाइनैंस, श्रीराम फाइनैंस आदि के साथ आरबीआई द्वारा निर्धारित अपर लेयर यानी उच्च स्तरीय श्रेणी में 15 एनबीएफसी हैं। सूत्रों ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ एनबीएफसी, जिनका लोन बुक 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक है वह उच्च स्तरीय श्रेणी में आ सकती हैं। इनकी संख्या भले ही कम है मगर इनका एनबीएफसी क्षेत्र की कुल परिसंपत्तियों में अच्छा-खासा हिस्सा है। इसके अलावा बड़े औद्योगिक समूहों की एनबीएफसी, बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी विदेशी वित्तीय घराने की भारतीय सहायक कंपनियों, अन्य बड़ी एनबीएफसी की आवास वित्त इकाई के भी उच्च स्तरीय एनबीएफसी के दायरे में लाए जाने की संभावना है।

भारत बनेगा खिलौनों का वैश्विक विनिर्माण केंद्र

13,000 करोड़ रुपये की नई योजना पर काम शुरू

नई दिल्ली भारत सरकार देश को खिलौनों के वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए लगभग 13,000 करोड़ रुपये की नई योजना पर काम कर रही है। इस योजना का मसौदा उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग ने तैयार किया है। इसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना, चीन और वियतनाम जैसे देशों पर निर्भरता घटाना तथा उत्पादन लागत को प्रतिस्पर्धी स्तर पर लाना है। जानकारी के अनुसार, यदि केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी मिल जाती है, तो खिलौना निर्माण में लगी इकाइयों और निर्दिष्ट कच्चे माल के लिए लक्षित वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाली कंपनियों को रियायती सीमा शुल्क का लाभ मिल सकेगा। हालांकि पात्रता के लिए वृद्धिशील निवेश, बिक्री सीमा, घरेलू मूल्य संवर्द्धन और निर्यात मानदंड जैसी शर्तें पूरी करनी होंगी।

रुपया 12 पैसे टूटकर 87.95 प्रति डॉलर पर

रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.83 पर बंद हुआ था

मुंबई कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे टूटकर 87.95 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी संभावित अमेरिका-चीन व्यापार समझौते के कारण आई है जिससे वैश्विक स्तर पर तेल की मांग में मजबूती की उम्मीद को बल मिलता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.87 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 87.95 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.83 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.91 पर आ गया।

सीमेंट के दाम में आई गिरावट

नई दिल्ली अक्टूबर 2025 में सीमेंट की मांग कम रही क्योंकि त्योहारों के समय कामकाज धीमा हो गया था। साथ ही, कई जगह मजदूरों की कमी थी और कुछ राज्यों में चुनाव चल रहे थे, जिससे काम रुक गया। कारोबारियों का कहना है कि नवंबर के बीच से जब मजदूर वापस आएंगे और ठंड के मौसम में काम बढ़ेगा, तब सीमेंट की मांग फिर से बढ़ेगी। साल 2025 की दूसरी तिमाही में देशभर में सीमेंट की औसत कीमत लगभग एक प्रतिशत से थोड़ी ज्यादा घट गई। दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में दाम कम हुए, जबकि उत्तर और मध्य भारत में कीमतें लगभग पहले जैसी रहीं। अक्टूबर में भी सितंबर के मुकाबले करीब आधा प्रतिशत की कमी आई है। यह गिरावट ज्यादातर दक्षिण और पूर्वी इलाकों में देखी गई है। कारोबारियों का कहना है कि अभी सीमेंट के दाम बढ़ने की कोई संभावना नहीं है। कंपनियां जनवरी 2026 के बाद ही कीमतें बढ़ाने पर सोच सकती हैं।

लेंसकार्ट का 7,278 करोड़ का आईपीओ लॉन्च

नई दिल्ली सकार्ट सॉल्यूशंस ने 382-402 रुपए प्रति शेयर के मूल्य दायरे के साथ 7,278 करोड़ के आईपीओ की घोषणा की। आईपीओ 31 अक्टूबर से 4 नवंबर तक खुलेगा, जबकि एंकर निवेशक 30 अक्टूबर को बोली लगा सकेंगे। कंपनी नए शेयरों से 2,150 करोड़ जुटाएगी और प्रमोटर व निवेशक 13.22 करोड़ शेयर बेचेंगे। 2008 में स्थापित लेंसकार्ट ने 2010 में ऑनलाइन मंच शुरू किया और 2013 में दिल्ली में पहला स्टोर खोला। यह देश में प्रमुख आईवियर ब्रांड बन गया है।

स्टड्स एक्सेसरीज का455 करोड़ का आईपीओ 30 अक्टूबर से

नई दिल्ली स्टड्स एक्सेसरीज लिमिटेड ने अपने 455 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए 557-585 प्रति शेयर मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ 30 अक्टूबर से खुलकर 3 नवंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक 29 अक्टूबर को बोली लगा सकेंगे। इस आईपीओ में कोई नया निर्गम नहीं है, केवल प्रवर्तक समूह और अन्य शेयरधारक 77.86 लाख शेयर बेचेंगे। कंपनी 'स्टड्स' और 'एसएमके' ब्रांड के तहत दोपहिया हेलमेट का निर्माण और बिक्री करती है। इसकी स्थापना 1975 में हुई थी।

एमसीएक्स ने सोना-चांदी सूचकांक 'बुलडेक्स' पर विकल्प अनुबंध शुरू किए

नई दिल्ली मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) ने सोमवार से अपने सोने और चांदी के सूचकांक एमसीएक्स बुलडेक्स पर मासिक विकल्प अनुबंध शुरू करने की घोषणा की। इसका उद्देश्य निवेशकों और संस्थानों को कीमती धातु खंड में विविध और सुरक्षित निवेश विकल्प उपलब्ध कराना है। विकल्प एक वित्तीय व्युत्पन्न अनुबंध है, जो खरीदार को किसी संपत्ति को पूर्व निर्धारित कीमत (स्ट्राइक प्राइस) पर किसी निश्चित तिथि या उससे पहले खरीदने या बेचने का अधिकार देता है। इसमें खरीदार को बाध्यता नहीं होती, बल्कि वह जोखिम से बचाव (हेजिंग)के लिए इसका उपयोग कर सकता है। एमसीएक्स के अनुसार, 'बुलडेक्स' विकल्प निवेशकों को लागत प्रभावी तरीके से सोना-चांदी में निवेश करने और बाजार में उतार-चढ़ाव से अपनी स्थिति को सुरक्षित रखने में मदद करेगा। यह उत्पाद विशेष रूप से विविध निवेश और हेजिंग दोनों आवश्यकताओं को पूरा करता है। एमसीएक्स की एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि यह कदम भारत के जिंस बाजार में महत्वपूर्ण विकास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह एक अनूठा और अभिनव उत्पाद है, जो जिंस वायदा-विकल्प उत्पादों की श्रृंखला को बढ़ाएगा और निवेशकों को संतुलित एक्सपोजर प्रदान करेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 566 अंक, निफ्टी 170 अंक उछला

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को अच्छी बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक की संभावना बढ़ने से भी निवेशकों में उत्साह देखा गया जिससे भी बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 566.96 अंक बढ़कर 84,778.84 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 170.90 अंक उछलकर 25,966.05 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ-साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 548.95 अंक बढ़कर 59,780.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 149.70 अंक ऊपर आकर 18,403.05 पर बंद हुआ। आज आईटी, पीएसयू बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक, इन्फ्रा, कमोडिटीज और पीएसई लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं फार्मा, मीडिया और हेल्थकेयर को शेयरों में गिरावट रही सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल,), एसबीआई, टीसीएस टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, आईटीसी, मारुति सुजुकी एनटीपीसी और एचसीएल टेक सबसे अधिक लाभ में रहे थे जबकि कोटक महिंद्रा बैंक, बीईएल, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, सन फार्मा और एचयूएल के शेयर नीचे आये। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसन के इस बयान के बाद कि वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख देखने को मिल रहा है कि चीन से आने वाले सामान पर 100 फीसदी तक की प्रस्तावित टैरिफ फिलहाल नहीं लगाई जाएगी बाजार में उत्साह है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 239 अंक की बढ़त के साथ 84,450 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 79 अंक चढ़कर 25,874 पर पहुंच गया। ब्रॉडर मार्केट में भी तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.46 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.23 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जिनमें रियल्टी शेयरों ने सबसे अधिक एक फीसदी की बढ़त के साथ बढ़त में नेतृत्व किया। वहीं जापान का इंडेक्स सोमवार को पहली बार 50,000 के स्तर के पार गया और 2 फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की। एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो । कोरियाई कोस्पी 1.99 फीसदी उछला और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.49 फीसदी बढ़ा। बाजार की इस तेजी के पीछे अमेरिकी और चीनी वार्ता में प्रगति की उम्मीद और वाल स्ट्रीट के रिकॉर्ड स्तर पर बंद होने का असर रहा। अमेरिका में प्रमुख इंडेक्स शुक्रवार को रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। डाओ जोंस 47,000 के पार गया।

वाशिंगटन पोस्ट रिपोर्ट ने अदानी ग्रुप पर उठाये सवाल, मचा बवाल तो एलआईसी ने दिया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली

एलआईसी ने स्पष्ट किया है कि कोई भी ऐसा दस्तावेज या योजना कभी तैयार नहीं की गई थी, जो अडानी समूह में फंड डालने का रोडमैप तैयार करती। एलआईसी का यह भी कहना है कि इस रिपोर्ट का उद्देश्य उसके निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करने और भारतीय वित्तीय संस्थाओं की साख को नुकसान पहुँचाने का प्रतीत होता है।

अमेरिकी समाचार पत्र द वॉशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने भारतीय वित्तीय दुनिया में हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारतीय अधिकारी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (एलआईसी) से लगभग 3.9 अरब डॉलर (करीब 32,000 करोड़ रुपये) अडानी समूह की कंपनियों में निवेश करने के लिए प्रस्तावित कर रहे थे। हालांकि एलआईसी ने इसे "भ्रामक, निराधार और सत्य से कोसों दूर" करार देते हुए पूरी तरह से खारिज कर दिया है। एलआईसी का कहना है कि उसके निवेश निर्णय स्वतंत्र और बोर्ड-स्वीकृत नीतियों के अनुसार ही किए जाते हैं और किसी भी सरकारी दबाव या बाहरी प्रभाव का इसमें कोई स्थान नहीं है। एलआईसी ने स्पष्ट किया है कि कोई भी ऐसा दस्तावेज या योजना कभी तैयार नहीं की गई थी, जो अडानी समूह में फंड डालने का रोडमैप तैयार करती। एलआईसी का यह भी कहना है कि इस रिपोर्ट का उद्देश्य उसके निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करने और भारतीय वित्तीय संस्थाओं की साख को नुकसान पहुँचाने का प्रतीत होता है। वास्तव में एलआईसी और अन्य सरकारी निकाय निवेश करते समय उच्चतम स्तर की जांच-पड़ताल, कानूनों और नियामक दिशानिर्देशों का पालन करते हैं और हमेशा पॉलिसीधारकों और शेयरधारकों के हितों को सर्वोपरि रखते हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने वर्ली में लॉन्च की 'गोदरेज ट्रिलॉजी' परियोजना

राजस्व 10,000 करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद

नई दिल्ली मुंबई के वर्ली में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अपनी नई आवासीय परियोजना 'गोदरेज ट्रिलॉजी' के लिए महारेरा से पंजीकरण प्राप्त किया। यह 2.63 एकड़ में फैली परियोजना तीन टावरों में विकसित होगी। पहले चरण में दो टावर 'सीटर्फ' और 'सीफ्रंट' चालू तिमाही में लॉन्च किए जाएंगे। इस चरण में करीब 11 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र शामिल है। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना की अनुमानित सकल राजस्व क्षमता 10,000 करोड़ रुपए से अधिक है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के सीईओ गौरव पांडे के अनुसार, यह परियोजना दक्षिण मुंबई में कंपनी की उपस्थिति को मजबूत करती है और उच्च क्षमता वाले शहरी भूखंडों के अधिग्रहण एवं विकास की रणनीति के अनुरूप है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है।

संतुलन, संयम और सक्रियता जयशंकर की पहचान...

निकाल दिया भारत-अमेरिका रिश्तों में आई 'समस्या' का समाधान!

नीरज कुमार दुबे

जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता 'बहुत जल्द' होने वाला है।

भारत और अमेरिका के बीच बीते कुछ महीनों से जो आर्थिक और रणनीतिक असहमति का दौर चल रहा है, उसने दोनों देशों के 'स्वाभाविक साझेदारी' वाले रिश्ते पर गहरा असर डाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना इस तनाव का चरम बिंदु रहा। भारत ने इसे 'अनुचित, असंगत और अविवेकपूर्ण' करार दिया। किंतु कूटनीति का मूल्य संकट के समय ही मापा जाता है और यही बात कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात में स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता 'बहुत जल्द' होने वाला है। यह संकेत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव का असर सिर्फ द्विपक्षीय नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और हिंद-प्रशांत की आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ रहा है। भारत की ओर से यह कोशिश स्पष्ट दिख रही है कि वह न केवल शुल्क विवाद को सुलझाना चाहता है, बल्कि व्यापक आर्थिक सहयोग को फिर से गति देना चाहता है।

रुबियो ने भी अपने बयान में यह स्वीकार किया कि भारत 'हमारा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सहयोगी' है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर उठे सवालों पर सफाई देते हुए कहा कि 'हम पाकिस्तान के साथ रिश्ते भारत की कीमत पर नहीं बढ़ा रहे।' यह वक्तव्य अमेरिकी विदेश नीति के उस द्वंद्व को भी रेखांकित करता है, जिसमें वाशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से अपनी रणनीतिक गणना में शामिल करना चाहता है, लेकिन नई दिल्ली की संवेदनशीलता को भी नजरअंदाज नहीं कर सकता।

देखा जाये तो अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों में बढ़ती निकटता भारत के लिए चिंता का विषय रही है, खासकर तब जब ट्रंप प्रशासन ने मई में भारत-पाकिस्तान सीमा संघर्ष के बाद पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर से सीधी वार्ता की। अमेरिका का यह दावा कि ट्रंप ने 'संघर्ष विराम में मध्यस्थता' की, नई दिल्ली के लिए अस्वीकार्य रहा। रुबियो ने भले ही यह स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते संबंध 'भारत की कीमत पर नहीं होंगे', लेकिन कूटनीति में ऐसी पंक्तियाँ आश्वासन से अधिक संकेतों का माध्यम होती हैं। भारत के लिए संदेश साफ है कि वाशिंगटन अपनी क्षेत्रीय रणनीति में इस्लामाबाद को पूरी तरह अलग नहीं करेगा, पर नई दिल्ली को साझेदारी में बराबरी का दर्जा देने की कोशिश जारी रखेगा।

साथ ही रुबियो की टिप्पणी कि 'भारत ने पहले ही तेल खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है' यह दशार्ती है कि अमेरिका अब भारत के ऊर्जा निर्णयों पर सीधे दबाव डालने के बजाय संवाद का रास्ता अपना रहा है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत के लिए महज ऊर्जा नीति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जयशंकर बार-बार यह दोहरा चुके हैं कि 'भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेता है।' इस पृष्ठभूमि में रुबियो की भाषा अपेक्षाकृत संयमित और यथार्थपरक दिखी, जो बताती है कि अमेरिका भारत की स्वायत्त विदेश नीति को धीरे-धीरे स्वीकार करने की दिशा में है।

इसके अलावा, जयशंकर की मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों से हुई अलग-अलग बैठकों का महत्व भी इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का प्रमुख स्तंभ है और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत इस मंच को अपने रणनीतिक संतुलन के रूप में देखता है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात, सिंगापुर के विवियन बालाकृष्णन के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा और कोरिया के साथ सेमीकंडक्टर व रक्षा सहयोग पर वार्ता, ये सब भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति की झलक हैं।

जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट है कि भारत किसी एक ध्रुव– चाहे वह अमेरिका हो या रूस, पर निर्भर नहीं रहना चाहता। बल्कि वह एशिया और इंडो-पैसिफिक में अपने साझेदारों के साथ मिलकर एक समावेशी सुरक्षा व आर्थिक ढाँचा बनाना चाहता है।

देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि संकट के दौर में भी संवाद के पुल टूटते नहीं। चाहे वह 1998 के परमाणु परीक्षण हों या आज के शुल्क विवाद, हर बार दोनों देशों ने कूटनीतिक विवेक से संबंधों को संभाला है। जयशंकरझ्ररुबियो वार्ता भी उसी परंपरा का विस्तार है। दोनों नेताओं के बयान यह संकेत देते हैं कि मतभेदों के बावजूद 'मित्रता' की भाषा कायम है। रुबियो का यह कहना कि 'भारतीय कूटनीति परिपक्व और व्यावहारिक है' दरअसल भारत की वैश्विक स्थिति की स्वीकारोक्ति है। वाशिंगटन अब यह समझ रहा है कि नई दिल्ली को केवल रणनीतिक भागीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र शक्ति केंद्र के रूप में स्वीकार करना होगा।

साथ ही कुआलालंपुर की मुलाकात को सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक घटना मानना भूल होगी। जयशंकर ने जिस संतुलन, संयम और सक्रियता के साथ आसियान मंच का उपयोग किया, वह दशार्ता है कि भारत आज केवल प्रतिक्रियात्मक कूटनीति नहीं कर रहा, बल्कि अपनी शर्तों पर वैश्विक संवाद को आकार दे रहा है। वहीं, रुबियो का संयमित स्वर बताता है कि अमेरिका भी भारत को अब सिर्फ एक 'पार्टनर' नहीं बल्कि एक 'पोल', यानी शक्ति के स्वतंत्र केंद्र, के रूप में देखने को तैयार हो रहा है। तनाव भले ही बाकी हों, पर संवाद जारी है और यही किसी भी परिपक्व साझेदारी की असली कसौटी होती है।

संपादकीय

आसियान में मोदी की गैरहाजिरी

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन, आसियान का शिखर सम्मेलन मलेशिया में होने जा रहा है। जिसमें इस बार भारत की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं हो रहे हैं, उनका प्रतिनिधि बनकर एस जयशंकर पहुंच रहे हैं। श्री मोदी की गैरहाजिरी को लेकर कोई ठोस कारण अब तक सामने नहीं आया है कि फलां-फलां वजह से मलेशिया पहुंचना बिल्कुल ही असंभव था। हालांकि कांग्रेस पार्टी का कहना है कि ट्रंप से आमना-सामना न हो, इससे बचने के लिए नरेन्द्र मोदी आसियान में नहीं गए। वहीं हो सकता है कि बिहार चुनाव की व्यस्तता भी मोदी को देश के लिए जरूरी कामों से दूर कर रही है। प्रधानमंत्री का काम छोड़कर बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करने का काम मोदी पहले भी करते रहे हैं। बहरहाल, आसियान जैसे मंच क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए जरूरी होते हैं। मोदी बार-बार भारत को विश्वगुरु बनाने की बात करते हैं, लेकिन सोचने वाली बात है कि क्या इस तरह भारत का रसूख कायम होगा। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष जब आपस में मिलते हैं तो जरूरी मुद्दों पर चर्चा होती है, कई ऐसे समझौतों की राह बनती है, जो फोन पर चचाओं में संभव नहीं है। अमेरिका से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मलेशिया पहुंचे हैं और रास्ते में वो कतर होते हुए आए। दुनिया के दूसरे कोने से ट्रंप बार-बार एशिया का रुख कर रहे हैं, क्योंकि यहां उन्हें व्यापारिक, राजनैतिक, सामरिक लाभ नजर आ रहे हैं। रविवार सुबह ट्रंप रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे और कुआलालंपुर में उनकी मौजूदगी में थाईलैंड और कम्बोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ट्रंप ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। गौरतलब है कि थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रंप की अहम भूमिका बताई जा रही है। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में रणनीतिक तौर पर खुद को शांतिदूत साबित करने में लगे हुए हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध रुकवाने का दावा कम से कम 50 बार तो कर ही चुके हैं, जिसे मोदी ने गलत साबित करने की पुख्ता कोशिश एक बार भी नहीं की। उधर रूस से तेल खरीद को रोकने के लिए भी ट्रंप भारत पर दबाव बनाने की बात कह रहे हैं। मोदी इसे भी नकार नहीं रहे। ऐसा नहीं है कि ट्रंप बड़ी नेकनीयत से ये सारे काम कर रहे हैं। शांति का उनका विचार गांधी और नेहरू के विचारों से दूर-दूर तक मेल नहीं खाता है। ट्रंप दबाव की राजनीति में यकीन रखते हैं और दुनिया पर वही थोप रहे हैं। अगर भारत की मौजूदा सरकार गांधीवादी सिद्धांतों और नेहरूवादी रणनीति के साथ बढ़ती तो ट्रंप की हिम्मत नहीं होती कि वो इतनी बेतकल्लुफी के साथ भारत के प्रधानमंत्री के लिए बयान देते। लेकिन अभी की शर्मनाक हकीकत यही है। ट्रंप शांतिदूत वाले चोगे को पहनकर बड़ी चतुराई से भारत को अलग-थलग कर रहे हैं। पाकिस्तान पूरी तरह से ट्रंप की सरपरस्ती में है, अब मलेशिया में ट्रंप की मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली है। चीन भी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को समर्थन देता है और अब व्यापार के फायदे को देखते हुए अमेरिका और चीन बाकी विवादों को सुलझा लेंगे, तब भारत के लिए खतरे कितने बढ़ जाएंगे, इस बात पर मोदी सरकार को ध्यान देना चाहिए। भारत पर तो अमेरिका ने भारी भरकम टैरिफ लगा ही दिया है, इसके अलावा एच 1 बी वीजा को भी इतना कठिन कर दिया है कि हजारों परिवार इससे प्रभावित हो गए हैं।

चिंतन-मनन

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुतः प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई।

सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शाछ्वाह में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

बिहार विधानसभा चुनाव लड़ना होगा जी-जान से

कांतिलाल मांडोत

बिहार विधानसभा चुनाव की तपिश जो हर एक दल महसूस कर रहे है।जैसी शायद पहले कभी नही हुई होगी। बिहार में सीएम चेहरे को लेकर कांग्रेस और राजद का टकराव के कारण बदलते समीकरण को थामने के लिए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू के बीच बन्द कमरे में बात हुई। तेजस्वी के नाम पर मुहरलगाई गई।सूबे में पहली बार प्रामाणिक त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है।जो राजद और एनडीए के बीच हुआ करता था।इस बार कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा है। क्षेत्रीय दल भी वोट काटने के निमित बनेंगे।ओवैसी की पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। समस्तीपुर और बेगूसराय में मोदी एनडीए के प्रत्यशियों के लिए रैली करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में 26 रैलियां की थी। मोदी की 61 प्रतिशत स्ट्राइक रेट से एनडीए की सरकार बनाई थी।मोदी का करिश्मा आज भी विधमान है। बिहार में 2020 में मोदी ने 12 रैली कर 110 सीटे कवर की थी।उसमें 67 सीटो पर भव्य विजय पताका फहराई थी।पिछले चुनाव में सासाराम सीट पर एनडीए को सफलता नही मिली।उस सीट पर इस बार चुनाव में नजर रखे हुए है।पटना में 2020 के चुनाव में 5 सीटे ही जीत सके।मोदी की रैलिया ही निर्णायक भूमिका निभाती है।देश भर में नरेंद्र मोदी की हवा चल रही है।इस बार भी एनडीए को आशा है कि सरकार बना लेंगे।प्रचार अभियान की कमान संभालने वाले मोदी की रैली के बाद लोगो के मन मे परिवर्तन की लहर जरुर दौडती है।कांग्रेस के दिग्गज नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भाग कर पटना पहुंचे ताकि वे नवगठित महागठबंधन के लिए सीएम चेहरे के लिए फैसला कर सके।कांग्रेस बिहार चुनाव में अपना चेहरा बचाना चाहती है।महागठबंधन में राहुल और प्रियंका गांधी की साझा कोशिशों ने अंजाम दिया है। राहुल की उपस्थिति बिहार में नगण्य हो गई है।क्योंकि वो विदेश का दौरा ज्यादा कर रहे है।राहुल के साथ महागठबंधन में बढ़ती तकरार को भांपकर वरिष्ठ नेता अशोक चाचा को गांठ खोलने के लिए पटना भेजे गए । उसके बाद महागठबंधन का बुनियादी काम शुरू हुआ।इस कवायद के नतीजतन बिहार का बुनियादी काम शुरू हुआ है। प्रियंका का खास तौर पर जिक्र है और बिहार चुनाव के प्रसार प्रचार के लिए जरुर भाई का साथ देगी। प्रियंका बिहार चुनाव में ठीक ठीक भूमिका अदा करेगी। राहुल और प्रियंका ने महागठबंधन की बनाई योजना को अमलीजामा पहनाने की जिम्मेदारी संभाली और उसे पार लगाने के लिए कांग्रेस और राजद की खोई हुई ताकत को एकरूपता प्रदान करने के लिए मदद करेंगे।2020 में समस्तीपुर में एनडीए ने 5 सीटे जीती थी।महागठबंधन ने 4 और एक सीपीआईएम ने जीत हासिल की गई।पश्चिमी चंपारण और पूर्वी चंपारण ,भागलपुर और मुजफ्फरपुर मोदी ने रैली करके 39 सीटे कवर की थी।उसमें 28 पर एनडीए जीत हसिल की गई।24 अक्टूबर को भाजपा के तमाम दिग्गज नेता प्रचार अभियान में शामिल रहने की खबर है। एनडीए को विजय बनाने 23 अक्टूबर को चुनाव मैदान में उतर चुके है।महागठबंधन में कई सीटो पर फ्रेंडली फाइट के बाद अशोक गहलोत ने विवाद को सुलझाने के बाद अब बिहार में महागठबंधन में कोई गीले शिकवे नही है। बिहार में महागठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के बाद एनडीए पर नजर मंडरा रही है।लेकिन उपेंद्र कुशवाहा ने तो पहले ही एनडीए के मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा नीतीश कुमार के नाम कर दी गई थी। दरअसल,2015 के चुनाव में नीतीश कुमार एनडीए का हिस्सा नही थे।उस दौर में मोदी ने26 रैलियां की थी।और 191 सीटे कवर कर एनडीए ने 52 सीटे जीती थी। एनडीए में 2015 में रामविलास की एलजेपी,उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएसपी और जीतन मांझी की एचएएम शामिल थी।2015 में मुंगेर,बेगूसराय, समस्तीपुर,जहानाबाद, बक्सर और मधेपुरा में कमजोर वोटिंग हुई थी।लेकिन इसकी भरपाई 2020 में कर दी गई। बिहार में चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई है।दानापुर में यादव के समक्ष यादव की गणित से किसको फायदा होगा,यह कहना जल्दबाजी है।लेकिन टक्कर जोर की रहेगी। बिहार चुनाव में पहले फेज में 35 बागी समीकरण बिगड़ने के लिए उतारू है।देश की नजर बिहार चुनाव पर टिकी हुई है। इस बार बिहार चुनाव दिलचस्प होने वाला है।समस्तीपुर की जनता को मोदी ने अपनी सभा मे कहा कि आरजेडी के लोग जमानत पर चल रहे है।मोदी ने मोबाइल की लाइट जलाने का आह्वान करके कहा कि इस युग मे लालटेन की क्या जरुरत है? समस्तीपुर में मोदी ने कहा कि इतनी भीड़ में गुजरात मे नही जुटा पाया हूं। जितनी आज देख रहा हूं।त्योहार में इतनी भीड़ जमा होने के बाद मोदी ने आभार व्यक्त किया।इस बार भारी बहुमत से नीतीश कुमार की सरकार बनने का भरोसा दिलाया। बिहार के विकास में मन लगाकर एनडीए सरकार खर्च कर रही है।मोदी ने एक्स पर मैसेज भेजकर बिहार में विकास की रफ्तार का आंकलन करते हुए पूर्व की सरकारों को कोसा।लालू को 15 साल बिहार की जनता ने मौका दिया लेकिन महिलाओं के लिए लालू की सरकार ने कुछ नही किया।यह तंज कसते हुए नीतीश ने कहा कि जब उनको हटना पड़ा तो उनकी धर्मपत्नी को सीएम बना लिया।

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिये चुनौती

ललित गर्ग

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अजरबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए।

पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अजरबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस् -देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा। पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है।

इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।

संक्षिप्त समाचार

हूती विद्रोहियों ने दो और यूएन कर्मियों को अगवा किया

सना , एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने दो और संयुक्त राष्ट्र कर्मियों को अगवा किया है। यमन में संयुक्त राष्ट्र के खिलाफ लगातार आक्रामक तेवर दिखा रहे हूती लड़ाकों ने जिन्हें अगवा किया है उसमें एक महिला भी शामिल हैं, जिनकी हालत गंभीर है। शनिवार को यमन की राजधानी सना में विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लयूएफपी) की दो महिला कर्मचारियों को घर से अगवा किया गया। इनमें से एक महिला ने हाल ही में समय से पहले बच्चे को जन्म दिया था, जिसकी मृत्यु हो गई थी। वह एक अन्य डब्लयूएफपी कर्मचारी की बहन है। महिला के भाई को इस महीने की शुरुआत में कुछ समय के लिए किडनैप किया गया था। संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों के मुताबिक हूती विद्रोहियों ने गत गुरुवार और शुक्रवार को भी कुछ कर्मियों को अगवा किया। विद्रोही समूह संयुक्त राष्ट्र की संपत्तियां और संचार उपकरण भी अपने कब्जे में ले चुके हैं। हूती विद्रोही अब तक कम से कम 55 संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों को अगवा कर चुके हैं। लगातार बढ़ती इन घटनाओं और दबाव के कारण संयुक्त राष्ट्र को इस इलाके में अपनी गतिविधियों को सीमित करना पड़ा है। शीर्ष अधिकारी को सना से अदन भेज दिया गया है।

उत्तरी कैरिबियन में तूफान मेलिसा, बाढ़ का खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मौसम विशेषज्ञों ने बताया है कि उष्णकटिबंधीय तूफान मेलिसा के कारण जमैका में चक्रवात का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी कर कहा, उत्तर कैरेबियाई क्षेत्र में बाढ़ और भूस्खलन का खतरा भी पैदा हो गया है। मेलिसा फिलहाल 110 किमी प्रति घंटा की गति से आगे बढ़ रहा है। रविवार तक ये बड़े चक्रवात में बदल सकता है। अमेरिकी नेशनल हरीकेन सेंटर के अनुसार, सोमवार तक ये तूफान जमैका के निकट पहुंच सकता है। जमैका, हैती और डोमिनिकन गणराज्य के दक्षिणी हिस्सों में सोमवार तक 64 सेंटीमीटर तक बारिश और दक्षिण-पश्चिम हैती में 89 सेंटीमीटर तक बारिश की आशंका है। तूफान के कारण हैती में तीन और डोमिनिकन गणराज्य में अब तक एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। सैकड़ों घरों और बुनियादी ढांचे को भी नुकसान हुआ है। जमैका सरकार ने 650 से अधिक राहत और बचाव केंद्रों को सक्रिय कर दिया है। प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने लोगों से मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेने की अपील की है। तूफान के कारण स्थानीय लोगों को चार दिनों तक भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन की मार झेलनी पड़ सकती है। इसके अलावा बिजली और संचार भी बाधित होने की आशंका है।

यूक्रेन में रूसी मिसाइल और ड्रोन से हमले में 4 लोगों की मौत ; जेलेंस्की ने मांगी हवाई सुरक्षा

कीव, एजेंसी। रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में शुक्रवार रात से शनिवार तक यूक्रेन में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। 20 लोग घायल भी हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से एयर डिफेंस सिस्टम प्रदान करने का अनुरोध फिर से किया। राजधानी कीव में बैलिस्टिक मिसाइल हमले में दो लोग मारे गए और 13 घायल हुए। यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने बताया कि एक गैर-आवासीय इमारत में आग लगी और मिसाइल के अवशेषों से आसपास की इमारतों की खिड़कियां टूट गईं। मेयर विताली क्लित्श्को ने इसे राजधानी पर बैलिस्टिक हमला बताया। यूक्रेनी वायु सेना के अनुसार, रूस ने नौ मिसाइल और 62 ड्रोन दागे, जिनमें से चार मिसाइल और 50 ड्रोन को इंटरसेप्ट किया गया। वहीं, रूस ने रातभर 121 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

चीन के सुनहरी नाक वाले बंदरों का यूरोपीय चिड़ियाघरों में प्रीमियर

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दुर्लभ सुनहरी नाक वाले बंदरों का अब यूरोपीय चिड़ियाघरों में प्रीमियर हुआ है। ये बंदर अपने घने बालों और हल्के नीले चेहरे के कारण जाने जाते हैं। ये बंदर अब यूरोप में पैंडा के बाद चीन के नए फर वाले दूत के रूप में चिड़ियाघरों में पहुंचे हैं। ये बंदर 10 साल की अवधि के लिए लोन पर दिए गए हैं। तीन सुनहरे बंदर अप्रैल में फ्रांस के बौवल चिड़ियाघर पहुंचे हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं जयंती के उपलक्ष्य के रूप में हुआ।

खैबर पख्तूनख्वा में लड़कियों के लिए बन रहा स्कूल विस्फोट से तबाह

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के टैंक जिले के गारा बुद्ध गांव में अज्ञात हमलावरों ने शुक्रवार को लड़कियों के लिए बनाए जा रहे एक निर्माणाधीन प्राइमरी स्कूल को विस्फोट से उड़ा दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले से स्थानीय निवासियों में डर और आक्रोश फैल गया है।

पूर्व राष्ट्रपति रीगन के बयान पर बवाल, भड़के ट्रंप ने कनाडा पर ठोका अतिरिक्त टैरिफ

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच ट्रेड वॉर तेज होता हुआ नजर आ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को ओटावा के ऊपर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के बयान का गलत उपयोग करने को लेकर लताड़ लगाई। ट्रंप ने कनाडा के ऊपर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की है। ट्रंप का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही कनाडा के साथ व्यापारिक वार्ता समाप्त करने की घोषणा की थी। हालांकि, ट्रंप के इस फैसले के बाद कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा था कि वह वार्ता फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं।

सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कनाडा को जमकर कड़वे घूंट पिलाए। ट्रंप ने लिखा, कनाडा को रोनाल्ड रीगन के टैरिफ पर दिए गए एक भाषण पर फर्जी एड बनाते पकड़ा गया है। इस वीडियो को लेकर रीगन फाउंडेशन की तरफ से कहा गया है कि राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के चुनिंदा ऑडियो और वीडियो का इस्तेमाल करके एक विज्ञापन अभियान बनाया गया ह। यह विज्ञापन राष्ट्रपति के रेडियो संबोधन को गलत तरीके से पेश करता है। ट्रंप ने कनाडाई सरकार को आड़े हाथों लेते हुए लिखा, रीगन के बयान का इस्तेमाल करने या उसकी कांट-छांट करने की अनुमति रीगन फाउंडेशन से नहीं ली गई है। इसके लिए फाउंडेशन अपने कानूनी विकल्प तलाश रहा है।

उन्होंने आगे कहा,इस धोखाधड़ी का एकमात्र उद्देश्य यह था कि इसके जरिए यूएस का सर्वोच्च न्यायालय उन टैरिफों पर उनकी बचाव करेगा जिनका इस्तेमाल उन्होंने वर्षों से संयुक्त राज्य अमेरिका को नुकसान पहुँचाने के लिए किया है। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में ट्रंप ने कनाडा समेत तमाम देशों के ऊपर टैरिफ लगा दिए थे। इसमें से दीक्षा के ऊपर 25 फीसदी और ऊर्जा उत्पादकों पर 10 फीसदी का टैरिफ लगा दिया था। इसके जवाब में कनाडा ने भी जवाबी टैरिफ लगाया था। स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ के बाद, कनाडा ने अमेरिका से आयातित स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों के साथ-साथ औजारों, कंप्यूटर और सर्वर, डिस्प्ले मॉनिटर, खेल उपकरण और कच्चे लोहे के उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था।

क्या है पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का भाषण : कनाडा की तरफ से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के एक भाषण के कुछ अंशों का उपयोग करके टैरिफ के खिलाफ एक विज्ञापन तैयार किया गया है। एक मिनट के इस विज्ञापन में रीगन को टैरिफ विरोधी बातें करता हुआ सुना जा सकता है। जबकि रीगन द्वारा 1987 में दिए गए इस भाषण में वह सेमीकंडक्टर्स पर व्यापार विवाद के चलते जापानी इलेक्ट्रॉनिक्स पर लगाए गए 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने को उचित ठहराया था। वर्तमान में न्यूज मैक्स और ब्लूमबर्ग द्वारा प्रसारित किए गए इस विज्ञापन में रीगन को आयात पर लगाए जा रहे टैरिफ के दीर्घकालिक दुष्परिणाम बताते हुए सुना जा सकता है। रीगन ने कहा, उच्च टैरिफ अनिवार्य रूप से विदेशी देशों द्वारा प्रतिशोध और भयंकर व्यापार युद्धों को जन्म देते हैं। फिर सबसे बुरा होता है। बाजार सिकुड़ते और ढहते हैं, व्यवसाय और उद्योग बंद हो जाते हैं, और लाखों लोग अपनी नौकरी खो देते हैं।

बेसबॉल मैच के दौरान चलाया गया विज्ञापन : यह विज्ञापन कनाडा के ओंटारियो राज्य ने बनाया था। हालांकि ट्रम्प के नाराज होने के बाद ओंटारियो के प्रीमियर ने कहा था कि वे रविवार के बाद इस विज्ञापन को वापस ले लेंगे। इसी दौरान शुक्रवार को वर्ल्ड सीरीज के पहले गेम इस विज्ञापन को चलाया गया था।

इस घटना के एक दिन बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ बढ़ाने को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और कहा- कनाडा रंगे हाथों पकड़ा गया है, जिसने रोनाल्ड रीगन के टैरिफ पर दिए गए भाषण को लेकर एक फर्जी विज्ञापन चलाया। रीगन को राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था से जुड़े मकसद के लिए टैरिफ बहुत पसंद थे, लेकिन कनाडा ने कहा कि उन्हें पसंद नहीं थे। ट्रम्प ने आगे कहा, कनाडा को वह विज्ञापन तुरंत हटा देना चाहिए था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। जानते हुए कि यह एक धोखाधड़ी है, कल रात इसे वर्ल्ड सीरीज के दौरान चलने दिया गया। बता दें कि वर्ल्ड सीरीज अमेरिका और कनाडा में खेले जाने वाले बेसबॉल खेल की सालाना चैंपियनशिप सीरीज है। ट्रम्प के ऐलान के बाद अभी यह साफ नहीं कि वे इस एक्स्ट्रा टैरिफ को लगाने के लिए किस कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। व्हाइट हाउस ने इस बात की भी जानकारी नहीं दी है कि यह 10% एक्स्ट्रा टैरिफ किस तारीख से लागू होगा।

भारत पूरी तरह रूसी तेल की खरीद रोकेगा, डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दोहराया दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि भारत रूस से तेल की खरीद पूरी तरह बंद करने जा रहा है, जबकि भारत ने दोहराया है कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित है, न कि किसी बाहरी दबाव पर। शनिवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा आपने देखा होगा, चीन ने रूसी तेल की खरीद में काफी कमी की है और भारत पूरी तरह से इसे रोक रहा है। हमने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए हैं।

यह बयान उस समय आया है जब ट्रंप दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक और संसाधनों की पहुंच को लेकर तनाव लगातार बढ़ रहा है।

रूस से चीन के तेल सौदों को लेकर भी चर्चा : ट्रंप ने कहा कि वे रूस से चीन के तेल सौदों को लेकर भी चर्चा कर सकते हैं और उम्मीद जताई कि यह वार्ता पूरी तरह सौदा तय कर सकती है। इससे पहले भी ट्रंप कई बार इसी तरह का दावा कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि भारत ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह वर्ष के अंत तक रूसी तेल की खरीद बंद कर देगा। ट्रंप ने कहा था कि भारत

ने मुझे बताया है कि वे धीरे-धीरे इस प्रक्रिया को समाप्त कर रहे हैं। आप रातोंरात तेल खरीद बंद नहीं कर सकते। लेकिन साल के अंत तक यह लगभग शून्य के बराबर रह जाएगी।

भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह स्वतंत्र : हालांकि, भारत ने इस पर कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह स्वतंत्र है और इसका उद्देश्य सस्ती कीमतों पर स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। मंत्रालय की ओर से कहा गया कि भारत के ऊर्जा निर्णय उसके राष्ट्रीय हितों से प्रेरित हैं, न कि किसी बाहरी राजनीतिक दबाव से। भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद इसलिए कर रहा है ताकि घरेलू कीमतों को नियंत्रण में रखा जा सके और ऊर्जा आपूर्ति में स्थिरता बनी रहे।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला नाकाम, सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में तीन आतंकियों को किया ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर वजीरिस्तान जिले में एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बताया कि इस दौरान सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को ढेर कर दिया और आत्मघाती हमले की तैयारी में लगे वाहन को भी नष्ट कर दिया। आईएसपीआर द्वारा जारी बयान के मुताबिक, यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन जिले के झल्लर इलाके में चलाया गया था। सेना को खुफिया जानकारी मिली थी कि 'फितना अल-खवारिज' संगठन के आतंकी (जो प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान - टीटीपी से जुड़े हैं) एक बड़े आत्मघाती हमले की साजिश रच रहे हैं। बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने समय रहते कार्रवाई करते हुए उन आतंकियों को निशाना बनाया और विस्फोटक से भरे वाहन को उड़ाकर एक संभावित विनाशकारी हमले को टाल दिया। आईएसपीआर ने यह भी बताया कि क्षेत्र में अब भी क्लीन-अप और सर्च ऑपरेशन जारी है ताकि किसी भी अन्य छिपे आतंकी को पकड़ा जा सके। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी सेना के बयान में कहा कि 'अज़्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां पाकिस्तान से विदेशी समर्थित आतंकवाद के खात्मे तक कार्रवाई जारी रखेंगी। हमारे जवानों के बलिदान से हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है। हाल के महीनों में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में तेजी आई है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में। अधिकतर हमले पुलिस, सुरक्षा बलों और सरकारी ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। 2022 में ञ्जञ्जक्क द्वारा सरकार के साथ युद्धविराम समझौता तोड़ने के बाद से हमलों में भारी वृद्धि देखी गई है। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल अफरीदी ने दावा किया था कि प्रांत में आतंकवाद की पुनर्वापसी केंद्र सरकार की गलत नीतियों का नतीजा है। हालांकि, सत्ता में रही पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी सैन्य अभियानों का विरोध करती रही है, क्योंकि इनसे जन विस्थापन और नागरिकों की परेशानी बढ़ जाती है।

कमला हैरिस अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव फिर लड़ सकती हैं, कहा- अभी मेरी राजनीति खत्म नहीं हुई

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने फिर से राष्ट्रपति का चुनाव लड़ सकती हैं। बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में कमला ने कहा कि वे खुद को एक दिन राष्ट्रपति बनने की संभावना के रूप में देखती हैं। हैरिस ने कहा, मैं खत्म नहीं हुई हूं। उन्होंने कहा- मैंने पूरी जिंदगी लोगों की सेवा की है। यह मेरे रग-रग में है। मुझे यकीन है कि अमेरिका एक दिन एक महिला राष्ट्रपति को चुनेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह महिला राष्ट्रपति कमला हो सकती हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, शायद। कमला हैरिस ने उन सर्वेक्षणों को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्हें बहुत पीछे रखा गया है। उन्होंने कहा, अगर मैं जनमत सर्वेक्षणों को सुनती, तो मैं अपने पहले कार्यालय या अपने दूसरे कार्यालय के लिए नहीं दौड़ती, और मैं निश्चित रूप से यहां नहीं बैठी होती।

चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार : कमला हैरिस व्हाइट हाउस के लिए एक और चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार नहीं कर रही हैं। शनिवार को बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में हैरिस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में अमेरिका में एक महिला राष्ट्रपति बनेगी, और यह संभवतः वह हो सकती हैं।

2028 में चुनाव लड़ने पर क्या बोलीं : बीबीसी के साथ बातचीत में कमला हैरिस ने कहा कि मैं अभी खत्म नहीं हुई हूं। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उन्होंने अभी तक 2028 में चुनाव लड़ने का अंतिम फैसला नहीं किया है, लेकिन उन्होंने इस संभावना को खारिज भी नहीं किया। उन्होंने कहा, मैंने अपना पूरा करियर सेवाभाव से जिया है और यह मेरे अंदर बसा है। और सेवा करने के कई तरीके हैं।

उन्होंने कहा, मैंने कभी जनमत सर्वेक्षणों पर ध्यान नहीं दिया।

डोनाल्ड ट्रंप से हार का किया सामना : सितंबर में अपनी पुस्तक 107 डेज के विमोचन के बाद उन्होंने हाल ही में कई इंटरव्यू दिए हैं। इस किताब में उन्होंने उस दौर का जिक्र किया है, जब उन्होंने जो बाइडन के चुनाव से हटने के बाद 2024 में डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में उनकी जगह ली थी। हालांकि उस चुनाव में उन्हें रिपब्लिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले हफ्ते एसोसिएटेड प्रेस को दिए एक साक्षात्कार में 60 वर्षीय हैरिस ने यह भी स्पष्ट किया कि 2028 में फिर से चुनाव लड़ने पर अभी भी विचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह खुद को पार्टी के एक नेता के रूप में देखती हैं, जिसमें ट्रम्प के खिलाफ लड़ाई और 2026 के मध्यावधि चुनावों की तैयारी भी शामिल है। वहीं 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेट्स के बीच राजनीतिक होड़ सामान्य से भी पहले शुरू होती दिख रही है। कई संभावित उम्मीदवार पहले से ही प्रमुख राज्यों के मतदाताओं को जानने के लिए कदम उठा रहे हैं, जिनमें कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम, केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर और कैलिफोर्निया के प्रतिनिधि रो खन्ना शामिल हैं।

गाजा में इस्राइल का हवाई हमला, इस्लामिक जिहाद सदस्य को बनाया निशाना; अस्पताल में चार घायल लोग भर्ती

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में इस्राइल ने नुसेरात इलाके में हवाई हमला किया, जिसमें इस्लामिक जिहाद संगठन के एक सदस्य को निशाना बनाया गया। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से हुआ संघर्षविराम अब भी प्रभावी था। इस्राइली सेना ने अपने बयान में कहा कि उसने यह कार्रवाई एक सटीक और योजनाबद्ध स्ट्राइक के तहत की। सेना ने बयान में कहा कुछ देर पहले आईडीएफ (इस्राइली डिफेंस फोर्स) ने नुसेरात इलाके में एक इस्लामिक जिहाद आतंकवादी को निशाना बनाया, जो हमारे सैनिकों पर आसन्न हमला करने की योजना बना रहा था। चार लोग घायल, अस्पताल ने दी जानकारी

हमास-शासित क्षेत्र में स्थित अल-अवदा अस्पताल ने बताया कि नुसेरात कैंप में हुए हमले के बाद चार घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रशासन ने बयान जारी कर कहा अल-अहली क्लब क्षेत्र में एक नागरिक कार को निशाना बनाए जाने के बाद चार लोग घायल हुए हैं। दो सप्ताह से लागू है संघर्षविराम पिछले दो हफ्तों से हमास और इस्राइल के बीच संघर्षविराम लागू है। हालांकि, इस्राइल ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी भी हमले की स्थिति में अपने सैनिकों की सुरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार रखता है। इस हमले के बाद एक बार फिर से यह चिंता बढ़ गई है कि कहीं संघर्षविराम टूट न जाए और गाजा में हालात फिर से बिगड़ जाएं। इस्राइल की चेतावनीः खतरे खत्म होने तक कार्रवाई जारी रहेगी इस्राइली सेना ने कहा है कि वह गाजा में तब तक अभियान जारी रखेगी जब तक उसके सैनिकों के खिलाफ कोई तत्काल खतरा मौजूद है।इस्राइली सेना ने दोहराया कि हम गाजा में सभी खतरों को समाप्त करने और अपने नागरिकों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लगातार तनाव और अस्थिरता गाजा पट्टी लंबे समय से इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष का केंद्र बनी हुई है। इस्लामिक जिहाद जैसे उग्रवादी संगठन अक्सर सीमा पर रॉकेट हमले और घुसपैठ की कोशिश करते हैं। इस्राइल की ओर से की जाने वाली हवाई कार्रवाईयों में अक्सर नागरिकों की हताहतें भी होती हैं।

इस्राइल-ईयू की मुखर आलोचक, चुनाव में वामपंथी निर्दलीय प्रत्याशी; कौन हैं नई राष्ट्रपति कैथरीन कोनोली?

लंदन, एजेंसी। वामपंथी विचारधारा वाली निर्दलीय उम्मीदवार कैथरीन कोनोली ने आयरलैंड चुनाव में इतिहास रच दिया है। उन्होंने आयरलैंड के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है। वामपंथी स्वतंत्र उम्मीदवार कैथरीन कोनोली ने मध्य-दक्षिणपंथी पार्टी फाइन गेल की उनकी प्रतिद्वंद्वी हीथर हम्फ्रीज को भारी मतों से पीछे छोड़ दिया। शनिवार को मतगणना समाप्त होने से पहले ही हीथर ने हार स्वीकार कर ली थी।

आयरलैंड ने अपने इतिहास की तीसरी महिला राष्ट्रपति को चुना है। कैथरीन कोनोली को सिन फेन सहित आयरलैंड की वामपंथी पार्टियों का समर्थन प्राप्त था। ऐसे में जानिए कौन हैं कैथरीन कोनोली? जिन्होंने आयरिश राष्ट्रपति चुनाव जीता है।

पूर्व वकील और 2016 से संसद सदस्य : पूर्व बैरिस्टर कैथरीन कोनोली, जो 2016 से सांसद हैं, वो गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल की मुखर आलोचना करती रही हैं। उन्होंने रूस द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण के बाद यूरोपीय संघ के बढ़ते सैन्यीकरण के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने बेबाक विचारों से जनता के बीच पहचान बनाई है। हालांकि आयरलैंड में सैन्य तटस्थता की परंपरा रही है, लेकिन उनके आलोचकों का कहना है कि इससे देश के सहयोगियों के अलग-थलग पड़ने का खतरा है। नई राष्ट्रपति कैथरीन कोनोली अब

माइकल डी. हिगिंस की जगह लेंगी, जो 2011 से राष्ट्रपति हैं और उन्होंने अधिकतम दो बार सात-वर्षीय कार्यकाल पूरा किया है। वह आयरलैंड की 10वीं राष्ट्रपति और इस पद पर आसीन होने वाली तीसरी महिला होंगी।

वामपंथी झुकाव वाली स्वतंत्र उम्मीदवार : वामपंथी झुकाव वाली स्वतंत्र उम्मीदवार कोनोली को सिन फेन, लेबर पार्टी और सोशल डेमोक्रेट्स सहित कई वामपंथी दलों का समर्थन प्राप्त है। वहीं प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने शनिवार को कोनोली को उनकी बेहद व्यापक चुनावी जीत के लिए बधाई दी और कहा कि यह स्पष्ट है कि वह आयरलैंड की अगली राष्ट्रपति होंगी।

बता दें कि मार्टिन की फियाना फेल पार्टी के उम्मीदवार जिम गेविन के चुनाव से तीन हफ्ते पहले एक पुराने वित्तीय विवाद के कारण से हटने के बाद कोनोली और हम्फ्रीज ही एकमात्र दावेदार थे। आयरलैंड की सरकार के प्रमुख मार्टिन ने व्यक्तिगत रूप से गेविन का राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन किया था। हालांकि गेविन ने प्रचार करना बंद कर दिया था, लेकिन चुनाव से देर से हटने के कारण उनका नाम मतपत्र पर बना रहा।

ट्रम्प ने थाईलैंड-कंबोडिया शांति समझौते पर हस्ताक्षर कराए

कुआलालंपुर, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया ने रविवार को कुआलालंपुर में सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसमें मध्यस्थता की। ट्रम्प ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रम्प का बड़ा रोल था। इससे पहले ट्रम्प आज सुबह कुआलालंपुर एयरपोर्ट पर लैंड हुए। यहां मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रेड कार्पेट पर उनका स्वागत किया। इस दौरान ट्रम्प ने स्थानीय कलाकारों के साथ डांस भी किया। ट्रम्प 2017 के बाद पहली बार इस सम्मेलन में शामिल होंगे। वे आज मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

ट्रम्प बोले- थाईलैंड और कंबोडिया एक-दूसरे को पसंद करते हैं : मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि जिन दो देशों के साथ हम यह समझौता कर रहे हैंज वे वास्तव में एक-दूसरे को पसंद करते हैं। मैं इस तरह की स्थिति का आदी नहीं हूं। जब मैं ऐसे समझौते करता हूं, आमतौर पर बहुत दुश्मनी होती है। ट्रम्प ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बेहद सम्मान था, जिससे समझौते को आसान बनाने में मदद मिली। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच दुश्मनी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां स्थिति बहुत जटिल है।

समारोह में कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट, थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुरुतिन चार्नविराकुल, ट्रम्प और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम शामिल हुए। इससे पहले जुलाई में दोनों देशों की सीमा पर तनाव पांच दिन के हिंसक संघर्ष में बदल

गया था। इसमें दर्जनों नागरिक मारे गए और सैकड़ों हजार लोग अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर हुए थे।

थाईलैंड और कम्बोडिया शांति समझौते पर बोले ट्रम्प : राष्ट्रपति ट्रम्प ने मलेशिया में थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच होने वाले शांति समझौते के समारोह को संबोधित किया। यह बहुत रोमांचक है, क्योंकि हमने कुछ ऐसा किया जो कई लोग असंभव मानते थे। दो महान देश, लेकिन वे आपस में टकरा रहे थे। मैं इन दोनों साहसी नेताओं को बधाई देना चाहता हूँज जिन्होंने यह ऐतिहासिक कदम उठाया।

आसियान समिट कवर करने 3 हजार पत्रकार पहुंचे : आसियान समिट में लगभग 3 हजार मीडियाकर्मी शामिल हुए हैं। हालांकि इस समिट की सबसे अहम बैठकें बंद दरवाजों के पीछे आयोजित हो रही हैं। कुआलालंपुर में सुरक्षा कड़ी, हजारों पुलिसकर्मी तैनात कुआलालंपुर में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। शहर में हजारों पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। आज होने वाले कार्यक्रम की तैयारी में कई सड़कों और ट्रेन स्टेशनों को बंद कर दिया गया है। ऊपर से ड्रोन और हेलीकॉप्टर लगातार उड़ते दिखाई दे रहे हैं। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने एकता रखने की बात कही मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने आज आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान सभी नेताओं से एकजुट रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वैश्विक हालात तेजी से बदल रहे हैं, ऐसे समय में सदस्य देशों के बीच एकता और सहयोग बनाए रखना बेहद जरूरी है। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि संगठन की ताकत उसकी लचीलापन और साझा उद्देश्य में निहित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आसियान को स्थिर नहीं रहना चाहिए और बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना ही इसकी मजबूती का मूल मंत्र है।

लटकते पेट को सपाट कर देंगे पोषण से भरे ये 3 फ्रूट्स और ये एक योग

क्या आपका वजन बढ़ गया है, और अब उसे कम करना चाहते/चाहती हैं? ठीक है, तो इसके लिए आपको सबसे पहले ये देखना होगा कि आपका बॉडी मास इंडेक्स या बीएमआई क्या है। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मानकों के अनुसार सामान्य बीएमआई 23 से कम है, ओवरवेट 23 से ज्यादा है और 25 से ज्यादा बीएमआई वालों को मोटापे की श्रेणी में रखा गया है। अगर आपकी बीएमआई रेट सामान्य से अधिक है तो आपको इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। आपको अपना वजन कम करने के लिए प्रयास करना चाहिए। इसके लिए हम आपकी मदद कर सकते हैं।

वजन को कम करने के लिए सबसे पहले आपको अपने खानपान पर ध्यान देने की जरूरत है। आपको यह ध्यान रखना होगा कि आप कितनी मात्रा में कैलोरी ले रहे हैं। अगर आप अत्यधिक कैलोरी वाले फूड्स का सेवन करते हैं तो यह आपका वजन बढ़ाते हैं। ऐसे में आप अपने ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में हेल्दी फूड को शामिल करें। सुबह के नाश्ते में अंकुरित अनाज, ड्राई फ्रूट्स, पोहा, उत्तपम और फलों का सेवन जरूर करें। सुबह खाली पेट गुनगुना पानी या नींबू पानी शहद के साथ जरूर पिएं। लंच में भी दाल और सब्जी का सेवन करें। रोटी और चावल कम मात्रा में लें। दिन में स्नैक्स के तौर पर फल खाएं। रात का खाना हल्का रखें तले-भुने और जंक फूड से दूरी बनाएं। इसके अलावा यहां हम आपको 3 ऐसे फलों के बारे में बता रहे हैं जो आपका वजन कम करने में मदद करेंगे।

1. सेब

कैलोरी में कम और फाइबर से भरपूर होने के कारण सेब आपको प्रभावी रूप से वजन कम करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं वे तृप्ति भी बढ़ा सकते हैं और आपको अधिक खाने से भी रोक सकते हैं। एकेडमी ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, सेब फैट बर्न करने और भूख को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए भी जाना जाता है।

2. चकोतरा

विटामिन सी ये युक्त चकोतरा आपको एक वर्कआउट सेशन के वसा को कम करने में काफी मदद कर सकता है। इसके साथ ही, कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण, यह आपके रक्त में काफी धीरे-धीरे शर्करा छोड़ता है और वजन कम करने में मदद करता है। फूड साइंस और न्यूट्रीशन में प्रकाशित शोध के अनुसार, ग्रेपफ्रूट्स खाने से इंसुलिन नामक फैट-स्टोरेज हार्मोन के स्तर को कम किया जा सकता है। इसके अलावा, पानी से भरा हुआ, ग्रेपफ्रूट्स आपको लंबे समय तक तृप्त रख सकता है।

3. बेरीज

एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होने के कारण बेरीज सूजन को रोकता है, जो पहले से ही वजन बढ़ाने के साथ जुड़ा हुआ है। इतना ही नहीं यह आपके पेट को भी भरा रखता है। इसलिए आपको अधिक खाने से रोक सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बेरीज आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर और रक्तचाप को कम करने में भी काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

उत्तान पादासन

उत्तान पादासन बहुत ही आसान और अच्छा योगासन है। इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल मैट पर लेट जाएं। दोनों हथेलियों को जांघों के बराबर में रखें। अब दोनों पैरों के घुटनों, एड़ियों और अंगूठों को मिलाएं और टांगों को सीधी रेखा में तानकर रखें। अब सांस लेते हुए दोनों पैरों को 45 डिग्री पर ले जाएं। शुरुआत में ऐसा करना काफी दर्द भरा हो सकता है, लेकिन, धीरे-धीरे ये सही हो जाएगा। जैसे-जैसे पैर ऊपर उठते जाएं इसे 90 डिग्री तक ले जा सकते हैं। इस योगासन को करने से पहले स्ट्रचिंग व्यायाम जरूर कर लें। यह योग आपकी कमर, कुल्हों और जांघों की चर्बी को खत्म करने में मदद करेगा। इसके और भी कई फायदे हैं।

रेसिपी

सूजी पास्ता

सामग्री

- सूजी: 1 कप
- 1 टमाटर
- 11/2 शिमला मिर्च
- 1 गाजर
- 1 प्याज
- टोमैटो सॉस: 1 टेबलस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- हल्दी: 1/2 टीस्पून
- तेल
- पानी: 1 कप
- चाट मसाला: 1/2 टीस्पून
- हरा धनिया: 2 टेबलस्पून
- नमक: स्वाद के अनुसार
- सजावट के लिए धनियापत्ती

विधि

एक बर्तन में सूजी लें। इसमें नमक और 2 चम्मच तेल मिक्स कर लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंद लें और 10-15 मिनट रख दें। तय समय बाद देखेंगे तो सूजी फूल चुकी होगी, इसमें थोड़ा तेल डालकर हाथेलियों से मसल लें। अब आटे से छोटी-छोटी लोई तोड़कर मनचाहे आकार में डिजाइन दे दें। इसी तरह सारी लोई को पास्ता के डिजाइन में बना लें। अब एक बड़ी छलनी के ऊपर तेल लगाकर सारे पास्ता को रख दें। मीडियम आंच पर पैन में पानी गर्म होने रख दें। इस पर पास्ता वाली छलनी ढककर 15-20 मिनट रख दें। यानी हमें सूजी के पास्ता को स्टीम करना है। तय समय बाद गैस बंद कर दें और देखें कि सूजी के पास्ता पक चुके हैं। इन्हें निकालकर अलग रख दें। अब प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर और हरा धनिया बारीक काट लें। मीडियम आंच पर पैन में तेल गर्म करें। इसमें प्याज डालकर भून लें। अब शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर डालकर हल्का भून लें। अब टोमैटो सॉस डालकर 1-2 मिनट तक पका लें। इसमें हल्दी पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर मसाले को पका लें। अब पास्ता डालकर मिक्स कर लें। आंच बंद कर दें और धनियापत्ती से गार्निश कर लें। तैयार है स्वादिष्ट सूजी पास्ता।

हल्दी के लड्डू

सामग्री

- कच्ची हल्दी: 500 ग्राम
- गुड़: 500 ग्राम
- बारीक कटे (बादाम, काजू, किशमिश और पिस्ता): 1 कटोरी
- देसी घी: 2 टेबलस्पून

विधि

हल्दी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले हल्दी की गांठ को छील लें। हल्दी को कद्दूकस कर लें। आप चाहें तो बारीक पीस भी सकते हैं। इसके बाद पैन में एक चम्मच घी गर्म करें और इसमें हल्दी डालकर 4-5 मिनट तक चलाते हुए भून लें। जब हल्दी का पानी सूख जाए तो इसमें एक और चम्मच घी डालें। साथ ही बारीक कटे मेवे भी डालकर भून लें। पैन को आंच से उतार लें और इसें गुड़ को कद्दूकस करके मिला लें। गुड़ डालने के बाद तुरंत अच्छी तरह मिलाएं लड्डू तैयार करते जाएं। सारे मिश्रण से लड्डू तैयार कर एयरटाइट डिब्बे में रख लें। रात को एक लड्डू खाने के बाद एक गिलास दूध पीने से ठंड में काफी लाभ मिलता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2660

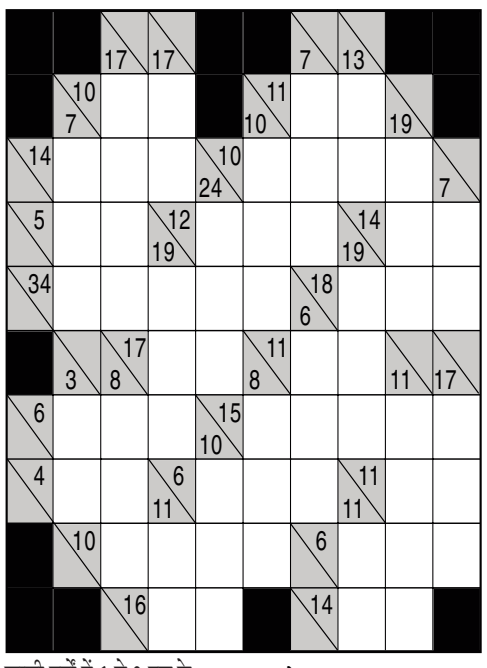

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

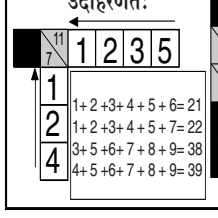

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2659 का हल

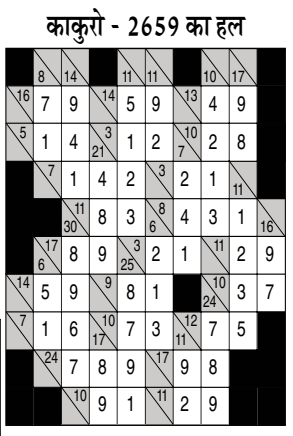

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), "सुनाओ दोस्त क्या हाल है?"

हरीश, "बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ."

राज, "मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है."

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, "जीजा जी, दीदी कैसी लगी?"

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, "मीडियम फास्ट."

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), "मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?" शारदा, "वह कैसे."

विजय लक्ष्मी, "मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया."

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2660

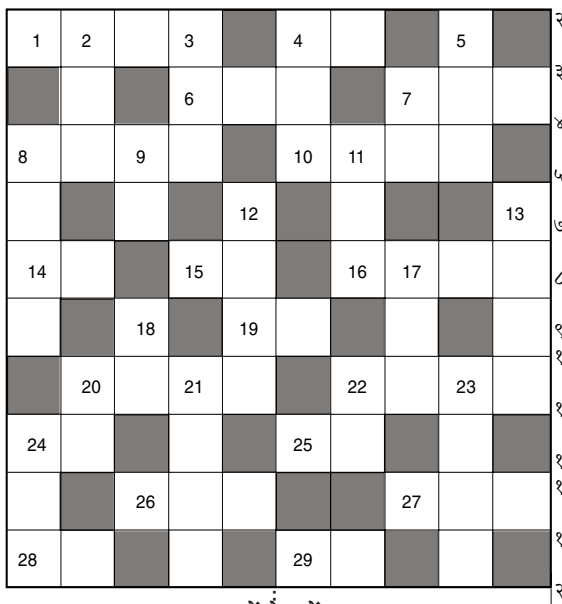

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2659

सूडोकु -2660

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2659 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 2660

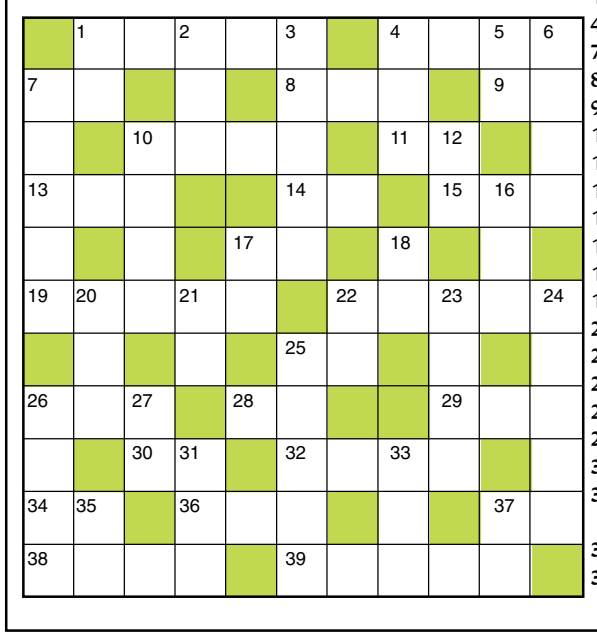

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -2659 का हल

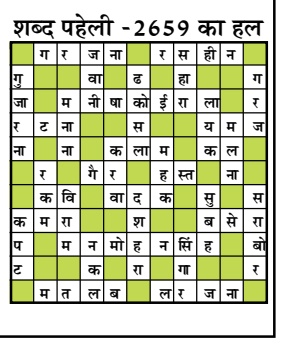

मप्र के मुख्यमंत्री ने 'नया भारत-हरा भारत' यात्रा को झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की बेटी अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही अंजना यादव को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित पैडल टू प्लांट कार्यक्रम 'नया भारत-हरा भारत' की यात्रा निकाल रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस यात्रा पर निकल रही अंजना यादव को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बताया गया कि पेडल टू प्लांट कार्यक्रम, नया भारत हरा भारत के अंतर्गत अंजना यादव और उनकी टीम के द्वारा अरुणाचल प्रदेश से गुजरात चार हजार किलोमीटर साइकिल से सफर तय किया जाएगा। इसके अंतर्गत वे भारत की संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश देंगी। अंजना यादव सरदार वल्लभभाई पटेल के एकीकृत, सशक्त और प्रगतशील भारत के दृष्टिकोण को भी प्रचारित करेंगी। गौरतबल है कि अंजना यादव रायसेन जिले के ग्राम सेमारी की रहने वाली हैं, जो पांच वर्षों से माउंटेनियर के रूप में सक्रिय हैं। अंजना अब तक 20 अंतरराष्ट्रीय पर्वतों पर चढ़ाई कर चुकी हैं। अब उनका अगला लक्ष्य विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट ऐवरेस्ट पर वर्ष-2026 में सफलता प्राप्त करना है।

उल्फा (आई) का कैडर गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश पुलिस और असम राइफल्स के एक संयुक्त अभियान में रविवार की सुबह अरुणाचल प्रदेश के नामसाई में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) के एक कैडर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी की पहचान अनुपम दोहोतिया उर्फ थाउसेन आसोम के रूप में हुई है, जो असम के तिनसुकिया जिले के बारेकुरी का रहने वाला है। अधिकारियों ने बताया है कि गिरफ्तार उल्फा (आई) कैडर बीते 17 अक्टूबर को असम के तिनसुकिया जिलांतर्गत काकोपाथर सेना शिविर पर हुए उल्फा (आई) के हालिया हमले में शामिल प्रमुख कैडरों में से एक है। सुरक्षा बलों ने उसके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया, जिसमें मुख्य रूप से एक एमक्यू राइफल, 151 राउंड ज़िंदा कारतूस, एक बोतल ग्रेनेड, एक राइफल ग्रेनेड शामिल है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी से अभी नामसाई पुलिस पूछताछ कर रही है ताकि इलाके में उग्रवादी संगठन के संभावित लिंक और भविष्य की योजनाओं का पता लगाया जा सके। अधिकारियों ने इस अभियान को असम-अरुणाचल सीमा पर उग्रवादी गतिविधि को रोकने को लेकर चल रही कोशिशों में एक रणनीतिक सफलता बताया है।

बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई, पंजाब बॉर्डर से ड्रोन, पिस्तौल और हेरोइन बरामद

अमृतसर। सीमा पार से होने वाली हथियार और नशे की तस्करी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब बॉर्डर पर चौकसी के दौरान कई अहम बरामदगियां की हैं। बीएसएफ के जवानों ने दो ड्रोन, दो पिस्टल और हेरोइन का पैकेट जब्त किया है। ये सभी बरामदगी फिरोजपुर और अमृतसर सेक्टर में अलग-अलग घटनाओं के दौरान हुई। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी, पंजाब फ्रंटियर के अनुसार, ये कार्रवाई सीमा पार से सक्रिय पाकिस्तानी तस्करों के नापाक इरादों पर तगड़ा वार है।पहली घटना में बीएसएफ की इंटेलिजेंस विंग से मिली सटीक सूचना के आधार पर, शनिवार को अमृतसर जिले के गांव दाओके के पास गश्त कर रहे सतर्क जवानों ने एक डीजेआई एआईआर 3 एस ड्रोन बरामद किया। यह ड्रोन टूटी हुई हालत में खेतों के पास मिला। इसी दिन शाम को दूसरी घटना में अमृतसर जिले के गांव कहांगढ़ के पास खेतों में बीएसएफ के जवानों ने एक और ड्रोन को मार गिराया। यह डीजेआई मैविक 3 क्लासिक मॉडल का ड्रोन था, जिसके साथ एक पिस्टल और एक मैगजीन बंधी हुई मिली। बताया जा रहा है कि ड्रोन के जरिये हथियारों की तस्करी की कोशिश की जा रही थी। इसी क्रम में, बीएसएफ की एक अन्य टीम ने फिरोजपुर बॉर्डर पर गुप्त सूचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान गांव बहादुरके के पास खेतों में से एक पिस्तौल, एक मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

श्रीमद् भागवत वियोग, गीता योग और रामचरितमानस प्रयोग शास्त्र है : अशोक भाई

भीलवाड़ा। कोटडी बाड़ीया के बालाजी मंदिर सवाईपुर रोड आज सत्संग के चौथे दिन प्रवचन करते हुए अशोक भाई ने बताया कि कथा भी माँ स्वरूपी है ! मन में तीनों देव समाहित है विष्णु, ब्रह्मा,महेश ! सतोगुण, तमोगुण, रजोगुण भी निहित है माँ में ! कथा समीक्षा, पोषण, पालन, कल्याण करने वाली है! कथा स्व दोषो का दर्शन कराती है इसलिए कथा मां का स्वरूप है ! सत्संग भाग्य से मिलता है कथा को सुनने के लिए देवगन भी तरसते हैं ? तुलसीदास जी कह रहे हैं कि मेरा एक दोष है वो में रामचरितमानस को देना चाहता हूं मेरा हल्कापन रामचरितमानस को दे देता हूं !श्रीमद् भागवत वियोग शास्त्र हैं, गीता योग शास्त्र है, रामचरितमानस प्रयोगशास्त्र है ! कर्म करने की भी इच्छा ना हो, कर्मफल की भी इच्छा ना हो, क्रिया, कर्म, लीला, फल की इच्छा-क्रिया, मन की इच्छा कर्म है, अभिमान नहीं जनहित का कार्य वह लीला है ! संत हमेशा क्रिया करते हैं, मनुष्य कर्म करता है, भगवान लीला करते हैं, रामचरितमानस हल्केपन में हैं इसे पढ़ने में आसानी है हम शरीर से स्वस्थ है लग रहे हैं लेकिन सांसारिक भोगों में लिप्त है ! मैना के रूप में जन्म होता है तप के बल से विष्णु पालन, तप के बल से ब्रह्मा जन्म देते हैं , तप के बल से शंकर संहार करते हैं ! भगवान के हाथों कामदेव की डोर थी हम पर कामदेव सवार रहता है ! भगवान भक्तों की भावना के अनुरूप सार्थकता पूर्ण करने पर दर्शन देते हैं भगवान बिना पैर, बिना हाथ, बिना चकसूओं, बिना रसना के रहित है ।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में 21 नक्सलियों ने 18 ऑटोमैटिक हथियारों के साथ किया समर्पण

एजेंसी

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सली संगठन के डीवीसीएम सेक्रेटरी मुकेश सहित 21 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर हथियारों के साथ समर्पण कर दिया। इनमें 8 पुरुष और 13 महिला नक्सली हैं। इन 21 कैडरों में 4 डीवीसीएम, 9 एसीएम और 8 पार्टी सदस्य कैडर के नक्सली शामिल हैं। यह सभी नॉर्थ सब जोनल ब्यूरो अंतर्गत केशकाल डिवीजन, कुएमारी, किसकोडो एरिया कमेटी में सक्रिय थे। इन 21 कैडरों ने 3 एके-47, 4 एसएलआर, 2 इंसास, 6 नग 303, 2 नग सिंगल शॉट और 1 बीजीएल लॉन्चर जैसे कुल 18 ऑटोमैटिक हथियार जमा किये हैं। दरअसल, 7 अक्टूबर को नक्सलियों के माड़ डिवीजन की तरफ से एक पर्चा जारी हुआ था, जिसमें कहा गया था कि 15 अक्टूबर को नक्सली

हथियार डालेंगे। इसके बाद 17 अक्टूबर को आधिकारिक रूप से सीसीएम रूपेश सहित कुल 210 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर जगदलपुर में डीजीपी, एडीजीपी, बस्तर आईजी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि केशकाल इलाके के कुछ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण नहीं किया है, लेकिन जल्द ही वे भी आत्मसमर्पण कर लेंगे। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पाटलिंगम ने कहा कि आज इन 21 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने के बाद माड़ डिवीजन, इंद्रावती एरिया कमेटी, उत्तर बस्तर डिवीजन लगभग पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो गया है।

पिछले 10 दिन में बस्तर में ही 231 नक्सलियों ने हथियार के साथ हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सली लीडर भूपति समेत 61 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा और हथियार डाल दिए। इस तरह पिछले 15 दिनों के अंदर इन दोनों जगहों पर कुल 292 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

भारत-पाकिस्तान 1971 युद्ध के हीरो गोविंद सिंह खनका का निधन

एजेंसी

देहरादून। पिथौरागढ़ जनपद मुख्यालय के निकट ग्यारह देवी गांव में पूर्व सैनिक गोविंद सिंह खनका का हृदय गति रूकने से निधन हो गया। वे 76 वर्ष के थे। खनका ने वर्ष 1971 के पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सन 1949 में जन्मे गोविंद सिंह भारतीय सेना की आर्मी सप्लाई कोर पर 1970 पर चयनित हुए थो। 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी। इसके साथ-साथ उन्होंने अति दुर्गम लेह, पंजाब, नॉर्थ ईस्ट असम, तथा जम्मू एवं कश्मीर में भी अपनी सेवाएं दी थीं। गोविंद सिंह खनका के निधन की खबर मिलते ही उनके मिलनसार स्वभाव के कारण पूर्व सैनिकों और आम जनमानस पर शोक की लहर छा गई। सामाजिक गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहने तथा हर एक सैन्य कार्यों पर वह सक्रिय रूप से अग्रणी रहते थे। दिवंगत पूर्व सैनिक की अंतिम यात्रा में जन सैलाब उमड़ पड़ा तथा लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी गई। गोविंद सिंह की असाधारण क्षमता के कारण उन्हें सेना की हैवी व्हीकल का हीरो कहा जाता था। वह आर्मी हैवी व्हीकल कोर्स क्वालिफाइड थे। वर्ष 1985 में सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने जनपद सेना मुख्यालय के साथ कार्य करते हुए हैवी व्हीकल को चलते हुए सेना को सहयोग किया था। खनका की अंतिम यात्रा में पूर्व सैनिक संगठन की ओर से तिरंगा समर्पित करते हुए उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर अंतिम सलामी दी गई।पुरुष सैनिक संगठन के गुरुना क्षेत्र संयोजक कैप्टन उमेश फुलेरा ने पूर्व सैनिकों की ओर से उनके परिवार को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। कैप्टन सुंदर सिंह खड़ायत ने उन्हें पुष्प चक्र अर्पित किया।

उत्तराखंड: पिछले तीन साल में 23 करोड़ से अधिक पहुंचे पर्यटक

एजेंसी

देहरादून। धामी सरकार के प्रयासों से उत्तराखंड में पर्यटन-तीर्थाटन लगातार बढ़ रहा है। उत्तराखंड में तीन साल में 23 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं। इससे होम स्टे, होटल, ढाबा संचालकों, महिला स्वयं सहायता समूहों से लेकर परिवहन कारोबारियों तक की आजीविका को सहारा मिला है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पर्यटन उत्तराखंड की आर्थिकी आधार है। पर्यटन- तीर्थाटन का लाभ सीधे तौर पर स्थानीय लोगों को मिलता है। इसलिए सरकार वर्षभर पर्यटन-तीर्थाटन गतिविधियों को जारी रखने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरों से उत्तराखंड में तीर्थाटन- पर्यटन को बल मिला है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक उत्तराखंड में बीते तीन साल में 23 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं। खास बात यह है कि उत्तराखंड का पर्यटन अब बहुआयामी हो चला है, पर्यटक बड़े शहरों और चुनिंदा हिल स्टेशन तक ही सीमित नहीं बल्कि दूर दराज के छोटे छोटे पर्यटक स्थलों तक भी पहुंच रहे हैं। इसी के साथ राफ्टिंग, ट्रैकिंग, बंजी जम्पिंग, पर्वतारोहण जैसी साहसिक गतिविधियों में भी देश ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटकों की भी भागीदारी बढ़ी है। इससे पर्यटन का लाभ प्रदेश के

लाखों लोगों तक प्रत्यक्ष तौर पर पहुंच रहा है, इसमें होटल, रेस्टोरेंट, होमस्टे संचालक, परिवहन कारोबारी, महिला स्वयं सहायता समूह शामिल है। प्रदेश में इस समय छह हजार अधिक होम स्टे संचालक सीधे तौर पर बढी हुई पर्यटन गतिविधियों के सीधे लाभार्थी बनकर उभरे हैं। प्रदेश में तीर्थाटन गतिविधियां भी काफी बढ़ गई है। इस वर्ष अब तक चारधाम यात्रा में ही तीर्थयात्रियों की संख्या 50 लाख को छू रही है। केदारनाथ, यमुनोत्री पैदल मार्ग पर इस साल 4300 से अधिक घोड़े- खच्चर संचालकों ने अपनी सेवाएं दी। प्रदेश सरकार अब शीतकालीन यात्रा को भी बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा से भी पिथौरागढ़ के सीमांत क्षेत्र में तीथार्टन, पर्यटन तेजी से बढ़ा है।

सीरिया के आइएसआइएस हैंडलर के संपर्क में था यूपी के एटा का अदनान

एजेंसी

आगरा। दीपावली पर्व पर आतंकवादी हमला करने की योजना बनाने के आरोप में गिरफ्तार दो लोगों में एक उत्तर प्रदेश के एटा का रहने वाला है। आरोप है कि दोनों सीरिया में मौजूद आइएसआइएस हैंडलर अबू इब्राहिम अल-कुरैशी के संपर्क में थे। दरअसल, हाल ही में दिल्ली पुलिस विशेष प्रकोष्ठ ने आतंकी गतिविधियों में लिप्त आईएसआईएस से जुड़े दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया था। यह लोग दिवाली पर्व के दौरान आतंकवादी हमला करने की योजना बना रहे थे। इसमें से दिल्ली से और एक भोपाल से दबोचा था।

दक्षिण दिल्ली से गिरफ्तार 19 वर्षीय आतंकी अदनान उत्तर प्रदेश के जनपद एटा के किदवई नगर मोहल्ले का निवासी है। आरोप है कि दोनों सीरिया में मौजूद आइएसआइएस हैंडलर अबू इब्राहिम अल-कुरैशी के संपर्क में थे। अदनान ने वर्ष 2022 तक एटा में रहकर ही माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा ली थी। अदनान के पिता सलीम, जो की एक बड़े मीडिया हाउस में ड्राइवर बताये गए हैं, का ट्रांसफर दिल्ली हो जाने के बाद

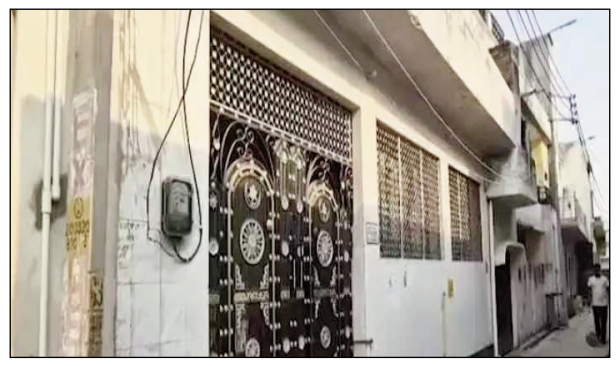

अदनान अपनी मां अंजुम के साथ वर्ष 2022 में ही दिल्ली आ गया। बताया गया है कि अदनान दिल्ली में डाटा कंप्यूटर डाटा एंट्री में डिप्लोमा कर रहा है। 2022 तक अदनान एटा कोतवाली नगर क्षेत्र स्थित किदवई नगर में अपने मकान 'अंजुम विला' में रहता था। मौजूदा में एटा स्थित अदनान के मकान में ताला लगा हुआ है। एटा के किदवई नगर में उसके पड़ोसी मोहम्मद अदनान ने बताया कि अदनान एटा में ज्यादातर अपनी पढ़ाई और नमाज के लिए ही बाहर निकलता था। अधिकांश समय घर पर ही रहता था और खाली वक्त में मोबाइल पर गेम खेलता था। पढ़ाई में अच्छा है, वह किस तरह ऐसी गतिविधियों में जुड़ गया, इसकी जानकारी नहीं है।

खेल शरीर को स्वस्थ भी बनाते हैं और आनंद और उल्लास से भी भरते हैं : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

विदिशा। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शरीर को स्वस्थ बनाने में खेलों का अपना एक अलग महत्व है। खेल शरीर को स्वस्थ भी बनाते हैं और आनंद और उल्लास से भी भरते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की मंशा अनुरूप सांसद खेल महोत्सव का आयोजन संसदीय क्षेत्र में किया जा रहा है। यह खेल महोत्सव 30 अक्टूबर से शुरू होगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री मध्य प्रदेश के विदिशा में पत्रकार वार्ता में सांसद खेल महोत्सव की जानकारी दे रहे थे। उन्होंने बताया कि विदिशा के खेल स्टेडियम परिसर में खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख भाई मांडविया, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और क्रिकेट खिलाड़ी व देश के गौरव कपिल देव विदिशा आएंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि सांसद खेल

प्रतियोगिता में ग्राम पंचायत स्तर पर भी प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिसमें रस्सा कसी, कुर्सी दौड़ और चम्मच दौड़ इत्यादि खेल प्रतियोगिताएं शामिल होंगी। साथ ही संसदीय क्षेत्र स्तर पर क्रिकेट, कबड्डी, टेनिस बॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा। संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाली टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा। संपूर्ण संसदीय क्षेत्र में खेलों के प्रति जागरूकता और रुझान बढ़े, इसके लिए टॉर्च रैली भी निकाली जाएगी। चार खेल लोकल स्तर पर आयोजित होंगे, जिनमें विदिशा में फुटबॉल, खातेगांव में कुश्ती, इछावर में खो-खो और मंडी दीप में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय स्तर पर किया जाएगा। पत्रकारवार्ता में विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, हरिसिंह सप्रे, मुकेश टण्डन व हरिसिंह रघुवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तोरण सिंह दांगी, महाराज सिंह दांगी, राकेश जादौन, बाबूलाल ताम्रकार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोड़िया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर किया गया

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम मिटाकर अब छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन कर दिया गया है। इस स्टेशन का कोड सीपीएसएन तय किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से इस स्टेशन का नाम बदलने की मंजूरी मिली थी। यह स्टेशन दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ डिवीजन के अंतर्गत आता है। मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि नाम परिवर्तन की औपचारिक प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही सभी प्लेटफॉर्म संकेतक, समय सारणी, टिकटिंग सिस्टम और डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड पर नया नाम दिखाई देने लगेगा। इससे पहले मध्य

रेलवे ने शनिवार को घोषणा की थी कि औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम अब छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन होगा। रेलवे स्टेशन का नया कोड ' सीपीएसएन ' तय किया गया है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र सरकार ने 2022 में औरंगाबाद का नाम बदलने की मंजूरी दी थी, लेकिन रेलवे स्टेशनों के नाम बदलने की प्रक्रिया में केंद्रीय मंत्रालयों की अनुमति और कई प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करनी होती हैं। शनिवार को यह सभी प्रक्रियाएं पूरी हो गई और आज स्टेशन का नामकरण छत्रपति संभाजी नगर कर दिया गया। हालांकि, राज्य सरकार के फैसले को बॉम्बे उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई थी। लेकिन दोनों जगह इन फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था।

डंकी रूट से गए कैथल के 14 युवकों को अमेरिका ने किया डिपोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। पैसे कमाने की चाहत में डंकी रूट से अमेरिका गए हरियाणा के कैथल जिला के 14 युवकों को अमेरिका ने डिपोर्ट कर दिया है। कैथल पुलिस सभी युवाओं को लेकर यहां पहुंची।

पुलिस ने कई घंटे की जांच तथा कागजी कार्रवाई के बाद अमेरिका से लौटे युवाओं को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। सभी युवक 'डंकी रूट' के माध्यम से अमेरिका पहुंचे थे। इनमें से कुछ युवक कई-कई साल से अमेरिका में रह रहे थे, जबकि कुछ युवक कुछ महीने पहले ही वहां गए थे।

इनमें से कुछेक को अमेरिका में पकड़े जाने के बाद डेढ़ साल तक जेल में रखा गया था। सभी युवाओं की उम्र 25 से 40 वर्ष के बीच है। इनमें ज्यादातर ऐसे हैं जिन्होंने विदेश जाकर पैसे कमाने के चक्कर में अपनी जमीन बेच दी तो किसी के परिवार ने जमीन गिरवीं रखकर पैसा उधार लिया। इसके बावजूद यह नौजवान अमेरिका में सेटल नहीं हो सके और ट्रंप सरकार ने डंकी रूट के आधार पर सभी को वापस भेज दिया है। कैथल के डीएसपी ललित यादव के अनुसार, दिल्ली एयरपोर्ट से रिसीव करके सभी को कैथल पुलिस लाइन में लाया गया। डिपोर्ट किए गए

युवकों में तारागढ़ निवासी नरेश कुमार, पीडल निवासी कर्ण, अग्रसेन कॉलोनी निवासी मुकेश, कैथल निवासी ऋतिक, जडोला निवासी सुखबीर सिंह, हाबड़ी निवासी अमित व दमनप्रीत, बुच्ची निवासी अभिषेक, बात्ता निवासी मोहित, पबनावा निवासी अशोक कुमार, सेरधा निवासी आशीष, सिसला निवासी प्रभात तथा ढांड निवासी सतनाम सिंह शामिल हैं। इनमें से कई युवक 5 से 7 साल तक अमेरिका में रह रहे थे, वहीं कुछ युवक हाल ही में गए थे और पकड़े जाने के बाद से जेल में बंद थे। बताया गया कि इन युवकों को दिल्ली लाने तक हाथ और पैरों में बेडियां लगाई गई थीं। डीएसपी ललित यादव ने बताया कि सभी युवक डंकी रूट के माध्यम से अमेरिका में घुसे थे, जिसे अमेरिका की सरकार ने अवैध मानते हुए उन्हें वापस भेज दिया। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी भी युवक ने उन एजेंटों के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं करवाई है, जिन्होंने उन्हें गलत तरीके से विदेश भेजा था।

प्रधानमंत्री 9 नवंबर को नवनिर्मित सैन्यधाम का करेंगे उद्घाटन

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 नवंबर को देहरादून के गुनियाल गांव में नवनिमर्मित सैन्य धाम का उद्घाटन करेंगे। यह सैन्य धाम उत्तराखंड के बलिदानी सैनिकों को समर्पित है। इसके लिए बलिदानियों के घरों की मिट्टी एकत्र की गई थी।उक्त जानकारी देते हुए सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि लंबा इंतजार का समय खत्म हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट बनकर तैयार हो चुका है। प्रदेश के बलिदानी सैनिक और उनके परिवारों को समर्पित यह सैन्य धाम राज्य के चारों धामों की भांति लोगों की जनभावना से जुड़ेगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड में सैन्यधाम का निर्माण कराने की घोषणा की थी। दिसंबर 2021 में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसका शिलान्यास किया था। अब यह सैन्यधाम बन कर तैयार हो गया है। देश का पहला सैन्य धाम का निर्माण गुनियाल गांव की चार हेक्टेयर भूमि पर किया गया है। इस पर 91 करोड़ 26 लाख रुपये खर्च किए गए।

मप्र के भोपाल में ऑटो ड्राइवर ने दी तीन लोगों को नई जिंदगी, अंगदान से मिला जीवन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एम्स के तीन ऑपरेशन थिएटरों में एक साथ जिंदगी और मौत की कहानी लिखी गई। यहां 37 वर्षीय ऑटो चालक की ब्रेन डेड घोषित होने के बाद परिवार ने उसके दिल और दोनों किडनियां दान करने का फैसला लिया। सुबह 4 बजे तीन ऑपरेशन थिएटरों (ओटी) में एक साथ यह भावनात्मक और जटिल प्रक्रिया शुरू हुई। एक ओटी में डॉक्टरों ने युवक के शरीर से दिल और किडनियां निकालीं, वहीं दूसरे में इन्हीं अंगों से किसी की धड़कन और किसी की उम्मीद फिर से चल पड़ी। अब उसी युवक का दिल 40 वर्षीय महिला के सीने में धड़क रहा है, जबकि दोनों किडनियां अलग-अलग मरीजों को नई जिंदगी दे रही हैं। एक किडनी एम्स में प्रत्यारोपित हुई और दूसरी को बंसल अस्पताल ग्रीन कॉरिडोर से पहुंचाया गया। अंगदान करने वाले युवक के भाई भारत पाटिल ने बताया कि मेरा भाई सोते समय बिस्तर से गिरा था, जिससे उसके सिर पर चोट आई। हम उसे लेकर 21 अक्टूबर को सीधे एम्स आए थे। लंबे इलाज के बाद डॉक्टर ने

बताया कि वे ब्रेन डेड हो चुके हैं। हमारे पूरे परिवार ने तय किया कि हमारा भाई तो नहीं बच सकता, लेकिन वह जाते-जाते तीन लोगों को नया जीवन और किसी के जीवन में रोशनी भरने का काम कर सकता है। इसलिए हमने डॉक्टरों की सलाह अंगदान के लिए मंजूरी दी। अंगदान से लेकर ट्रांसप्लांट की पूरी प्रक्रिया में सबसे अहम भूमिका कोऑर्डिनेटर दिनेश मीणा ने निभाई। एम्स भोपाल में यह दूसरी बार है, जब एक ब्रेन डेड मरीज तीन लोगों की जिंदगी बचाने का जरिया बना। डॉक्टरों की टीम पूरी रात से तैयारी में जुटी रही। जैसे ही घड़ी में 4 बजे जीवनदान की यह जटिल प्रक्रिया शुरू हुई। एम्स में ही दूसरी तरफ दो ऑपरेशन थिएटर में दो मेजर सर्जरी हुईं। एक मरीज में हार्ट ट्रांसप्लांट किया तो वहीं दूसरे मरीज में किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया की गई। वहीं, एक किडनी ट्रांसप्लांट बंसल अस्पताल भेजी गई। भोपाल एम्स में अंगदान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंगदाता को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी गई। एम्स मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. विकास गुप्ता ने बताया कि 37 वर्षीय युवक कुछ दिन पहले हेड इंजरी के साथ एम्स भोपाल में भर्ती किया गया था। इलाज के दौरान उसका ब्रेन रिस्पॉन्स पूरी तरह बंद हो गया। ऐसे में परिवार की सहमति मिलने पर डॉक्टरों ने पहले सभी रिवर्सिबल कारण जैसे दवा, शॉक और हाइपोथर्मिया को दूर किया। इसके बाद चार डॉक्टरों की टीम ने 6 घंटे के अंतराल पर दो बार जांच की। टीम ने पुतली, कॉर्नियल, गग, कफ, ऑकुलोसेफेलिक, ऑकुलोवेस्टिब्युलर और श्वसन (एपनिया) रिफ्लेक्स की जांच की। सभी रिफ्लेक्स अनुपस्थित पाए गए और एपनिया टेस्ट पॉजिटिव आया।

कोलकाता में 28 अक्टूबर को प्रवासी राजस्थानी मीट, मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल करेगा संवाद

एजेंसी

जयपुर। कोलकाता के प्रवासी राजस्थानी समुदाय से प्रभावी संवाद स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 28 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता जायेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'प्रवासी राजस्थानी मीट' का आयोजन किया जाएगा और प्रवासी राजस्थानियों को 10 दिसंबर 2025 को जयपुर में आयोजित होने वाले प्रथम 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के लिए आमंत्रित भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल प्रवासी राजस्थानियों, औद्योगिक समूहों, व्यवसायियों और उद्यमियों को राज्य के विकास में सक्रिय योगदान के लिए आमंत्रित करेगा। इस दौरान टेक्सटाइल एवं होजरी, केमिकल तथा खनिज जैसे विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में कार्यरत व्यावसायिक और औद्योगिक समूहों के प्रमुखों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी आयोजित होंगी। उल्लेखनीय है कि प्रवासी राजस्थानी मीट राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने, सहभागिता को सुदृढ़ बनाने, राजस्थान और उसके वैश्विक प्रवासी समुदाय के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने तथा राज्य की विकास यात्रा में उनकी निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों की कड़ी में यह तीसरा कार्यक्रम है जो कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले हैदराबाद और सूरत में आयोजित प्रवासी राजस्थानी मीट्स के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को राज्य में नए अवसरों की संभावनाएं तलाशने के लिए प्रेरित किया था। इन कार्यक्रमों में उन्होंने प्रवासी राजस्थानी समुदाय के योगदान की सराहना करने के साथ ही राज्य के समावेशी एवं सतत् विकास के लिए उन्हें पूरा सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की थी।

प्रवासी राजस्थानी मीट के प्रतिनिधिमण्डल में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, ग्रामीण विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता, राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ मनीषा अरोड़ा, ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के आयुक्त सुरेश कुमार ओला तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। यह मीट कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित की जा रही है, जो 'प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025' का इवेंट इंडस्ट्री पार्टनर है। 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने जा रहा 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' राज्य सरकार की एक प्रमुख पहल है।

अश्विन के बाद अब बीबीएल में दिखेंगे रोहित और विराट, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दिए बड़े संकेत

सिडनी (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया की सरजमी पर शायद आखिरी बार वनडे मैच खेला। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे वनडे में दोनों ने मिलकर 168 रनों की नाबाद साझेदारी कर भारत को 9 विकेट से शानदार जीत दिलाई। रोहित ने शतक जड़ा, जबकि कोहली 74 रन बनाकर नाबाद रहे।

अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या दोनों भारतीय दिग्गज भविष्य में बिग बैश लीग (BBL) में खेलते नजर आएंगे? दरअसल, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने संकेत दिया है कि BBL भविष्य में भारतीय सितारों के लिए अपने दरवाज़े खोल सकता है। हाल ही में रविचंद्रन अश्विन के सिडनी थंडर से जुड़ने के बाद इस चर्चा ने और ज़ोर पकड़ लिया है।

ग्रीनबर्ग ने कहा, 'हमें लगता है कि निकट भविष्य में यह संभव है। अश्विन का जुड़ना हमारे लिए बड़ा पल है और यह दिखाता है कि भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी BBL को कितना मज़बूत बना सकती है।'

उन्होंने यह भी बताया कि अगर लीग में प्राइवेट इन्वेस्टमेंट (निजी निवेश) की अनुमति मिलती है, तो इससे BBL के पास इतनी आर्थिक क्षमता होगी कि वह कोहली और रोहित जैसे सुपरस्टार्स को आकर्षित कर सके।

फिलहाल यह एक रणनीतिक योजना है, कोई पक्का ऐलान नहीं। लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की यह सोच दर्शाती है कि भविष्य में भारतीय दिग्गजों को BBL में देखने का सपना शायद हकीकत बन जाए। अश्विन का उदाहरण अब एक 'मॉडल केस' बन गया है, जिससे पता चलता है कि रिटायरमेंट के बाद भारतीय खिलाड़ी विदेशी लीग्स में उतर सकते हैं।

पीवी सिंधु ने चोट के कारण 2025 सीजन किया समाप्त, अगले साल करेंगी दमदार वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी. वी. सिंधु ने पैर की चोट से पूरी तरह उबर न पाने के कारण 2025 बीडब्ल्यूएफ टूर के शेष सभी टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। सिंधु ने बताया कि उन्होंने यह फैसला अपने सपोर्ट स्टाफ और मशहूर खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारडीवाला से लंबी चर्चा के बाद लिया।

सिंधु ने कहा, 'अपनी टीम और डॉ. पारडीवाला की सलाह से हमने तय किया कि 2025 सत्र के बाकी टूर्नामेंट से हटना मेरे लिए सही रहेगा। यूरोप दौरे से पहले लगी पैर की चोट पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। हालांकि यह फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन चोटें हर खिलाड़ी के सफर का हिस्सा होती हैं। ये हमारे धैर्य और जज़्बे की परीक्षा लेती हैं, पर हमें और मजबूत भी बनाती हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि वह वर्तमान में रिकवरी और ट्रेनिंग पर ध्यान दे रही हैं, जिसमें डॉ. वेन लोम्बार्ड, निशा रावत, चेतना और कोच इरवांश्या लगातार उनकी मदद कर रहे हैं। सिंधु ने कहा, 'मेरी टीम का विश्वास मुझे हर दिन नई ताकत देता है। मैं आभारी हूं और पहले से कहीं ज्यादा प्रेरित महसूस कर रही हूं।'

सिंधु ने अपने प्रशंसकों और समर्थकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह जनवरी 2026 में कोर्ट पर वापसी करने की उम्मीद रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आप सबके प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। यह सफर यहीं खत्म नहीं होता,जल्द ही फिर शुरुआत होगी।' पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद, सिंधु के लिए 2025 का सीजन चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने चाइना मास्टर्स सुपर 750, इंडिया ओपन सुपर 750 और विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया, लेकिन निरंतरता हासिल नहीं कर पाई।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज से पहले रणजी मैदान में लौटे जायसवाल, इस टीम में हुई वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल एक बार फिर घरेलू क्रिकेट में मैदान पर उतरने को तैयार हैं। वे मुंबई टीम की ओर से राजस्थान के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2025 मुकाबले में खेलेंगे, जो 1 नवंबर से जयपुर में शुरू होगा। यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज से पहले जायसवाल के लिए अहम माना जा रहा है।

जायसवाल की पिछली अंतरराष्ट्रीय पारी वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में अहमदाबाद और नई दिल्ली में रही थी। वहीं, उन्होंने आखिरी बार घरेलू क्रिकेट में जनवरी 2025 में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मुंबई के लिए खेला था।

जानकारी के अनुसार, यशस्वी ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) को सूचित किया है कि वे अगले रणजी मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। बीसीसीआई के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, राष्ट्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को जब वे टीम इंडिया के साथ नहीं होते, तो घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेना आवश्यक होता है। इसी कारण जायसवाल अब जयपुर में मुंबई टीम से जुड़ेंगे, जो 30 अक्टूबर तक पहुंचने वाली है।

सिर्फ इतना ही नहीं, जायसवाल ने मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन (MSSA) के लिए भी सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने हैरिस और गाइल्स शील्ड फाइनल के लिए 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' पुरस्कार को प्रायोजित करने का निर्णय लिया है। MSSA के एक अधिकारी ने कहा, 'यशस्वी ने खुद पहल करते हुए कहा कि वह मुंबई क्रिकेट को वापस कुछ देना चाहते हैं। हम उनके इस कदम का स्वागत करते हैं।'

टेस्ट क्रिकेट में जायसवाल का अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से उन्होंने 26 टेस्ट मैचों में 2428 रन बनाए हैं, जिसमें एक नाबाद दोहरा शतक, 7 शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। इस सीरीज से पहले जायसवाल का रणजी अभ्यास उनके फॉर्म और आत्मविश्वास दोनों के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है।

'ईमानदारी से कहूं तो...', सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी फॉर्म पर गंभीर ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म से परेशान नहीं हैं क्योंकि जब टीम बहुत अधिक आक्रामक क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करती है तो 'विफलताएं मिलती हैं'। भारत ने पिछले महीने-श्व में सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप टूर्नामेंट जीता था लेकिन भारतीय कप्तान की बल्लेबाजी फॉर्म कुछ खास नहीं रही क्योंकि वह सात पारी में सिर्फ 72 रन बना पाए। हालांकि मुख्य कोच ने सूर्यकुमार का समर्थन किया है।

गंभीर ने 'जियो हॉटस्टार' पर चर्चा के दौरान कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो सूर्यकुमार की बल्लेबाजी फॉर्म से मैं चिंतित नहीं हूं क्योंकि हमने अपने ड्रेसिंग रूम में बहुत अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। जब आप इस सोच को अपनाते हैं तो विफलताएं तो होती हैं। सूर्यकुमार के लिए 30 गेंद पर 40 रन बनाना और आलोचना से बचना आसान होता लेकिन हमने मिलकर तय किया है कि इस तरीके को अपनाते हुए विफल होने में कोई समस्या नहीं है।''

जब सूर्यकुमार बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे थे तब अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों ने अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से टूर्नामेंट में धूम मचा दी। गंभीर ने कहा कि उनका ध्यान किसी एक खिलाड़ी पर नहीं बल्कि पूरी टीम पर है। उन्होंने कहा, 'अभी अभिषेक शर्मा अच्छी फॉर्म में हैं और उन्होंने पूरे एशिया कप में इसे बनाए रखा। जब सूर्या लय में आ जाएंगे तो वह उसी हिसाब से जिम्मेदारी उठाएंगे।''

गंभीर ने कहा, 'टी20 क्रिकेट में हमारा ध्यान व्यक्तिगत रनों पर नहीं बल्कि उस तरह के क्रिकेट पर होता है जैसा हम खेलना चाहते हैं। हमारी आक्रामक शैली में बल्लेबाज अधिक बार विफल हो सकते हैं लेकिन आखिर में रन से अधिक प्रभाव मायने रखता है।' गंभीर ने इस दौरान निडर टीम संस्कृति बनाने के अपने विजन और सूर्यकुमार के साथ अपनी साझेदारी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'सूर्यकुमार एक बेहतरीन इंसान हैं और अच्छे इंसान अच्छे नेतृत्वकर्ता बनते हैं। वह मेरी काफी सराहना करते हैं लेकिन मेरा काम बस खेल को समझने के अपने तरीके के आधार पर उन्हें सही सलाह देना है। आखिरकार यह उनकी टीम है।''

गंभीर ने कहा, 'उनका आजाद ख्यालों वाला स्वभाव टी20 क्रिकेट के सार से पूरी तरह मेल खाता है। यह आजादी और खुद को जाहिर करने के बारे में है। सूर्या ने पिछले डेढ़ साल में इस माहौल को शानदार ढंग से बनाए रखा है।' उन्होंने कहा, 'हमारी पहली बातचीत से ही हम सहमत थे कि हमें हारने का डर नहीं होगा। मेरा मकसद सबसे सफल कोच बनना नहीं है। मैं चाहता हूं कि हम सबसे अधिक निडर टीम बनें।'

गंभीर ने माना कि उनके खिलाड़ी निडर टीम बनने की कोशिश में गलतियां कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'एशिया कप फाइनल जैसे बड़े मैच में मैंने खिलाड़ियों से कहा कि कैच छोड़ना, खराब शॉट खेलना या खराब गेंद फेंकना ठीक है। इंसान गलतियां करते हैं। सिर्फ ड्रेसिंग रूम में बैठे लोगों की राय मायने रखती है।' गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार और मैं हमेशा सहमत होते हैं, हम गलतियों से कभी नहीं डरेंगे। मैच जितना बड़ा होगा हमें उतना ही निडर और आक्रामक होना होगा। संकीर्ण सोच से विरोधी टीम को ही फायदा होता है। हमारे पास जो प्रतिभा है उसे देखते हुए अगर हम निडर होकर खेलेंगे तो हम ठीक रहेंगे।' भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप जीता था।

टी20 विश्व कप की तैयारियों पर बोले ऑस्ट्रेलियाई कोच, भारत के खिलाफ होगी असली परीक्षा

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने टी20 विश्व कप 2026 से पहले टीम के नए टी20 टेम्पलेट को लेकर बड़ा बयान दिया है। भारत के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले साल की असफलताओं से सबक लेकर अब अपने खेल के स्टाइल में बड़ा बदलाव किया है। ऑस्ट्रेलियाई कोच मैकडॉनल्ड ने कहा, 'हमने महसूस किया कि हमें अपने अप्रोच में बदलाव की ज़रूरत है। हमने दो विश्व कप में सफलता नहीं पाई, इसलिए इस बार हमने सीमाएं लांघने की कोशिश की है। अब हम ज़्यादा आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं।' कोच मैकडॉनल्ड ने आगे कहा, 'आप भारत जैसी टीम के खिलाफ खेल रहे हैं, जो नंबर-1 रैंक टीम है। हमारे लिए यह परफेक्ट टेस्ट है कि क्या हमारा नया स्टाइल इस स्तर पर टिक सकता है।' युवा खिलाड़ियों को मौका देने पर कोच मैकडॉनल्ड ने कहा, 'मिचेल स्टार्क के रिटायर होने और पैट कमिंस के चोटिल होने के बाद अब हमारे पास नई पीढ़ी के तेज़ गेंदबाज़ों को आज़माने का मौका है।'

भारत का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड- भारत का ऑस्ट्रेलिया में टी20 प्रदर्शन शानदार रहा है। अब तक खेले गए 12 मुकाबलों में भारत ने 7 जीते, 4 हारे और 1 बिना नतीजे के रहा। पिछली बार विराट कोहली की अगुवाई में भारत ने सीरीज़ 2-1 से जीती थी।

अर्जुन तेंदुलकर ने रणजी ट्रॉफी में गोवा की ओर से तीन विकेट लिए

नई दिल्ली ।महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी की है। मध्यम तेज गति के गेंदबाज अर्जुन ने कर्नाटक के खिलाफ एलीट बी ग्रुप में तीन विकेट लिए। अर्जुन ने 29 ओवर में 100 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने कर्नाटक के सलामी बल्लेबाज निकिन जोसे को केवल 3 रनों पर ही आउट कर दिया। अर्जुन ने इसके अलावा कृष्णन श्रीजीत और अभिनव मनोहर को भी आउट किया।अर्जुन के अलावा वासुकी कौशिक ने भी तीन विकेट लिए।

वहीं दूसरी ओर करुण नायर ने कर्नाटक की ओर से शतक लगाकार पारी को संभाला। हाल में ही भारतीय टीम से बाहर किये गये करुण ने 267 गेंद पर नाबाद 174 रन बनाये। उनकी इस बल्लेबाजी से कर्नाटक ने अपनी पहली पारी में 371 रन बनाए। करुण के अलावा वी विजयकुमार ने भी 31 रन बनाये। दोनो ने मिलकर कर्नाटक की टीम को एक बेहतर स्कोर तक पहुंचाया।

केकेआर ने सहायक कोच रहे अभिषेक नायर को बनाया मुख्य कोच

कोलकाता। आईपीएल के 2026 सत्र के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने सहायक कोच रहे अभिषेक नायर को टीम का मुख्य कोच बनाया है। नायर लंबे समय से टीम से जुड़ें है ऐसे में अब उन्हें और भी अधिक जिम्मेदारी देते हुए कोचिंग की कमान दे दी गयी है। नायर की युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के साथ ही टीम की रणनीति को बेहतर बनाने में अहम भूमिका रही है। दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और अन्य युवा भारतीय प्रतिभाओं को भी भी उन्होंने निखारा है। वह भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा रहे हैं। अभिषेक ने मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। उनका घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन रहा है। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से तीन एकदिवसीय भी खेले हैं। संन्यास के बाद वह कोचिंग में उतरे और उन्होंने कई खिलाड़ियों को आगे बढ़ाया है। आईपीएल में उन्हें सहायक कोच के तौर पर काफी लंबा अनुभवह है। अब मुख्य कोच बनने के बाद नायर के सामने केकेआर को फिर से विजेता बनाने को लक्ष्य रहेगा। फ्रैंचाइजी का उम्मीद है कि उनकी आधुनिक क्रिकेट की समझ, रणनीतिक कौशल और खिलाड़ी मनोविज्ञान की समझ टीम का प्रदर्शन बेहतर बना सकती है। केकेआर ने जिस प्रकार से अभिषेक को कोच बनाया है उससे ये साफ होता है कि फ्रैंचाइजी अपने ही लोगों को बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित कर रही है और बाहर से किसी को लाने में भरोसा नहीं रखती है। फ्रैंचाइजी को उम्मीद है कि उनके अनुभव का लाभी टीम को मिलेगा और खिलाड़ी नये उत्साह से मैदान में उतरेंगे। उन्होंने हाल में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ उनकी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काम किया था। नायर 2018 में केकेआर में शामिल हुए थे, तब वह मुंबई में केकेआर अकादमी के प्रमुख रहे थे। उन्होंने वहां रिंकू सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे टीम के कई युवा खिलाड़ियों को निखार है। वह बल्लेबाजी कोच के रूप में भी टीम मुख्य कोच रहे चंद्रकांत पंडित के सहायोग स्टाफ में थे। वह गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद भारतीय टीम के सहसोगी स्टाफ में रहे। नायर को इस साल की शुरुआत में राष्ट्रीय टीम द्वारा बर्खास्त कर दिया गया। इस साल की शुरुआत में, नायर को महिला प्रीमियर लीग का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

बावुमा की वापसी, दक्षिण अफ्रीका ने भारत दौरे के लिए टेस्ट टीम की घोषणा की

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। टेम्बा बावुमा ने अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली दो मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान के तौर पर वापसी की है। बावुमा को सितंबर में इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी बाएं पैर की पिंडली की चोट लगी थी जिससे वह अब उबर चुके हैं।

बावुमा पाकिस्तान दौरे के दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल लेग से बाहर रहेंगे, लेकिन वह प्रोटियाज टेस्ट टीम में फिर से शामिल होने से पहले अपनी तैयारी के हिस्से के तौर पर बेंगलुरु में BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) ग्राउंड में भारत ए के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ए के लिए दूसरे रेड-बॉल गेम में खेलने के लिए तैयार हैं।

बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने जून में लॉर्ड्स में प्रोटियाज को WTC जीत दिलाई थी। पाकिस्तान के खिलाफ 2025-27 साइकिल में दक्षिण अफ्रीका के अभियान की शुरुआत में नहीं खेल पाए थे, जहां सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी। बावुमा के शामिल होने से पाकिस्तान सीरीज से दक्षिण अफ्रीका की बैटिंग लाइन-अप में एकमात्र बदलाव हुआ है, जिसमें डेविड बेडिंगम को बाहर कर दिया गया है।

बेडिंगम, जिन्होंने 15 टेस्ट खेले हैं और एक शतक और चार अर्धशतक बनाए हैं, उन्हें खराब फॉर्म के कारण बाहर कर दिया गया है, सिवाय बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ उनके 82 रन के। टोनी डी जोरजी, ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस और जुबैर हमजा को बरकरार रखने के साथ चयनकर्ताओं ने मिडिल ऑर्डर में निरंतरता बनाए रखने का विकल्प चुना है। टीम में साइमन हार्मर, केशव महाराज और सेनुरा मुथुसामी सहित तीन फ्रंटलाइन स्पिनर शामिल हैं, जबकि कगिसो रबाडा और ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश, मार्को जानसेन और वियान मुल्डर तेज गेंदबाजी के विकल्प प्रदान करते हैं।

हेड कोच शुक्री कॉनराड ने कहा, 'हमने उस टीम के अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा है जिसने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में हिस्सा लिया था। उन खिलाड़ियों ने असली चरित्र दिखाया और पीछे से आकर उस सीरीज को ड्रॉ कराने के लिए कड़ी मेहनत की। हम भारत में भी इसी तरह की चुनौती की उम्मीद कर रहे हैं, और उन परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ी एक बार फिर हमारे लिए महत्वपूर्ण होंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ यह एक टीम प्रयास था और भारत में भी यही मांग होगी। हेड कोच शुक्री कॉनराड ने कहा, 'हर खिलाड़ी की यह पक्का करने में भूमिका होती है कि हम हमेशा एक मुश्किल जगह पर टूर करते हुए भी कॉम्पिटिटिव बने रहें।' पहला टेस्ट 14 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगा, जबकि दूसरा मैच गुवाहाटी में होगा, जहांACA स्टेडियम 22 नवंबर को अपना पहला टेस्ट मैच होस्ट करेगा।

साउथ अफ्रीका टेस्ट टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी ज़ोरज़ी, जुबैर हमज़ा, साइमन हार्मर, मार्को जेनसेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, सेनुरा मुथुसामी, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

जैनिक सिनर की धमाकेदार वापसी, लगातार दूसरा वियना खिताब जीता

रोम। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने रविवार को एक जबरदस्त वापसी करते हुए वियना ओपन 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में उन्होंने जर्मनी के एलेक्जेंडर ज़्वेरेव को 3-6, 6-3, 7-5 से हराया। यह इस सीजन का सिनर का चौथा खिताब और उनके करियर का 22वां टाइटल है। यह जीत सिनर के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि उन्होंने इस टूर्नामेंट में पहली बार कोई सेट गंवाया, लेकिन फिर शानदार वापसी की। वियना में यह उनका लगातार दूसरा खिताब है, उन्होंने 2023 में भी ट्रॉफी जीती थी। इस जीत के साथ सिनर ने इनडोर हार्ड कोर्ट पर लगातार 21 मैच जीतने का रिकॉर्ड कायम रखा है। फाइनल की शुरुआत सिनर के लिए मुश्किल रही, क्योंकि ज़्वेरेव ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। लेकिन सिनर ने हिम्मत नहीं हारी और दूसरे सेट में शानदार टेनिस दिखाते हुए 6-3 से बराबरी की। निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जोरदार मुकाबला चला, जहां सिनर ने 5-5 पर शानदार बैकहैंड विनर लगाकर ब्रेक हासिल किया और फिर सर्विस होल्ड करते हुए खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद सिनर ने कहा, 'शुरुआत मेरे लिए कठिन रही, लेकिन मैंने मानसिक रूप से मजबूत रहने की कोशिश की। तीसरा सेट थोड़ा रोलरकोस्टर जैसा था, लेकिन आखिरकार जीत हासिल करना बहुत खास अहसास है।' 24 वर्षीय सिनर इस सीज़न में अब तक 10 में से 8 टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलियन ओपन, विंबलडन और बीजिंग के खिताब भी शामिल हैं। अब उनका अगला पड़ाव पेरिस मास्टर्स 1000 होगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अफरीदी का रिकार्ड तोड़ सकते हैं रोहित

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर अपने आलोचकों को करारा जवाब देने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज में सबसे अधिक छक्के लगाने का विश्व रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट शाहिद अफरीदी के नाम है। अफरीदी ने अपने एकदिवसीय करियर में कुल 351 छक्के लगाए थे, वहीं अब रोहित 349 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। रोहित और अफरीदी के बीच अब केवल 2 छक्कों का ही अंतर रह गया है।

रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में अर्धशतक जबकि तीसरे एकदिवसीय में शतक लगाया था। रोहित ने 121 रनों की नाबाद पारी खेलकर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 50वां शतक था। अपनी इस पारी में हिटमैन ने 13 चौके और 3 लंबे छक्के लगाए। इन 3 छक्कों के साथ रोहित शर्मा पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के सबसे अधिक छक्कों के विश्व रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंच गए हैं। अफरीदी ने अपने एकदिवसीय करियर में कुल 351 छक्के लगाए थे, वहीं अब रोहित 349 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। रोहित शर्मा और शाहिद अफरीदी के बीच अब केवल 2 छक्कों का ही अंतर रह गया है। भारत को अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में रोहित शर्मा के पास सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे अधिक छक्के के मामले में तीसरे नंबर है वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं। उनके नाम 331 छक्के हैं। वहीं श्रीलंका के सनथ जयसूर्या के नाम 270 और महेन्द्र सिंह धोनी के नाम 229 छक्के हैं।

हीरो हॉकी महिला लीग 28 दिसंबर, पुरुष लीग 3 जनवरी से शुरु होगी

रांची ।हीरो हॉकी इंडिया लीग ने 2025-26 सत्र के लिए पुरुष और महिला टीमों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। महिला लीग 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक रांची में होगी जबकि पुरुष लीग 3 से 26 जनवरी तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी। हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, पिछले सत्र की सफलता के बाद हमें इस बार और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। हमने पुरुष लीग को तीन शहरों में रखा है जिससे अधिक से अधिक प्रशंसक इस विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले पायें।' वहीं हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। ऐसे में आगामी सत्र अब तक का सबसे बेहतर सत्र होगा। इस कार्यक्रम के दौरान रांची रॉयल्स का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया। ये लोगो टीम की जीवंत भावना और झारखंड की समृद्ध हॉकी विरासत के साथ मजबूत संबंध को दिखाता है।

महिला लीग- 28 दिसंबर से 10 जनवरी 2026 तक रांची में होने वाली महिला लीग में कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें शामिल चार टीमों रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के बीच डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में मुकाबले होंगे। वहीं अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच 10 जनवरी को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन जैसे 10 से अधिक देशों की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी।

पुरुष लीग- 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चलेगी। पहला चरण चेन्नई में, दूसरा रांची में और तीसरा भुवनेश्वर में होगा।पुरुष लीग में आठ टीमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, जीएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (वर्तमान चैंपियन), वेदांता कलिंग लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हिस्सा लेंगी। पुरुष लीग में 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे शीर्ष हॉकी राष्ट्रों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से खेलेंगी।

एक-दूसरे से भिड़े खिलाड़ी, रियाल मैड्रिड ने बार्सिलोना के खिलाफ हार का सिलसिला तोड़ा

मैड्रिड (एजेंसी)। रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के एक मैच में बार्सिलोना को 2-1 से हराकर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पिछले कुछ समय से चला आ रहा हार का सिलसिला तोड़ दिया। इस मैच के बाद हालांकि दोनों टीम के खिलाड़ी एक-दूसरे से भिड़ गए।

ला लीगा के वर्तमान सत्र में यह पहला अवसर था जबकि दोनों टीम एक दूसरे के आमने-सामने थी। काइलियन एमबाप्पे और जूड बेलिंगहैम के गोल की मदद से रियाल मैड्रिड ने रविवार को जीत हासिल की जिससे इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उसका चार मैचों से चला आ रहा हार का सिलसिला टूट गया। इस जीत से 10 राउंड के बाद रियाल मैड्रिड की बार्सिलोना पर लीग में बढ़त पांच अंक की हो गई।

बार्सिलोना के पेड्री को अंतिम सीटी बजने से ठीक पहले मैदान से बाहर भेजे जाने के बाद दोनों टीमों के बेंच पर मौजूद खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हो गई। यह विवाद मैच खत्म होने के बाद भी जारी रहा, जिसमें मैड्रिड के फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर और बार्सिलोना के स्टार फॉरवर्ड लामिन यामल भी शामिल थे। विनिसियस और यामल के बीच मैच के दौरान भी कई बार बहस हुई। विनिसियस ने यामल की ओर इशारा किया कि बार्सिलोना का यह स्टार बहुत ज़्यादा बोल रहा है।

मैच के बाद यामल और मैड्रिड के गोलकीपर थिबॉट कोर्टोइस और डिफेंडर दानी कार्वाजल के बीच भी बहस हो गई। मैच के बाद हुई झड़प के बाद मैड्रिड के रिजर्व गोलकीपर एंड्री लुनिन को मैदान से बाहर भेज दिया गया तथा विनिसियस उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें पीला कार्ड दिखाया गया। दूसरे हाफ में पेनल्टी किक को गोल में बदलने में नाकाम रहे फ्रांस के फ़ॉरवर्ड एमबाप्पे ने 22वें मिनट में मैड्रिड को बढ़त दिला दी।

बार्सिलोना ने 38वें मिनट में फर्मिन लोपेज़ के गोल से बराबरी कर ली। बेलिंगहैम ने 43वें मिनट में विजयी गोल दागा। इसके बाद 52वें मिनट में बार्सिलोना के गोलकीपर वोज्शिएक स्ज़ेसनी ने एमबाप्पे की पेनल्टी किक बचा ली। मैड्रिड ने इस सत्र में अपने 13 मैचों में से 12 में जीत हासिल की है। यह बार्सिलोना की सभी प्रतियोगिताओं में सत्र की तीसरी हार है।

मैं एक्टिंग के बारे में... कैमरे पर भी दिखेंगे आर्यन?

क्या शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान एक्टिंग की दुनिया में कदम रखेंगे? इसको लेकर रजत बेदी ने एक खुलासा किया है। रजत ने आर्यन की वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में जरज सक्सेना का किरदार निभाया है। उन्होंने बताया कि आर्यन ने एक्टिंग के बारे में उनसे क्या कहा था। रजत बेदी का खुलासा, आर्यन खान ने एक्टिंग डेब्यू को लेकर कही थी ये बात शाहरुख खान कई दशक से बॉलीवुड पर राज कर रहे हैं। पर उनके बेटे आर्यन खान ने अलग रास्ता चुना। कैमरे के पीछे। भले ही उन्होंने अपनी वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड से तहलका मचा दिया। पर फैंस को अभी भी उस पल का इंतजार है, जब वो कैमरे के सामने एक्टिंग करते हुए नजर आएंगे। अपने पापा के नक्शेकदम पर चलते हुए। अब रजत बेदी ने इसको लेकर एक खुलासा किया है। आर्यन खान ने द बैड्स ऑफ बॉलीवुड से राइटर और निर्देशक के तौर पर अपनी शुरुआत की। शो के प्रीमियर से पहले अनाउंसमेंट टीजर में आर्यन की स्क्रीन प्रेसेंस ने दिल जीत लिया था। उनकी पर्सनैलिटी और स्माइल की लोग तारीफ करते नहीं थक रहे थे। पर उन्हें पर्दे पर देखने की ख्वाहिश अभी पूरी नहीं हो पाई है। रजत ने आर्यन के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे 27 साल के आर्यन की स्पष्टता और आत्मविश्वास से वो प्रभावित हुए थे।

बाद में एक्टिंग का सोचूंगा

रजत ने कहा, पहले ही दिन उन्होंने मुझसे कहा, सर, मैंने कुछ लिखा है और मैं इसे निर्देशित करने जा रहा हूं। मैंने उनसे पूछा, क्या आप निर्देशन करने जा रहे हैं? मैंने कहा, बेटा, पूरी दुनिया कैमरे के सामने तुम्हारा इंतजार कर रही है! तुम इसके पीछे क्या कर रहे हो? इस पर आर्यन ने शांति और सहजता से कहा, नहीं सर, मेरे पिता जिस मुकाम पर पहुंच गए हैं, तुलनाएं, उम्मीदें और ये सब... लेकिन शायद बाद में मैं एक्टिंग के बारे में सोचूंगा। अभी नहीं।

दीपिका ने की प्रभास की 'स्पिरिट' के टीजर की तारीफ

फिल्म का हिस्सा न होने पर जताया दुख?

प्रभास के जन्मदिन के मौके पर उनकी आगामी फिल्म 'स्पिरिट' का ऑडियो टीजर जारी किया गया। इसके जारी होते ही इसको लेकर विवाद भी शुरू हो गया। विवाद की वजह टीजर में प्रभास को इंडिया का सबसे बड़ा सुपरस्टार बताना है। अब इस ऑडियो टीजर के सामने आने के बाद दीपिका पादुकोण भी चर्चा में हैं। वजह है दीपिका के फिल्म के टीजर पर प्रतिक्रिया देना। दरअसल, दीपिका पादुकोण के नाम से एक ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल है।

एक्स पर दीपिका पादुकोण फैन गर्ल के नाम से एक अकाउंट से 'स्पिरिट' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की एक पोस्ट को री-शेयर किया गया है। इस पोस्ट में 'स्पिरिट' के टीजर को जारी किया गया है। इसको शेयर करते हुए दीपिका के फैन पेज ने कैप्शन में लिखा है, 'मैं दुखी हूं, लेकिन वीडियो शानदार है संदीर रेड्डी। प्रभास सर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' इस ट्वीट के सामने आने के बाद ऐसी चर्चाएं होने लगीं कि दीपिका ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म के टीजर पर प्रतिक्रिया दी है और वो इसका हिस्सा न होने पर दुखी हैं। हालांकि, ये प्रतिक्रिया दीपिका पादुकोण के फैन गर्ल नाम के अकाउंट से की गई है। ये एक फैन पेज है।

तृप्ति डिमरी ने ली फिल्म में दीपिका की जगह

संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित 'स्पिरिट' में प्रभास के साथ पहले दीपिका पादुकोण फिल्म का हिस्सा थीं। हालांकि, बाद में दीपिका फिल्म से अलग हो गईं। अब उनकी जगह तृप्ति डिमरी प्रमुख भूमिका में फिल्म में शामिल हुई हैं। इसके अलावा विवेक ओबेरॉय भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे। दीपिका के फिल्म से बाहर होने का कारण उनकी आठ घंटे काम करने की मांग और फीस को बताया जा रहा है। जिसके चलते दीपिका और मेकर्स के बीच तनाव पैदा हो गया और अंत में दीपिका फिल्म का हिस्सा नहीं रहीं। इसके बाद संदीप रेड्डी वांगा ने दीपिका पर इशारों-इशारों में निशाना भी साधा था। ऐसे में अब ऑडियो टीजर सामने आने के बाद दीपिका ट्रोलर्स के भी निशाने पर हैं।

गांधारी से नेटफ्लिक्स पर वापसी करेंगी तापसी

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से अभिनेत्री तापसी पन्नू को लेकर खबर आ रही थी कि वो भारत छोड़कर पति के साथ डेनमार्क में शिफ्ट हो गई हैं। कहा जा रहा था कि उन्होंने भारत छोड़कर अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बोए के साथ डेनमार्क में स्थायी रूप से बसने का फैसला कर लिया है। लेकिन अब खुद तापसी ने इन खबरों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है।

तापसी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साफ किया कि उनका ऐसा कोई प्लान नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- क्या इससे कम झूठी और कम सनसनीखेज हेडलाइन नहीं मिल सकती थी? जरा रिसर्च कर लिया करो, इतनी जल्दी क्या है! तापसी ने फेक रूमर्स फैलाने वालों को आड़े हाथों लिया और फैंस को बताया कि वो मुंबई में हैं। काम के मोर्चे पर तापसी जल्द ही 'गांधारी' में दिखाई देंगी, जो एक इंटेंस रिवेंज ड्रामा है। इस फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा कर रहे हैं और इसे कनिका ढिल्लों की कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी और इसमें तापसी का अब तक का सबसे गहरा और भावनात्मक किरदार बताया जा रहा है। इससे पहले उन्हें 'खेल खेल में' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, वाणी कपूर, अमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फर्दीन खान नजर आए थे।

परेश रावल ने अच्छी स्क्रिप्ट के बावजूद ठुकराई अजय देवगन की फिल्म

बॉलीवुड एक्टर परेश रावल इस साल हेरा फेरी 3 के कारण सुर्खियों में छाए रहे। उन्होंने पहले इस मूवी को छोड़ दिया था और फिर जब खूब बवाल हुआ। विवाद हुआ तो इससे दोबारा जुड़ गए। अब खबर है कि वह अजय देवगन की दृश्यम 3 में भी शामिल होने वाले थे लेकिन उन्होंने इसे करने से मना कर दिया। एक इंटरव्यू में उन्होंने इसका खुलासा किया है और बताया कि उनको मजा नहीं आया। परेश रावल ने खुलासा किया है कि उन्हें दृश्यम 3 में एक अहम भूमिका निभाने के लिए अप्रोच किया गया था। लेकिन उन्होंने फिल्म में रोल करने से मना कर दिया था। एक्टर ने बताया, हां मेकर्स ने मुझसे संपर्क किया था। लेकिन मुझे नहीं लगा कि वो रोल मेरे लिए सही है। मजा नहीं आया। परेश रावल ने कहा, लेकिन स्क्रिप्ट अच्छी है। मैं वाकई इम्प्रेस हुआ। लेकिन एक अच्छी स्क्रिप्ट में भी आपको एक एसे रोल की जरूरत होती है, जिसे लेकर आप एक्साइटेड हों। वरना मजा नहीं आएगा। एक्टर ने हेरा फेरी 3 को लेकर भी काफी कुछ कहा था। वह बाबू राव का किरदार नहीं निभाना चाहते थे। लेकिन बाद में वह राजी हो गए थे। अब वह थामा में नजर आए थे। जिसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अहम किरदार में थे।

निर्देशक अमर कौशिक ने किया खुलासा, कब शुरू होगी विक्की कौशल की महावतार की शूटिंग?

स्त्री, भेड़िया स्त्री 2 और बाला जैसी फिल्मों के निर्देशक अमर कौशिक अपनी अगली अपकमिंग फिल्म महावतार को लेकर सुर्खियों में हैं। वह यह फिल्म विक्की कौशल के साथ बना रहे हैं। हाल ही में उन्होंने इस फिल्म के बारे में बात की है। उन्होंने कहा है कि महावतार एक बड़ी जिम्मेदारी है। यह एक ऐसी कहानी है जिस पर वह काम करना चाहते थे। निर्देशक अमर कौशिक ने कहा कि महावतार की तैयारी चल रही है और टीम ड्रेस और सेट पर काम कर रही है। वह अगले साल फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

फिल्म बनाना बड़ी जिम्मेदारी है

अमर कौशिक ने एक इंटरव्यू में कहा, यह फिल्म मेरे करियर में मेरे लिए एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। यह ईश्वर की ओर से मिली है क्योंकि यह किरदार बचपन से मेरे साथ रहा है। हम अरुणाचल प्रदेश में परशुराम कुंड के पास रहते थे और हम वहां जाया करते थे। हमारे घर में यही रस्म थी... जब भी मैं वहां जाता था, मैं बहुत मंत्रमुग्ध हो जाता था।

अमर कौशिक की अगली फिल्म

निर्माता के रूप में फिल्म निर्माता की अगली फिल्म शक्ति शालिनी है, जो मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म है। इस बैनर तले स्त्री, भेड़िया, स्त्री 2, मुंज्या और थामा जैसी फिल्में रिलीज हुई हैं। सैयारा स्टार अनीत पड्डा शक्ति शालिनी में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

विक्की के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं निर्देशक

कौशिक ने कहा मुझे नहीं पता था कि इसे कैसे बनाया जाए क्योंकि इसके लिए पैसे और वीएफएक्स की जरूरत थी। मैं यह भी सुनिश्चित करना चाहता था कि यह मेरे मन में बने विजन के अनुरूप हो। मैं विक्की के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। जब भी मैं उनसे मिलता हूं, मुझे उनमें बहुत पवित्रता दिखाई देती है। वह इस किरदार को निभाने के लिए सबसे उपयुक्त अभिनेता हैं। हम इसकी शूटिंग अगले साल करेंगे, हम विक्की के आने का इंतजार कर रहे हैं। फिर, वह इसकी तैयारी करेंगे।

तेलुगु में डेब्यू करने जा रहे दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो सिर्फ सिनेमा नहीं बल्कि समाज और राजनीति से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। कन्नड़ फिल्मों के इस सुपरस्टार ने अब अपने करियर का नया अध्याय शुरू किया है- तेलुगु सिनेमा में बतौर लीड डेब्यू। वह जल्द ही पांच बार के विधायक और जनता के नेता गुम्मादि नरसैया के जीवन पर आधारित बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं।

जनता के बीच से निकला जननेता

तेलंगाना के येल्लंदु क्षेत्र से आने वाले गुम्मादि नरसैया का नाम उस दौर में भी लोगों की जुबान पर था जब राजनीति का मतलब सेवा हुआ करता था, सत्ता नहीं। वह कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्टलेनिनिस्ट) से पांच बार विधायक रहे, लेकिन सादगी और ईमानदारी की मिसाल बने रहे। साइकिल पर विधानसभा पहुंचने वाले इस नेता ने कभी लाल बत्ती की कार का मोह नहीं किया। गरीबों और आदिवासियों के हक की आवाज उठाने वाले नरसैया ने ज़मीनी स्तर पर वह काम किया जिसे आज की राजनीति शायद भूल चुकी है। यही कारण है कि उनका जीवन अब बड़े परदे पर लाया जा रहा है।

शिवा राजकुमार निभाएंगे किरदार

शिवा राजकुमार, जिन्हें दक्षिण में 'करुणाडा चक्रवर्ती' कहा जाता है, इस बायोपिक में नरसैया का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण प्रवल्लिका आर्ट्स क्रिएशंस के बैनर तले हो रहा है और निर्देशन की कमान संभाली है नए निर्देशक परमेश्वर हिवराले ने। फिल्म की घोषणा एक भावनात्मक पोस्टर के साथ की गई, जिसमें शिवा राजकुमार को सफेद कुर्ता-पायजामा और लाल शॉल में दिखाया गया है। उनके साथ उनकी साइकिल पर सीपीआई (एमएल) का झंडा लहरा रहा है- एक ऐसा नजारा जो उनके राजनीतिक जीवन का प्रतीक बन गया था।

सामाजिक बदलाव की कहानी

फिल्म के पहले लुक वीडियो में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी की मूर्तियों के साथ भारतीय संविधान की झलक दिखाई गई है। ये दृश्य फिल्म के मूल विचार को परिभाषित करते हैं- जनता के अधिकारों की लड़ाई और समानता का संघर्ष। निर्देशक के अनुसार, फिल्म सिर्फ एक राजनीतिक जीवन की कहानी नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, संविधान और समाज के बीच के उस रिश्ते को भी उजागर करती है जो समय के साथ धुंधला पड़ गया है।

सिनेमा से परे एक आंदोलन की शुरुआत

गुम्मादि नरसैया का किरदार निभाना शिवा राजकुमार के लिए महज एक अभिनय नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। वह खुद इस परियोजना को लोगों के संघर्ष की गाथा बता चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के ऐलान वीडियो में खुद गुम्मादि नरसैया के इंस्टाग्राम अकाउंट को टैग किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह भी फिल्म के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

शिवा राजकुमार की व्यस्त फिल्मी पारी

शिवा राजकुमार इन दिनों साउथ सिनेमा के सबसे व्यस्त सितारों में गिने जाते हैं। वह जल्द ही '45' में उपेंद्र और राज बी शेट्टी के साथ नज़र आने वाले हैं। इसके अलावा 'डैड' और '666 ऑपरेशन ड्रीम थिएटर' जैसी फिल्मों पर भी काम कर रहे हैं। साथ ही वह रजनीकांत की 'जेलर 2' और राम चरण की 'पेड्डी' में कैमियो करते हुए भी दिखेंगे।

अवतार के रूप में क्यों आते हैं भगवान

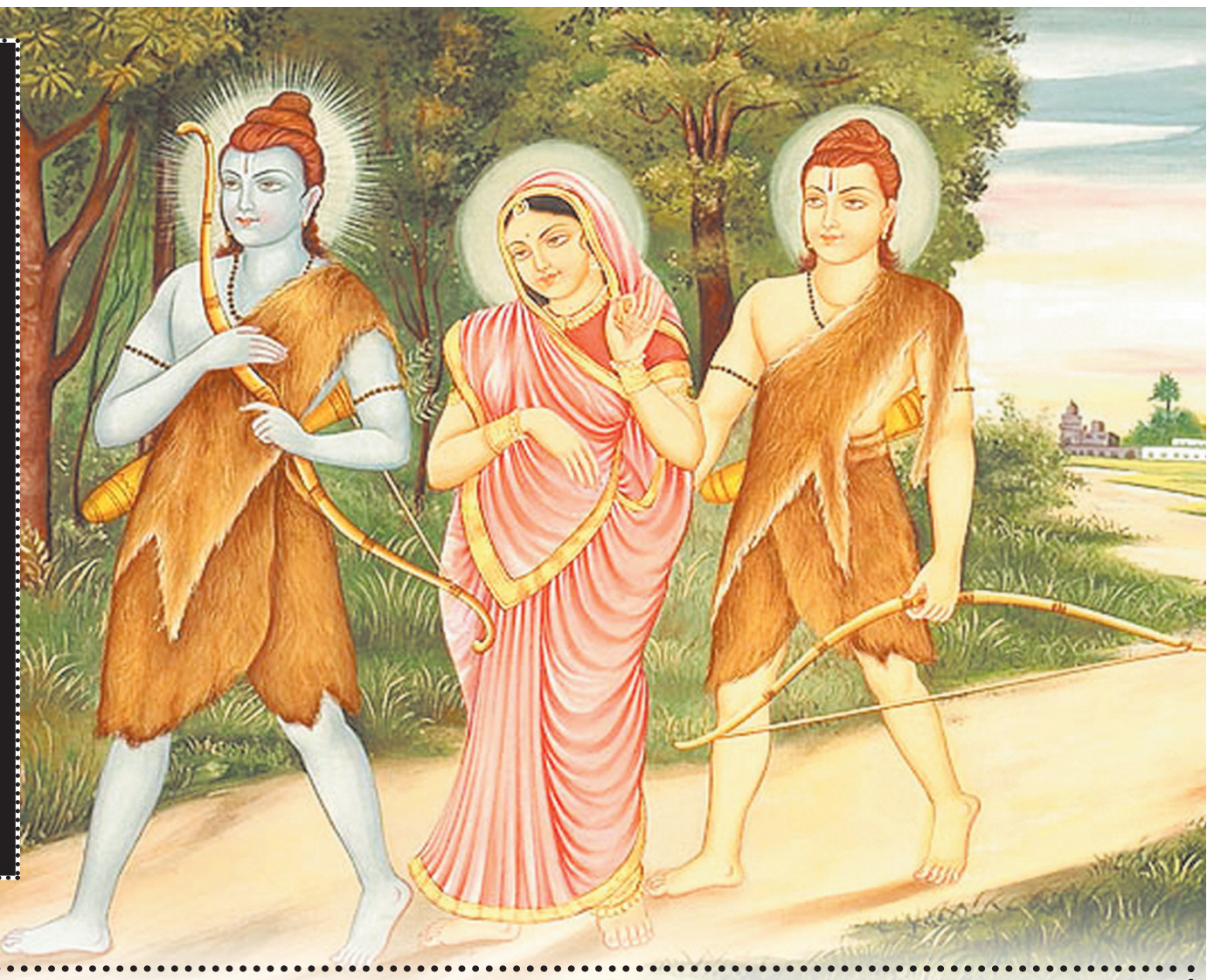

जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है।

भगवान के अवतार के तीन कारण होते हैं- पहला अनुग्रह अथवा साधुपरित्राण, दूसरा निग्रह अथवा दुष्कृतकारियों का विनाश और तीसरा धर्मसंस्थापन। जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है। भगवत साक्षात्कार तभी हो सकता है, जब भगवान में निष्ठा हो। निष्ठा तभी होती है जब अनुराग हो, अनुराग उसी में होता है, जिसकी ओर आकर्षण होगा। अतएव जीवजात को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए ही भगवान अवतार रूप में ऐसी-ऐसी मनमोहिनी क्रीड़ाएं करते हैं कि जिन्हें सुनकर श्रोताओं का मन उनमें बलात् आसक्त हो जाता है

बालक, युवक और वृद्ध, पंडित और मूर्ख, राजा और प्रजा, स्त्री और पुरुष, विषयी और विरागी, सभी का भगवल्लीला श्रवण से उधर आकर्षण होता है, जो परिणाम में प्रपंचातीत परमात्मा तक पहुंचा देता है। ज्ञान-विज्ञान विनाशन काम को गीता में आचार्य रामानुज के अनुसार बुद्धि से भी बलवत्तर बताया गया है। उसी महापाप, महावैरी, दुष्पूर काम को भक्तजन अनायास जीत सकें, इसलिए भगवान अपने अवतार चरित्रों द्वारा मदन-दमन लीलाएं करते हैं। उदाहरण के लिए कोटि-कन्दर्पदर्पहा श्रीकृष्ण की योगमाया द्वारा प्रसाधित रासलीला का दर्शन करके उस समय अनेक देवादि भी भगवन्निष्ठ होकर कृतकृत्य हो गये और अब भी उस परम उज्ज्वल लीला का श्रद्धापूर्वक अध्ययन करने वालों के मदनरूपी हृदय रोग का स्वयमेव शमन हो जाता है।

नित्यविभूति से लीलाविभूति में श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि रूपों में श्रीभगवान का अवतार आगम ग्रंथों में विभव कहलाता है। श्रीमत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, राम (जामदग्न्य), राम (दाशरथि), कृष्ण, बुद्ध और कल्कि, ये दस अवतार प्रसिद्ध हैं। श्रीवराह, सनकादि, नारद, नर-नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋषभ, पृथु, मत्स्य, कूर्म, धन्वन्तरि, मोहिनी, नृसिंह, वामन, परशुराम, वेदव्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि- ये 22 अवतार कहलाते हैं। हंस और हयग्रीव की संख्या मिलाने से यह 24 होते हैं। आगम ग्रंथों में अन्यान्य अवतारों के भी नाम उपलब्ध होते हैं।

विभव के दो भेद हैं- स्वरूपावतार और आवेशावतार। जब श्रीभगवान स्वरूप में अर्थात् स्वयं ही अवतीर्ण होते हैं, तब उनका वह रूप स्वरूपावतार कहलाता है, जैसे दाशरथि श्रीराम, किंतु जब किसी जीव विशेष में परमात्मा की शक्ति का आवेश होता है, तब उसे आवेशावतार कहते हैं, जैसे जामदग्न्य राम।

जिस रूप में परब्रम्ह परमात्मा अपने समग्र ऐश्वर्य माधुर्य को लिये हुए ही अवतीर्ण होते हैं, उसे पूर्णावतार कहते हैं। किंतु जिस रूप में आवश्यकतानुसार वे अपने प्रभाव का आंशिक प्राकट्य ही दिखलाते हैं, उसको अंशावतार कहते हैं। अंश के तुरीय भाग को कला कहते हैं। अतएव अंशावतार का अवान्तर भेद होने से कलावतार को उसी के अन्तर्भूत समझना चाहिए।

सरल उपाय अपनाएं शर्तिया वास्तुदोष भगाएं

- घर का मुख्य द्वार सदैव पूर्व या उत्तर में ही होना चाहिए किंतु यदि ऐसा न हो पा रहा हो तो घर के मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। घर की स्थिति अनुकूल होने लगती है।
- घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा रखें। सुबह उसमें जल अर्पित करें तथा शाम को दीपक जलाएं। पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है। घर की छत पर तुलसी का पौधा रखने से घर पर बिजली गिरने का भय नहीं रहता। घर में किसी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर में पांच तुलसी के पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित सेवा करें।
- ध्यान रहे कि घर में खिड़की दरवाजों की संख्या सम हो जैसे (2, 4, 6, 8, 10) तथा दरवाजे खिड़कियां अंदर की तरफ ही खुलें। द्वार खोलते-बंद होते समय किसी भी प्रकार की कर्कश ध्वनि नहीं आनी चाहिए। ये अशुभ सूचक होता है।
- यदि किसी भिक्षुक को भिक्षा देनी हो तो घर से बाहर आकर ही दें अन्यथा अनहोनी होने की संभावना रहती है।
- इस बात का ध्यान रहे कि घर में कभी भी फालतू सामान, टूटे-फूटे फर्नीचर, कूड़ा कबाड़ तथा बिजली का सामान इकट्ठा न होने पाए। अन्यथा घर में बेवजह का तनाव बना रहेगा।
- घर के किसी भी कोने में सीलन नहीं होनी चाहिए और न ही घर के किसी कोने में रात को अंधेरा रहना चाहिए। शाम को कम से कम 15 मिनट पूरे घर की लाइट अवश्य जलानी चाहिए। बिजली के स्विच, मोटर, मेन मीटर, टी.वी., कम्प्यूटर आदि आग्नेय कोण में ही होने चाहिए इससे आर्थिक लाभ सुगमता से होता है।
- घर में पुस्तकें रखने का स्थान उत्तर या पूर्व में ही होना चाहिए तथा पुस्तकों को बंद अलमारी में ही रखना चाहिए।
- घर में कभी भी मकड़ी के जाले नहीं लगने चाहिए नहीं तो राहु खराब होता है तथा राहु के बुरे फल भोगने पड़ते हैं।
- संध्या के समय घर में एक दीपक अवश्य जलाएं तथा ईश्वर से अपने द्वारा किए गए पापों के लिए क्षमा याचना करें।

बृहस्पति जी को देवगुरु पद किसने प्रदान किया

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अंगिरा ऋषि का विवाह स्मृति से हुआ। जिनसे सिनीवाली, कुहू, राका, अनुमति नाम कि कन्याएं एवं उतथ्य व जीव नामक पुत्र हुए। जीव बचपन से ही शांत एवम जितेन्द्रिय प्रकृति के थे। वे समस्त शास्त्रों तथा नीति के ज्ञाता हुए। अंगिरा नंदन जीव ने प्रभास क्षेत्र में शिवलिंग कि स्थापना कि तथा शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया।

महादेव ने उनकी आराधना एवं तपस्या से प्रसन्न हो कर उन्हें साक्षात दर्शन दिए और कहा, हे द्विज श्रेष्ठ ! तुमने बहुत तप किया है। अतः तुम बृहस्पति नाम से प्रसिद्ध हो कर देवताओं के गुरु बनों और उनका धर्म व नीति के अनुसार मार्गदर्शन करो। इस प्रकार महादेव ने बृहस्पति को देवगुरु पद और नवग्रह मंडल में स्थान प्रदान किया। तभी से जीव, बृहस्पति और गुरु के नाम से विख्यात हुए। देवगुरु कि शुभा,तारा और ममता तीन पत्नियां हैं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भरद्वाज एवं कच नामक दो पुत्र हुए। बृहस्पति ग्रह सब ग्रहों में सबसे अधिक वजनी और पृथ्वी से बहुत नज़दीक 37 करोड़ मील से भी कम दूरी पर हैं। इस ग्रह पर वायु नहीं है इसके धरातल पर हमेशा लावा फूटता रहता है इसलिए जो हमारे गुरुजन है उनके अन्दर जो ज्ञान रूपी लावा है वो हमारे कल्याण के लिए निरंतर बहता रहता है।

शनि देव लंगड़े एवं शनेश्चर क्यों कहलाते हैं?

सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा उनका तेज सहन न कर पाने से अपनी प्रतिमूर्ति छाया को प्रकट कर और उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी सौंप तपस्या करने चली गई। छाया संज्ञा का प्रतिरूप बन सूर्यदेव के साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतित करने लगी। इस दौरान छाया और सूर्यदेव के पांच पुत्र हुए। जब उसके स्वंय के बच्चे हो गए तो उसका मन उनमें ही रम गया और संज्ञा के बच्चों के प्रति उसका विमाता सा व्यवहार हो गया। एक दिन छाया अपने बच्चों को खाना परोस रही थी। शनिदेव भूख से व्याकुल होकर छाया के पास आए और उनसे भोजन परोसने को कहने लगे पर छाया ने उनकी तरफ ध्यान न दिया। अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराती रही। छाया के व्यवहार से शनिदेव को बहुत क्रोध आया और उन्होंने छाया को मारने के लिए अपनी टांग उठायी। तभी छाया ने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि, तेरी यह टांग अभी टूट जाए। उसी समय शनिदेव लंगड़े हो गए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव को कू ग्रह माना जाता है। मान्यता है की जिसकी कुण्डली में शनि नकारात्मक भाव में हो उसे बहुत सी मुसिबतों का सामना करना पड़ता है। वह नौ ग्रहों में सबसे धीमे ग्रह हैं क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से शनि लंगड़ा है और एक राशि में करीब ढाई वर्ष तक रुकता है। इसी वजह से इन्हें शनेश्चर भी कहा जाता है क्योंकि ये श्नैः श्नैः चलते हैं।

गणेश मंत्र करेगा सभी कामनाओं की पूर्ति

गणपति जी का बीज मंत्र गं है। इनसे युक्त मंत्र- ऊँ गं गणपतये नमः का जप करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

- बुद्धि का विकास करना चाहते हैं तो श्री गणेश जी के मंत्र ऊँ गं गणपतये नमः का एक माला जाप करें और 11 मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- बच्चे का मन पढाई में न लग रहा हो तो प्रत्येक बुधवार ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ 11 दूर्वा 6 हरी घास 8 गणेश जी को आर्पित करें।
- व्यवसाय न चल रहा हो या घाटे पड़ रहे हो तो प्रत्येक बुधवार 11 दूर्वा ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ चढ़ावे तथा 21 लड्डू का भोग लगा कर ग्राहकों में बांटे।
- चूहों से परेशान हैं तो एक कटोरी में जल लेकर ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र को पढकर कटोरी को रात भर जमीन पर रख दें सुबह जल पौधों में डाल दें। चूहे भाग जाएंगे।
- अगर आपका व्यवसाय बन्द होने के कगार पर है तो 108 लड्डू 108 दूर्वा के साथ गणेश जी का अभिषेक कराएं।

इस मंत्र जाप के अतिरिक्त गणपति अथर्वशीर्ष, संकटनाशक गणेश स्त्रोत, गणेशकवच, संतान गणपति स्त्रोत, ऋणहर्ता गणपति स्त्रोत, मयूरेश स्त्रोत, गणेश चालीसा का पाठ करने से गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है ।